@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 28 सितंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 319 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## भारत अब दुनिया के उन पांच देशों में शामिल जिनके पास 4जी की स्वदेशी तकनीक : प्रधानमंत्री

### प्रधानमंत्री ने झारसुगुड़ा से बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया

**एजेंसी**

**झारसुगुड़ा (ओडिशा)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के उन पांच देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास 4जी दूरसंचार सेवाएं शुरू करने की पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक मौजूद है। प्रधानमंत्री ने झारसुगुड़ा से बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 97,500 से अधिक मोबाइल टावरों को आज राष्ट्र को समर्पित किया जा रहा है। यह बीएसएनएल का नया अवतार है और दूरसंचार क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह एक गर्व का क्षण है कि जब दुनिया भर में 2जी, 3जी और 4जी तकनीक का विकास हो रहा था, तब देश पीछे रह गया था। उस समय हमने दूरसंचार क्षेत्र में भ्रष्टाचार और घोटालों के किस्से देखे थे लेकिन अब भारत ने संकल्प लिया और स्वदेशी तकनीक विकसित कर ली। आज यह सफलता इस बात का प्रतीक है कि भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है और जल्द ही वैश्विक टेक्नोलॉजी हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को सेमीकंडक्टर से लेकर जहाज निर्माण तक हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि देश में जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज स्वीकृत किया गया है। जहाज निर्माण से देश को व्यापार, तकनीकी और सुरक्षा–सभी क्षेत्रों में मजबूती मिलेगी और संकट के समय आयात-निर्यात बाधित नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ओडिशा

अब डबल इंजन सरकार की गति से प्रगति कर रहा है। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनावों के दौरान जनता ने विकसित ओडिशा का संकल्प लिया था, और अब राज्य तेज़ी से उस दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने झारसुगुड़ा से विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि यह दशक ओडिशा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। प्रकृति ने इस राज्य को अनेक उपहार दिए हैं। यहां के लोगों की मेहनत और प्रतिभा राज्य को समृद्धि की ओर ले जाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने अंत्योदय गृह योजना के अंतर्गत 50,000 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। योजना का उद्देश्य विधवाओं, दिव्यांग व्यक्तियों और आपदाओं से प्रभावित परिवारों को पक्के मकान और वित्तीय सहायता प्रदान करना है। उन्होंने कहा,'जब एक गरीब परिवार को पक्का घर मिलता है तो सिर्फ वर्तमान ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन भी आसान हो जाता है। अब तक देशभर में 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के घर मिल चुके हैं।÷ प्रधानमंत्री ने बताया कि भाजपा सरकार गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को मूलभूत सुविधाएं देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने हाल ही में लागू किए गए जीएसटी सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को घरेलू बजट चलाने में बड़ी राहत मिली है। मोदी ने उदाहरण देते हुए कहा कि किसान को पहले ट्रैक्टर खरीदने पर 70 हजार रुपये टैक्स देना पड़ता था, लेकिन अब जीएसटी सुधार के बाद 40 हजार रुपये की सीधी बचत होगी। इसी प्रकार अन्य कृषि उपकरणों पर भी किसानों को राहत मिली है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले आमदनी पर टैक्स का बोझ गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर भारी पड़ता था। कांग्रेस के समय दो लाख रुपये की वार्षिक आय पर टैक्स देना पड़ता था।

## मौलाना भूल गया था कि यूपी में सरकार किसकी है : योगी आदित्यनाथ

### ऐसा सबक सिखाएंगे कि पीढ़ियां दंगा करना भूल जाएंगी : मुख्यमंत्री

**एजेंसी**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली की घटना पर कहा- 'बरेली में एक मौलाना भूल गया था कि शासन किसका है। वह

धमकी देकर जाम लगाने की बात करता था, लेकिन हमने कहा कि न जाम होगा, न कर्फ्यू लगेगा। हम ऐसा सबक सिखाएंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ियां भी दंगा करना भूल जाएंगी।' योगी आदित्यनाथ ने जोर देकर कहा कि 2017 के बाद उनकी सरकार ने दंगाइयों को चुन-चुनकर सजा दी और ऐसी भाषा में जवाब दिया, जो वे समझते थे। इस सख्ती ने उत्तर प्रदेश में शांति और सुरक्षा का नया युग स्थापित किया, जिससे यूपी की ग्रोथ स्टोरी की शुरुआत हुई।

**चाचा-भतीजा और माफिया राज पर करारा प्रहार**

योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि 'चाचा-भतीजा' वसूली के धंधे में लिप्त थे और हर जिले में एक माफिया को समानांतर सत्ता चलाने की छूट दी गई थी। उन्होंने कटाक्ष किया कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग माफियाओं के सामने नतमस्तक थे। सत्ता के मुखिया माफिया के कुत्ते से हाथ मिलाकर गौरवान्वित महसूस करते थे। योगी ने कहा कि ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था में न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, और न ही किसान। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब सत्ता बेइमान और भ्रष्ट लोगों के हाथ में आती है, तो वह समाज को जाति और परिवार के नाम पर गुमराह करती है। ऐसे लोगों के लिए हमने बुलडोजर बनाया है।' उनकी सरकार ने माफिया राज को जड़ से उखाड़कर प्रदेश को विकास की राह पर ला खड़ा किया।

### 'आई लव मोहम्मद' पोस्टर विवाद, दिल्ली हाईकोर्ट में गिरफ्तारियों के खिलाफ याचिका दाखिल

**नई दिल्ली ।** 'आई लव मोहम्मद' पोस्टर प्रकरण में दर्ज एफआईआर और की गई गिरफ्तारियों का मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया। मुस्लिम संगठनों ने हाईकोर्ट में एफआईआर और गिरफ्तारियों के खिलाफ याचिका दाखिल की है। याचिका में मांग की गई है कि जिन लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाए और गिरफ्तार किए गए लोगों को तत्काल रिहा किया जाए। यह भी दलील दी गई है कि बड़े पैमाने पर मुस्लिम समुदाय के लोगों के खिलाफ जो शांतिपूर्वक अपना त्योहार मना रहे थे, उन पर दंगा करने, आपराधिक धमकी देने और शांति भंग करने का झूठा आरोप लगाकर मुकदमे दर्ज कर दिए गए। हाईकोर्ट में दायर याचिका के अनुसार, यह जनहित याचिका भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दायर की गई है। इसमें याचिकाकर्ताओं के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई है। ये सभी अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय से हैं और इन्हें 20 सिबंतर की एफआई में झूठे तरीके से फंसाया गया है। यह एफआईआर पुलिस स्टेशन काइसरगंज, जिला बहराइच में भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की धारा 187 (जानबूझकर चोट पहुंचाने की सजा), 351 (आपराधिक धमकी), 187(2)/188 (दंगा/गैरकानूनी जमावड़ा) और 356 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के तहत दर्ज की गई है।

## राहुल गांधी चार दिनों की विदेश यात्रा पर, दक्षिण अमेरिकी देशों का करेंगे दौरा

**नई दिल्ली ।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी चार दिनों की विदेश यात्रा पर शनिवार को रवाना हो गए। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा

ने एक्स पर जानकारी दी कि राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा करेंगे। इस दौरान वे राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालयों के छात्रों और उद्योग-व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस के मुताबिक राहुल गांधी ब्राजील और कोलंबिया का दौरा करेंगे, जहां वे विश्वविद्यालयों में छात्रों से संवाद करेंगे। इसके अलावा वे प्रमुख व्यवसायियों से भी चर्चा करेंगे।

## न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल बने कलकत्ता हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश

● **यह नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 223 के तहत की गई है**

**एजेंसी**

**कोलकाता।** केंद्र सरकार ने न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को कलकत्ता हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की अधिसूचना जारी की है। यह नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 223 के तहत की गई है। न्याय मंत्रालय द्वारा शुक्रवार शाम जारी अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति ने कलकत्ता हाईकोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति पॉल को नियमित नियुक्ति होने तक मुख्य न्यायाधीश के दायित्व

संभालने के लिए अधिकृत किया है। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में न्यायमूर्ति सौमेन सेन को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवगणनम के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

न्यायमूर्ति शिवगणनम ने दो से अधिक वर्षों का कार्यकाल पूरा किया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने न्यायमूर्ति सेन को मेघालय हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की अनुशंसा की थी, जिसे अब केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

## छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की हथियार फैक्टरी को किया ध्वस्त

**एजेंसी**

**करायपुर।** छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के मेट्टागुड़ा कैम्प क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की हथियार फैक्टरी को ध्वस्त कर दिया है। इसफैक्टरी से भारी मात्रा में हथियार, बारूद और निर्माण उपकरण बरामद किया गया है। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चौहान ने आज शनिवार को जानकारी दी कि 26 सितंबर को जिला बल सुकमा और 203 कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी अभियान के लिए ग्राम ईरापल्ली और कोईमेंटा के घने जंगल व पहाड़ियों की ओर रवाना हुई थी। ग्राम कोईमेंटा के आसपास जंगल-पहाड़ियों में जवानों ने गहन सर्चिंग शुरू की। जंगल में नक्सलियों की हथियार और विस्फोटक बनाने की फैक्टरी का पता चला। जवानों ने मौके पर नक्सलियों की फैक्टरी को ध्वस्त कर दिया। नक्सलियों की फैक्टरी से एक वर्टिकल मिलिंग मशीन,तीन बेंच वाइस ,दो बीजीएल लांचर (बड़ा),12 बीजीएल शेल (खाली), 94 बीजीएल हेड्स,एक हैंड ग्राइंडर मशीन ,छह लकड़ी के राइफल बट ,एक भरमार का ट्रिगर मैकेनिज्म ,एक भरमार ट्रिगर मैकेनिज्म (पिस्टल ग्रिप सहित) ,चार सोलर बैटरी ,एक बोरवेल ड्रिलिंग बिट (10 फीट) ,दो गैस कटर हेड्स व तीन डायरेक्शनल आईईडी पाइप्स बरामद किया गया है।

## लेह में दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक कर्फ्यू में दी गई ढील

**लेह ।** अधिकारियों ने शनिवार को घोषणा की कि स्थिति में सुधार होने के संकेत मिलने के बाद लेह में शाम 1 बजे से 3 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी जाएगी। 24 सितंबर को हिंसक भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़प में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 70 अन्य घायल हो गए। लेह में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीजीपी एसडी सिंह जमवाल ने कहा कि एलएबी और केडीए के शीर्ष निकायों एवं केंद्र सरकार के बीच चल रही बातचीत में कई काम पहले ही हो चुके हैं। डीजीपी ने कहा, लद्दाख देश का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां स्थानीय लोगों को 85 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। काउंसिल में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

## जंगल का केवल 20 प्रतिशत पर्यटकों के लिए खुला, इसके विस्तार से होगा आदिवासियों का विकास : गडकरी

*नागपुर और आसपास के जंगलों का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।*

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वर्तमान में जंगल का केवल 20 प्रतिशत ही पर्यटकों के लिए खुला है और बाकी 80 प्रतिशत वन्य क्षेत्र सुरक्षित रखा गया है। वन्य जीवन को नुकसान पहुंचाए बिना यदि जंगलों के और ज्यादा हिस्से को पर्यटकों के लिए खोला जाए तो स्थानीय आदिवासियों के विकास और उन्नति को और बढ़ावा मिलेगा।

गडकरी ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित वन्यजीव फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में कहा कि नागपुर और आसपास के जंगलों का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। नागपुर से जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाघों की सुरक्षा के लिए विशेष संरचनाएं बनाई गई हैं, जिनमें सड़क पर्यटन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने और प्रदूषण व ध्वनि नियंत्रण के लिए सर्वोच्च न्यायालय की समिति द्वारा दिशा-निर्देश जारी

के नीचे मार्ग और ऊपर जंगल जैसी व्यवस्था शामिल है, ताकि वन्य जीवन और सड़क यातायात में संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि राजस्थान और महाराष्ट्र के जंगलों में पर्यटन के अवसरों का विस्तार किया गया है और इसमें स्थानीय आदिवासी युवाओं को रोजगार भी मिला है। किए गए हैंमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र का लगभग 80 प्रतिशत वन्य क्षेत्र विदर्भ में स्थित है। उनके संसदीय क्षेत्र को 'टाइगर कैपिटल' के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण तथा स्थानीय रोजगार सृजन दोनों पर बराबर ध्यान दिया जा रहा है।

## सरकार दिल्ली को शिक्षा हब बनाने का कर रही प्रयासः रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री

**कौमी पत्रिका**

नई दिल्ली के द्वारका स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्वाकल्चर स्किल डेवलपमेंट सेंटर और मशरूम कल्टीवेशन फैसिलिटी का उद्घाटन किया। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में आधुनिक संसाधनों और सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया। कॉलेज में एक्वाकल्चर स्किल डेवलपमेंट सेंटर व मशरूम कल्टीवेशन फैसिलिटी का किया उद्घाटन नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। इसमें पाठ्यक्रम विस्तार, सीटों में वृद्धि, फैकल्टी की संख्या बढ़ाना और आधुनिक सुविधाओं का विकास शामिल है। सरकार दिल्ली को शिक्षा हब बनाने का गंभीर प्रयास कर रही है। यह बातें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने द्वारका स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के स्थापना दिवस पर कही। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और उनके आदर्शों को याद करते हुए कहा कि उनका सिद्धांत अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना

आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। सीएम ने छात्रों से आग्रह किया कि वह अपने जीवन में देशभक्ति, संस्कार और सेवा भाव को अपनाएं। इस अवसर पर रेखा गुप्ता ने कॉलेज में 220 डेस्कटॉप, 17 लेबोरेटरी में स्मार्ट बोर्ड, एक्वाकल्चर स्किल डेवलपमेंट सेंटर, मशरूम कल्टीवेशन फैसिलिटी सहित कई दूसरी परियोजना का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने शिक्षा को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सरकार आधुनिक तकनीक के प्रयोग से छात्रों को विश्वस्तरीय अवसर दिलाने के लिए संकल्पबद्ध है। यहां स्थापित स्मार्ट बोर्ड, कंप्यूटर लैब और रिसर्च सुविधाएं छात्रों को आधुनिक शिक्षा के साथ–साथ शोध एवं नवाचार की दिशा में प्रेरित करेंगी। सरकार दिल्ली को शिक्षा का हब बनाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है। इसके लिए फैकल्टी की संख्या बढ़ाना, आधुनिक सुविधाओं का विकास, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, पाठ्यक्रम विस्तार व कॉलेजों में सीटों में बढ़ोतरी करने पर लगातार मेहनत की जा रही है।

## बरेली विवादः मौलाना तौकीर रजा गिरफ्तार, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

### बरेली में हुए हंगामे के बाद उर प्रदेश सरकार एशन मोड में

**एजेंसी**

**बरेली ।** बरेली में शुक्रवार को हुए हंगामे के बाद उत्तर प्रदेश सरकार एक्शन मोड में है। इसी कड़ी में शनिवार को स्थानीय मौलवी और इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख तौकीर रजा को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, तौकीर रजा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए बल का प्रयोग किया, जबकि कुछ लोगों को शुक्रवार को ही हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तौकीर रजा को गिरफ्तार किया है। इसी बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने 'पैगंबर मोहम्मद' के पोस्टर और बैनरों को लेकर सवाल उठाए। बरेली के हंगामे के बाद उन्होंने कहा कि पोस्टर बैनर निकालना और सड़कों पर हुड़दंग मचाना, ये सिर्फ दिखावा है। इस्लाम कभी दिखावे को पसंद नहीं करता है। मौलाना शहाबुद्दीन ने बातचीत में कहा, 'पैगंबर मोहम्मद ने तमाम रास्ते बातचीत

और समझौते के जरिए निकाले। झूठ, फरेब, मक्कारी, जुआ, शराब और नशा इन तमाम चीजों से दूर रहिए। पांचों वक्त की नमाज पढ़िए। यही उनकी असली शिक्षा थी। उनकी शिक्षा पर अमल करना है सच्ची मोहब्बत है। मोहब्बत का इजहार दिल में रखिए। बैनर पोस्टरों से इजहार-ए मोहब्बत नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, बैनर पोस्टर दीवारों पर लगाए जा रहे हैं। उसके बाद में वही पोस्टर बैनर टूटकर बेकार होने पर नालियों में चले जाते हैं। यह पैगंबर मोहम्मद की तौहीन हो रही है। बरेलवी ने बरेली की जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा, ÷जो घटना हुई, वह अफसोसनाक है।

## बिहार में भारी बहुमत से एनडीए सरकार बनेगीः दिलीप जायसवाल

**एजेंसी**

**पटना ।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय बिहार दौरे पर हैं। इस दौरान वे आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि गृह मंत्री शाह हर दिन 10 जिलों के प्रमुख कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं और उन्हें चुनावी दिशा-निर्देश दे रहे हैं। इस बैठक में भाजपा के बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित अन्य कई मंत्री, सांसद और विधायक तथा कई पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे। जायसवाल ने आगे कहा कि आज वे समस्तीपुर के सरायरांजन और अररिया के फारबिसगंज, जोगबनी के पास प्रमुख कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। वे आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं का जोश आगामी विधानसभा चुनाव में स्पष्ट दिखेगा। हमारे कार्यकर्ता दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ सरकार बनाने की तैयारी में जुटे हैं। बिहार में भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बिहार दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए जायसवाल ने कहा कि प्रियंका गांधी को पांच साल बाद बिहार याद आया है। पिछले पांच वर्षों में वे राज्य नहीं आईं और अब चुनाव नजदीक आने पर अचानक उन्हें बिहार की याद आ गई। दिल्ली और पंजाब में जब बिहारी को गाली दी जाती है, तब प्रियंका गांधी ताली बजाती हैं।

## नेशनल हाइवे 48 पर थार एसयूवी का डिवाइडर से जोरदार टक्कर, 5 युवाओं की मौत, 1 घायल

### मरने वालों में तीन युवतियां व दो युवक शामिल

**एजेंसी**

**गुरुग्राम।** हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार अलसुबह करीब साढ़े चार बजे दिल्ली-जयपुर एनएच-48 पर राजीव चौक के पास एक तेज रफ्तार थार एसयूवी डिवाइडर से टकरा गई। इस भयावह हादसे में छह यात्रियों में से पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। थार के परखच्चे उड़ गए, शवों और घायल को गाड़ी से निकालने में काफी मशक्कत हुई। डीएलएफ थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि यूपी-81-सीएस-2319 नंबर की थार में तीन लड़कियां और तीन लड़के सवार थे। सभी उत्तर प्रदेश से किसी काम से गुरुग्राम आए थे। हाइवे एग्जिट-9 से सर्विस लेन पर उतरते समय चालक ने नियंत्रण खो दिया, गाड़ी डिवाइडर से टकराकर पलट गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।मृतकों में प्रतिष्ठा मिश्रा (रायबरेली, जज की बेटी, लॉयड लॉ कॉलेज, ग्रेटर नोएडा में एलएलबी प्रथम वर्ष), आदित्य प्रताप सिंह (आगरा, नोएडा में नौकरी), लावण्या (आगरा, शास्त्रीपुरम, एलएलबी छात्रा), सोनी (उत्तर प्रदेश) और गौतम (सोनीपत, हरियाणा) शामिल हैं। बुलंदशहर के कपिल शर्मा ( सब-इंस्पेक्टर का बेटा)

घायल है और अस्पताल में उपचाराधीन। पुलिस ने बताया है कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है और इस मामले में जांच कर रही है।

## अंधी रफ्तार से हाइवे पर दौड़ रही थार, अनियंत्रित होकर डिवाइडर से भिड़ी, 5 की मौत 1 गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार सुबह दिल्ली–जयपुर हाईवे पर दर्दनाक हादसा हो गया। दिल्ली से गुरुग्राम की तरफ अंधी रफ्तार से दौड़ रही थार क्रमांक यूपी 81 सीएस 2319 अचानक अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से जाकर भिड़ गई, इसके बाद तेजी से ऊपर उछली और जमीन पर आते ही पलट गई। इस हादसे में 3 लड़कियों समेत 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। घटना झाड़सा चौक के पास शनिवार की सुबह 4ः30 बजे की है। पुलिस के अनुसार, जब थार कार का ड्राइवर तेज गति के कारण नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी डिवाइडर से टकराकर कई बार पलट गई। यह हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए ।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया और क्षतिग्रस्त वाहन को मुख्य मार्ग से हटाया। हादसे की जांच जारी है। पुलिस मृतकों की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त कार दिल्ली से गुरुग्राम की ओर जा रही थी। गाड़ी में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें तीन युवक और तीन युवतियां शामिल थीं। हादसे में दो युवतियों और दो युवकों समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, एक लड़की ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, एक युवक गंभीर रूप से घायल है और निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

## कांग्रेस विधायक की धमकी, प्रदूषण फैला रही अरबिंदो फार्मा इकाई को आग लगा दूंगा

हैदरबाद (एजेंसी)। तेंलगाना के महबूबनगर के जादचेरला से कांग्रेस विधायक जे अनिरुद्ध रेड्डी ने धमकी दी है कि वे प्रदूषण फैला रही अरबिंदो फार्मा इकाई को आग लगा दूंगा। विधायक ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) को इकाई के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए एक दिन का समय दिया है। कांग्रेस विधायक अनिरुद्ध ने कहा कि यदि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी उनके निर्वाचन क्षेत्र में मुदिरेड्डीपल्ली नाले में अपशिष्ट छोड़ने के लिए कंपनी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते वे खुद आग लगाने जाएंगे। विधायक अनिरुद्ध ने वीडियो संदेश में कहा कि पीसीबी से बार–बार शिकायतें की गईं। राज्य विधानसभा में मुद्दा उठाया गया, बावजूद इसके इस प्रदूषण पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। विधायक अनिरुद्ध ने वीडियो संदेश में कहा कि पोलेपल्ली स्पेशल इकोनॉमिक जोन में चल रही अरबिंदो फार्मा यूनिट, मुदिरेड्डीपल्ली जलाशय में अपशिष्ट छोड़ रही है, इससे हजारों मछलियां मर रही हैं और खेती वाला इलाका प्रदूषित हो रहा है। मैं प्रदूषण बोर्ड को एक दिन का समय दे रहा हूं। मैं एक वीडियो भेजूंगा कि कैसे (प्लांट से) (प्रदूषक) पानी छोड़ा जा रहा है। अगर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तब मैं रविवार सुबह 11 बजे फैक्ट्री पहुंचूंगा और फैक्ट्री को जला दूंगा।

## दिल्ली में अवैध पटाखों का जखीरा बरामद, परिवार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने राजौरी गार्डन इलाके में छापेमारी कर 3,580 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में एक परिवार—पति, पत्नी और उनका बेटा—को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी परिवार अपने घर को गोदाम में बदलकर पटाखों की री–पैकिंग कर रहा था और इन्हें सप्लाई करने की तैयारी में था। पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित एक घर पर छापा मार कार्रवाई करते हुए करीब 3580 किलो से अधिक अवैध पटाखे जब्त किए हैं। सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंध के बावजूद आरोपी परिवार ऊंचे मुनाफे के लालच में पटाखों की री–पैकिंग और बिक्री करने में व्यस्त था। इस अवैध कारोबार में लिप्त होने के आरोप में पुलिस ने घर के मालिक सुशील कक्कड़, पत्नी उपासना कक्कड़ और बेटे शिवम कक्कड़ को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है, कि ये पटाखे मेरठ, गुरुग्राम और गाजियाबाद से मंगवाए गए थे। गौरतलब है कि दिल्ली–एनसीआर में पटाखों का निर्माण और बिक्री प्रतिबंधित है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दिल्ली–एनसीआर में पटाखों के निर्माण की अनुमति दे दी है, लेकिन बिक्री पर फिलहाल रोक जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

## ठेकेदारों, व्यापारियों से वसूली करने वाले दो माओवादियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

रांची (एजेंसी)। एनआईए ने रांची स्थित एनआईए की विशेष कोर्ट में दो माओवादियों के विरुद्ध दूसरी पूरक चार्जशीट दाखिल की है। इन माओवादियों में पश्चिमी सिंहभूम जिले का जयपाल देवगम व छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले का बुदरू पदम उर्फ रोहित पदम शामिल हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पेश चार्जशीट में बताया है कि ये दोनों ही माओवादी प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता थे और आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने में शामिल थे। ये माओवादियों की बैठक में शामिल होते थे। माओवादियों के लिए ठेकेदारों, व्यापारियों से जबरन वसूली करते थे। संगठन के साथियों के साथ दहशत फैलाने से लेकर माओवादी गतिविधियों में हथियार चलाने में भी शामिल थे। इन दोनों ने अन्य कुख्यात माओवादियों को शरण भी दी थी, ताकि आतंक फैलाने के साथ आपराधिक साजिश को बढ़ावा दे सकें। एनआईए इस मामले में अभी जांच कर रही है। इससे पहले एनआईए ने जुलाई 2025 में चार्जशीट दाखिल की थी। इससे पहले पश्चिमी सिंहभूम जिले की टोंटो थाने की पुलिस ने भी मार्च 2024 में पांच आरोपितों पर अपनी पहली चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए ने यह चार्जशीट पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के हुसिपी और राजाभासा गांवों के बीच जंगल से 24 मार्च 2024 को बरामद 10 लाख 50 हजार रुपए नगद, वाकी–टाकी, टेबलेट, पावर बैंक, रेडियो सेट, लेवी बरामदी रसीद, जिलेटिन स्टीक, नेक बैंड आदि बरामद की थी। यह बरामदगी माओवादियों के सहयोगी राजेश देवगम की निशानदेही पर की थी। राजेश देवगम 2023 में गिरफ्तार हुआ था। उससे पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर ही 24 मार्च 2024 को उक्त बरामदगी हुई। सभी रुपए और सामान प्लास्टिक के जार में रखकर जमीन के अंदर छिपा खा था। इसके बाद टोंटो थाने में एक करोड़ के इनामी पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा, 25 लाख के इनामी स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य अजय महतो उर्फ बुधराम, अपटन, राजेश देवगम और मुठभेड़ में मारे गए कांडे उर्फ दिरिसुम को आरोपित बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

# यहां भी दिखने लगा जेन-ज़ी वाला आक्रोशः कर्नाटक से उत्तराखंड तक विरोध करने सड़कों पर उतरे

### बेरोजगारी और पेपर लीक बने बड़े मुद्दे

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** देश के अलग-अलग हिस्सों में युवाओं का गुस्सा सड़कों पर दिखाई देने लगा है। कर्नाटक के धारवाड़ से लेकर उत्तराखंड तक बेरोजगारी और भर्ती घोटालों को लेकर छात्र-युवा आंदोलनरत हैं। स्थिति यह बन गई है कि बेरोजगारी, पेपर लीक और भर्ती में देरी जैसे मुद्दे अब सरकारों के लिए बड़ा सिरदर्द बनते जा रहे हैं।

विदेशों में खासतौर पर श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में जेन-ज़ी आंदोलन ने जिस तरह से सरकार का तख्ता पलट कर रख दिया, उससे युवाओं के अंदोलनों को गंभीरता से लिया जाने लगा है।

देश के अलग-अलग राज्यों व शहरों में हो रहे आंदोलन अलग-अलग कारणों से हो रहे हैं, लेकिन इन आंदोलनों में युवाओं का सड़कों पर उतरना खास मायने रखता है। ऐसे ही कर्नाटक के धारवाड़ में हजारों युवाओं ने सरकारी नौकरियों में लंबित भर्तियों को लेकर प्रदर्शन किया। अखिल कर्नाटक विद्यार्थी संगठन के बैनर तले हुए इस आंदोलन में युवाओं ने पुलिस कांस्टेबलों समेत हजारों खाली पदों पर तत्काल भर्ती की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राज्य सरकार परीक्षाएं कराने में लगातार देरी कर रही है, जिससे युवा भविष्य को लेकर असमंजस में हैं।

राज्य में कांग्रेस की सरकार है, जिसने बेरोजगारी के मुद्दे पर

भाजपा को घेरा था, लेकिन अब खुद उस पर सवाल उठ रहे हैं। धारवाड़ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का लोकसभा क्षेत्र भी है, जिससे इस विरोध की राजनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

#### उत्तराखंड में पेपर लीक से भड़का आक्रोश

दूसरी ओर, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की भर्ती परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों ने राज्य की राजनीति को हिला दिया है। परीक्षा के अगले दिन ही प्रश्न पत्र वायरल होने से सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। बेरोजगार संगठन और छात्र राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड में धरने पर बैठे हैं, जबकि कई स्थानों पर मार्च और प्रदर्शन किए गए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना को 'नकल जिहाद' बताते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन छात्रों ने नाराजगी जताते हुए नारे लगाए - ÷पेपर चोर, गद्दी छोड़।÷ पुलिस ने हरिद्वार परीक्षा केंद्र के उम्मीदवार खालिद मलिक और उसकी बहन साबिया को गिरफ्तार किया है। वहीं, टिहरी के एक प्रोफेसर सुमन से पूछताछ गवाह के तौर पर की जा रही है।

#### जेन-ज़ी आक्रोश सरकारों के लिए चुनौती?

कर्नाटक और उत्तराखंड के इन आंदोलनों ने बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में युवाओं की बेचैनी को और उजागर कर दिया है। जानकार मानते हैं कि लगातार बेरोजगारी, भर्ती में पारदर्शिता की कमी और पेपर लीक जैसी घटनाओं ने जेन-ज़ी को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर किया है। अगर यह आंदोलन लंबा खिंचता है तो निश्चित रूप से आने वाले चुनावों में यह राजनीतिक दलों के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

## संसद की स्थायी समितियों का कार्यकाल बढ़ाने की तैयारी... मोदी सरकार के फैसले से शशि थरुर को फायदा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मोदी सरकार संसद की स्थायी समितियों का कार्यकाल बढ़ाने पर विचार कर रही है, जिससे वे एक साल के बजाय दो साल तक काम कर सकेंगी। कार्यकाल बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य समितियों को अधिक निरंतरता देना है, ताकि वे विधेयकों, रिपोर्टों और नीतिगत मामलों की गहनता से जांच कर सकें। वर्तमान समितियों का कार्यकाल 26 सितंबर को समाप्त हो गया है। अभी तक इन समितियों का हर साल पुनर्गठन होता है। कार्यकाल को एक साल से बढ़ाकर दो साल करने की तैयारी है।

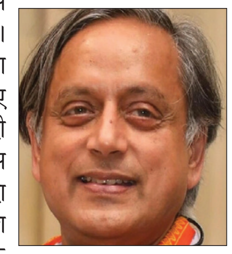

विपक्ष सहित कई सांसदों का मानना है कि गहन अध्ययन के लिए एक साल पर्याप्त नहीं है। वहीं मोदी सरकार के इस फैसले से कांग्रेस सांसद शशि थरूर को बड़ा फायदा होगा, क्योंकि वे इस समय विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। कार्यकाल दो साल होने पर वह पार्टी से मतभेदों के बावजूद दो साल और इस पद पर बने रह सकते हैं। ये संसद की स्थायी इकाइयाँ होती हैं, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सांसद शामिल होते हैं। ये समितियाँ मिनी संसद की तरह काम करती हैं और विधेयकों की जांच, सरकारी नीतियों की समीक्षा, बजट आवंटन की पड़ताल और मंत्रालयों को जवाबदेह ठहराने का काम करती हैं। स्थायी समितियों के अध्यक्षों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, लेकिन नए नियुक्त सदस्यों का कार्यकाल एक साल से बढ़कर दो साल हो सकता है।

## पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को शिंदे की दो टूक, शेर की खाल पहनने से गीदड़ शेर नहीं बनता

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा की गई टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताकर कहा कि पाकिस्तानी नेता को अपनी हद में रहना चाहिए। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि उन्हें अपनी हद में रहना चाहिए। शिंदे ने शाहबाज पर तंज कसते हुए कहा कि शेर की खाल पहनने से गीदड़ शेर नहीं बनाता है। शिंदे का यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा में शहबाज शरीफ के भाषण के जवाब में आया है।

पीएम शरीफ ने कहा कि इस साल मई में, मेरे देश को पूर्वी मोर्चे से बिना उकसावे के आक्रमण का सामना करना पड़ा। दुश्मन अहंकार में आया, और हमारी सेना ने उन्हें अपमानित करके वापस भेज दिया। भारत ने पहलगाम घटना की स्वतंत्र जाँच के मेरे ईमानदार प्रस्ताव को ठुकराकर मानवीय त्रासदी से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की। इसके बजाय, उसने हमारे शहरों पर हमला कर हमारे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया। जब हमारी क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन किया गया, तब हमारी प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अधिकार के अनुसार थी।

पीएम शरीफ ने फिर भारत के बारे में झूठे दावे कर दावा किया कि पाकिस्तान ने भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया, जैसा कि वे पहले भी कह चुके हैं। शरीफ ने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने अद्भुत पेशेवर तरीके से जवाब दिया, आक्रमण को नाकाम किया और 7 भारतीय विमानों को मार गिराया, उन्हें कबाड़ में मिला दिया। हालाँकि, शाहबाज ने यह स्वीकार करने में विफल रहे कि भारत की प्रतिक्रिया आतंकी ढाँचे को निशाना बनाकर किया गया एक सुनियोजित सैन्य अभियान था।

# राहुल गांधी बाढ़ में बह जाते तो मुझ पर पाकिस्तान भेजने के आरोप लगतेः सीएम मान

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पंजाब विधानसभा में बाढ़ को लेकर आयोजित विशेष सत्र में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष के एक एक सवाल के जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने तंज भी कसे और निशाने भी साधे। सीएम भगवंत मान ने विपक्ष पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि जिसका जितना दिमाग, उसने उतनी बात की है। कुछ लोग आपदा में अवसर ढूंढते हैं और बाढ़ के बहाने मुझे गालियां देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी को जेड प्लस सिक्योरिटी दी गई थी, लेकिन रावी नदी का बहाव तेज था। अगर वे बह जाते, तो विपक्ष आरोप लगाता कि राहुल गांधी को पाकिस्तान भेज दिया गया।

सीएम ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि केंद्र ने स्टेट डिजास्टर फंड में 25 साल में कुल 6,090 करोड़ रुपये दिए। इसके अतिरिक्त बाकी राशि पंजाब सरकार द्वारा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग कह रहे हैं कि सरकार ने पैसा खा लिया, जबकि दिल्ली से आए केंद्रीय मंत्री केवल फोटो खिंचाकर चले गए। उन्होंने बताया कि

प्रधानमंत्री ने हेलिकॉप्टर से निरीक्षण किया, लेकिन नीचे फौज और भाजपा-कांग्रेस के प्रतिनिधि बैठे थे। उन्होंने कहा कि 1,600 करोड़ रुपये का पैकेज घोषित किया गया, लेकिन 2,305 बाढ़ प्रभावित गांवों में हर गांव के हिस्से में केवल 80 लाख रुपये भी नहीं पहुंचे। सीएम भगवंत मान ने बीबीएमबी द्वारा पानी नहीं छोड़ने के मामले पर कहा कि सिर्फ 4,000 क्यूसिक पानी छोड़ने की बात थी, इससे बाढ़ कैसे रोकी जा सकती थी? उन्होंने बताया कि रणजीत सागर डैम, पौंग डैम, और भाखड़ा डैम में इस बार 1988 की तुलना में बहुत अधिक पानी आया। उन्होंने घग्गर नदी की सफाई और डिसिल्टिंग का डेटा साझा किया, जो 60 साल में पहली बार भाखड़ा और पौंग में की गई। सीएम ने बाढ़ राहत पैकेज को सीएम रिलीफ फंड में न मंगाने पर भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सीएम रिलीफ फंड में सीएसआर का पैसा नहीं आ सकता और इसमें सांसद केवल 20 लाख रुपये ही दे सकते हैं। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा बनाई गई सोसाइटी का हवाला देते हुए कहा कि वह वित्तमंत्री के अधीन है और इसके विवरण बाद में बताए जाएंगे। बता दें कि पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को बाढ़ को लेकर विशेष सत्र में करीब छह घंटे तक बहस हुई, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष के हर आरोप का जवाब देते हुए पंजाब में आई बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के दौरे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जाने के प्रयास और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए पैकेज के मुद्दों पर खुलकर बात की। बहस के बाद विधानसभा को सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

## खुलासाः आतंकवादी एलओसी पर मौजूद, घुसपैठ की कर सकते हैं कोशिश

**–सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क, पाक की हर नापाक हरकत करेंगे नाकाम**

**जम्मू (एजेंसी)।** एक बार फिर से देश की सीमाएं हाई अलर्ट पर है क्योंकि खबरें आ रही है कि पाकिस्तान बड़े घुसपैठ की योजना बना रहा है। बीएसएफ के कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक ने शनिवार को कहा कि सीमा पार से आतंकवादी कश्मीर घाटी में घुसपैठ की फिराक में हैं, लेकिन सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट में महानिरीक्षक ने कहा कि सर्दी की शुरुआत से पहले घाटी में आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशें तेज हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि बर्फबारी से पहले हमेशा घुसपैठ की कोशिशें होती है। अभी करीब दो महीने बाकी हैं और नवंबर तक घुसपैठ की आशंका बनी रहती है। आतंकवादी इस अवधि में सक्रिय रहते हैं। लेकिन सुरक्षा बलों की सतर्कता के कारण घुसपैठ करना मुश्किल है।

उन्होंने बताया कि आतंकवादी एलओसी के दूसरी ओर मौजूद हैं और घाटी में घुसपैठ करने की तलाश में हैं। बीएसएफ के अधिकारी ने कहा कि बांदीपोरा और कुपवाड़ा सेक्टरों में एलओसी के पार आतंकवादी सक्रिय हैं। वे घुसपैठ की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन हमारी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। कई बार वे खराब मौसम का इंतजार करते हैं, ताकि उसका फायदा उठा सकें। हम हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं।

महानिरीक्षक ने कहा कि सेना और बीएसएफ नियंत्रण रेखा पर अत्याधुनिक निगरानी उपकरणों की मदद से कड़ी निगरानी कर रहे हैं। सेना के साथ मिलकर एलओसी पर पूरी मजबूती से नियंत्रण बनाए हुए हैं। इस साल सुरक्षा बलों ने अब तक घुसपैठ की दो कोशिशों को नाकाम की हैं। हमारे पास नई तकनीक व निगरानी के अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। आतंकियों की हर कोशिश को नाकाम कर देंगे।

## मध्य प्रदेश में बनेगा देश का सबसे बड़ा गोवंश वन्य विहार, 8 हजार गायों का होगा आश्रय

**भोपाल (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश के दमोह जिले में देश का सबसे बड़ा गोवंश वन्य विहार बनने जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर घूम रहे निराश्रित मवेशियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करना है। पशुपालन मंत्रालय और मुख्यमंत्री ने भी इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है।

यह गोवंश वन्य विहार 520 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा और इसमें तकरीबन 8,000 गायों को रखने की व्यवस्था होगी। विभाग ने भूमि चयन से लेकर दस्तावेजी प्रक्रिया और शासन स्तर पर स्वीकृति की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। टेंडर जारी हो चुका है और संभावना है कि नए साल तक प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। जानकारी अनुसार प्रस्तावित परियोजना के लिए सीतानगर, कल्याणपुरा और रानगिर सहित चार गांवों से लगी लगभग 520 एकड़ भूमि का चयन किया गया है। पहले योजना 700 एकड़ की थी, लेकिन विस्तृत सर्वेक्षण के बाद इसे घटाकर 520 एकड़ पर अंतिम रूप दिया गया।

चिह्नित भूमि सुनार नदी के किनारे स्थित है, जिससे पशुओं के लिए जल उपलब्धता आसान होगी। इसके अतिरिक्त, आसपास पर्याप्त चरनोई भूमि भी है। इस प्रोजेक्ट से न केवल गोवंश को सुरक्षित आश्रय मिलेगा, बल्कि आसपास के ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। बताया जा रहा है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद एजेंसी से अनुबंध करने में लगभग एक माह

लगेगा। शुरुआती चरण में बाड़बंदी, शेड निर्माण और मवेशियों के रहने-खाने-पीने की सुविधाएं तैयार की जाएंगी। पशुपालन मंत्री का संबंध इसी क्षेत्र से होने के कारण उम्मीद जताई जा रही है कि प्रोजेक्ट तेज़ी से आगे बढ़ेगा। यह गोवंश वन्य विहार न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल साबित हो सकता है, जो आवारा मवेशियों की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में अहम कदम होगा।

## राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में अगले तीन दिन भारी बारिश का अनुमान

**–विदा हो रहा मानूसन देश के कई राज्यों में मचा रहा तबाही**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राजस्थान से मानसून अपने तय समय से 4 दिन पहले ही विदा हो गया। मध्य प्रदेश के 11 जिलों से मानसून की वापसी हुई है। हालांकि, दोनों राज्यों में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। मौसम विभाग ने दोनों राज्यों में 30 सितंबर तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। हैदराबाद में रात भर मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में 2-3 फीट तक पानी भर गया। अधिकारियों ने हिमायत सागर जलाशय के गेट खोल दिए, जिससे हालात और बिगड़ गए। चादरघाट के पास मूसी नदी उफान पर आ गई। नदी के आसपास, निचले इलाके डूब गए। नदी किनारे बने मकान पहली मंजिल तक पानी में डूब गए। कई कॉलोनियां जलमग्न हैं। हैदराबाद के महात्मा गांधी बस स्टैंड में भी पानी भर गया। बसों का संचालन बंद है। हैदराबाद में सड़कों पर पानी भरने से गाड़ियों की लंबी कतारें लगी हैं। कई इलाकों में सुबह से ट्रैफिक जाम लगा है। ऑफिस जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर में अब तक लगभग 1,000 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।

वहीं महाराष्ट्र में बाढ़ग्रस्त मराठवाड़ा के कई इलाकों में शनिवार को सुबह से बारिश हो रही है। इससे कई सड़कें और पुल जलमग्न हुए है। कई गांवों का संपर्क टूट गया है। बीड, लातूर, धाराशिव, नांदेड़, परभणी और हिंगोली जिलों के कई हिस्सों में सुबह 8 बजे तक 24 घंटों में 65 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

परभणी जिले के गंगाखेड़ में एक दिन में सबसे ज्यादा 143 मिमी बारिश हुई। हिंगोली जिले के कलमनुरी और वासमत तालुका में भारी बारिश से 3 गांव जलमग्न हो गए। वासमत तालुका के चौंधी बहिरोबा और कलमनुरी के बिबथर और कोंढुर दिग्रस गांव भारी बारिश के कारण संपर्क से कट गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को मानसून लौट गया। राज्य में 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। इस मानसून सीजन 1,023 एमएम बारिश हुई, जो सामान्य से 40 प्रतिशत ज्यादा है। राज्य में 47 बादल फटने, 98 बाढ़ और 148 लैंडस्लाइड की घटनाएं हुईं। इनमें 454 लोगों की मौत हुई। 498 घायल हुए और 50 अभी भी लापता हैं। महाराष्ट्र में भी अगले तीन दिनों के दौरान तेज बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने 27 से 29 सितंबर के बीच मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और विदर्भ क्षेत्र में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। सरकार ने इस दौरान लोगों से सतर्क रहने के लिए एडवाइजरी जारी की है।

# मुंबई एयरपोर्ट पर चार दिन में करोड़ों का गांजा, लाखों की सोने का पावडर और विदेशी मुद्रा जब्त

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क और वायु खुफिया अधिकारियों ने 21 से 24 सितंबर के बीच करोड़ों रुपये का माल ज़ब्त किया। इस कार्रवाई में गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के ज़रिए सीमा शुल्क विभाग को अंतरराष्ट्रीय तस्करी के सुराग मिले हैं। इसमें कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं और इस पूरे गिरोह की तलाश जारी है। सीमा शुल्क विभाग द्वारा चार दिनों में की गई कार्रवाई के तहत कोलंबो से आ रहे एक यात्री से 2.62 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया गया। जिसकी बाज़ार में क़ीमत लगभग 2.62 करोड़ रुपये है। आरोपी को अपने बैग में यह गांजा छिपाकर ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से मुंबई आ रहे एक यात्री से 18.40 किलोग्राम गांजा ज़ब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गांजे का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में क़ीमत 18 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। तीसरे मामले में मुंबई से दुबई जा रहे एक यात्री से 7.11 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा ज़ब्त की गई। आरोपी को अपने हैंडबैग में ये नोट ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया। जबकि एक अन्य मामले में, मुंबई से दुबई जा रहे एक यात्री से 49.38 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की गई और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह, एक अन्य मामले में, मुंबई से जकार्ता जा रहे एक यात्री से 19.17 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की गई और उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसके साथ ही, एक अन्य मामले में, एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा लाया गया 365 ग्राम सोने का पावडर जब्त किया गया। इस सोने के पावडर की कीमत लगभग 38.10 लाख रुपये है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और आरोपियों की तलाश जारी है। इस मामले में कस्टम को हवाईअड्डा कर्मचारियों पर संदेह है और सीमा शुल्क विभाग के अधिकारी फिलहाल इस संबंध में जाँच कर रहे हैं। इस कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए दो लोगों के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट के तहत एक आंतरिक मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करों के एक गिरोह से जुड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन में मिली जानकारी के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों को कई सबूत मिले हैं। इसमें कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं और इस पूरे गिरोह की तलाश जारी है। दक्षिण अमेरिका से विभिन्न मार्गों के ज़रिए

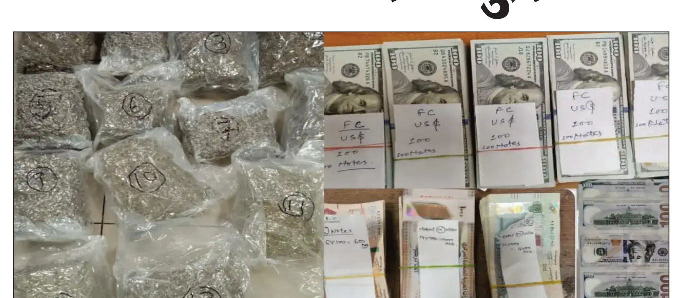

दुनिया भर में ड्रग्स पहुँचाया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से देखा जा रहा है कि बैंकॉक के रास्ते भारत में बड़ी मात्रा में गांजे की तस्करी हो रही है। यह भी देखा गया है कि भारत से थाईलैंड बड़ी संख्या में पर्यटक आते-जाते हैं।

# पुलिस ने कपिल सांगवान के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राउज एवेन्यू कोर्ट में चल रहे मकोका मामले में गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और अमरदीप लोचब के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। गैंगस्टर पर संगठित अपराध गिरोह चलाने का आरोप है। अदालत ने उसे मई 2025 में भगोड़ा घोषित किया गया था। मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान के खिलाफ पहले ही आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। यह मामला आरोपों पर बहस के चरण में है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। 26 सितंबर को आरोपों और अन्य कार्यवाही पर बहस के लिए सुनवाई लंबित है। नरेश बाल्यान और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ फरार गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से संचालित एक संगठित अपराध गिरोह से जुड़े एक मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। इस मामले में 4 दिसंबर, 2024 को गिरफ्तारी के बाद से बाल्यान हिरासत में है। उसके खिलाफ एक पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया था। अदालत ने 24 फरवरी को मकोका अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत मुख्य अपराध का संज्ञान ले लिया है। वहीं, क्षेत्र में नंदू के ब्रिटेन भागने की चर्चा है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। 15 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने दो और आरोपियों विकास गहलोत और उसकी पत्नी वीनीता के खिलाफ एक पूरक आरोप पत्र दाखिल किया था। दिल्ली पुलिस ने आरोपी वीनीता के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा 25 भी लगाई। दिल्ली पुलिस ने बाल्यान के खिलाफ मकोका की धारा 3 और 4 के तहत पूरक आरोप पत्र दाखिल किए हैं। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना, सचिन चिकारा, नरेश बाल्यान, साहिल उर्फ पुलिस, विजय उर्फ कालू, विकास गहलोत, वीनीता और ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। बाबा कपिल सांगवान के सगे भाई हैं।

# आर.डी.एस.ओ. में हिंदी पखवाड़ा-2025 के समापन एवं पुरस्कार-वितरण समारोह का आयोजन

**कौमी पत्रिका**

आरडीएसओ में दिनांक 14.09.2025 से 26.09.2025 तक हिंदी पखवाडा-2025 का आयोजन किया गया। गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार, हिंदी पखवा? का शुभारंभ दिनांक 14.09.2025 एवं 15.09.2025 को महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन सेंटर, गांधी नगर गुजरात में आयोजित दो-दिवसीय कार्यक्रम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन से किया गया। दिनांक 26.09.2025 को आयोजित किये गए समापन एवं पुरस्कार-वितरण समारोह में श्री डी. बी. सिंह, अपर महानिदेशक, आरडीएसओ ने राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता एवं राजभाषा में प्रशंसनीय कार्य करने वाले 73 कार्मिकों को पुरस्कार वितरित किए । %सामूहिक पुरस्कार योजना% के अंतर्गत वर्ष के दौरान सर्वाधिक कार्य राजभाषा में करने में भंडार निदेशालय ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, विद्युत निदेशालय को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ तथा यातायात एवं मनो-तकनीकी निदेशालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । हिंदी पखवाड़े के दौरान राजभाषा प्रदर्शनी में संगठन के निदेशालयों ने अपने-अपने स्टॉल लगाये, जिनमें राजभाषा में किए गए कार्यों को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में संगठन के विभिन्न निदेशालयों ने भाग लिया तथा मूल्यांकन के आधार पर भू-तकनीकी निदेशालय को प्रथम, परीक्षण निदेशालय को द्वितीय तथा वित्त एवं लेखा निदेशालय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पुरस्कार-वितरण समारोह में कु. प्रियंका भास्कर द्वारा वाणी-वंदना, श्री विनीत द्विवेदी, कार्यकारी निदेशक/वित्त, आरडीएसओ, कवयित्री शिखा श्रीवास्तव एवं कवि मुकुल महान जी द्वारा काव्य-पाठ किया गया। नटराज नाट्य-दल द्वारा मुंशी प्रेमचंद जी की कहानी 'बू ?ी काकी' का नाट्य रूपांतरण तथा लोक-नाट्य दल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा जयशंकर प्रसाद जी की कहानी एवं नीरज जी की कविताओं के संपादित अंश पर आधारित नाटक 'पु ?ी-पु ?ी कट मरे' का नाट्य-मंचन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्मिकों को संबोधित करते हुए अपर महानिदेशक महोदय ने संगठन के सभी कार्मिकों से राजभाषा नियमों के अंतर्गत अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने का आह्वान किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री शमीम अहमद ने राजभाषा विभाग के शब्दार्थ प्रतियोगिता, राजभाषा-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, तकनीकी-संगोष्ठी एवं साहित्यिक-संगोष्ठी जैसे अभिनव प्रयासों को रेखांकित करते हुए सभी को राजभाषा के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया तथा कार्यक्रम के कुशल संचालन हेतु श्रीमती स्वर्णा अस्थाना की सराहना की।

# पड़ोसियों के झगड़े से शुरू मुकदमा बच्चों को पिज्जा बांटने पर खत्म

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने पड़ोसियों के बीच पालतू जानवरों के रखरखाव को लेकर हुए विवाद में एक अनोखा आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा ने दोनों पक्षों द्वारा दर्ज क्रॉस एफआईआर को रद्द करने की शर्त पर उन्हें संयुक्त रूप से संस्कार आश्रम के बच्चों को पिज्जा बांटने का निर्देश दिया है। इसमें जीटीबी अस्पताल के पास स्थित संस्कार आश्रम के बच्चों, कर्मचारियों और अन्य स्टाफ को मिक्स वेजिटेबल पिज्जा और अमूल छाछ का टेट्रा पैक परोसना शामिल है। मानसरोवर पार्क इलाके में मामूली विवाद से शुरू झगड़े में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि पड़ोसियों के बीच निजी विवाद था, जो पालतू जानवरों के संचालन से संबंधित था। दोनों पक्षों ने एक जुलाई को समझौता कर लिया था। कोर्ट ने माना कि आपराधिक कार्यवाही जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और इससे पड़ोसियों के बीच शत्रुता बढ़ सकती है। कोर्ट को पता चला कि एक शिकायतकर्ता पिज्जा बनाने और बेचने के व्यवसाय में हैं। इसलिए, आदेश दिया गया कि पिज्जा उसी शिकायतकर्ता द्वारा तैयार किए जाएंगे और दोनों पक्ष मिलकर उन्हें परोसेंगे। प्रत्येक बच्चे, अटेंडेंट और स्टाफ को एक पिज्जा और एक अमूल छाछ दी जाएगी। मेनू की सॉफ्ट कॉपी जांच अधिकारी के व्हाट्सएप पर भेजी गई है, ताकि पिज्जा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

# डीयू एनसीवेब में बीए और बीकॉम के मॉपअप दाखिले शुरू; 2800 सीटें अभी भी खाली

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के नॉन कॉलेजिएट वीमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) के केंद्रों में बीए और बीकॉम प्रोग्राम की खाली सीटों को भरने को लेकर दोबारा से कवायद शुरू हो गई है। इच्छुक उम्मीदवार बुधवार से द्धह्लह्लश्चह्य=//ठ्ठष्2द्गड्डह्स्रद्वद्बह्य-ह्यद्बश्ठ्ठ.ह्वश्स्र.ड्डष्.द्बठ्ठ/ लिंक पर जाकर 27 सितंबर तक पंजीकरण कर सकते हैं। एनसीवेब की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने कहा बीए और बीकॉम प्रोग्राम में करीब 2800 सीट खाली पड़ी हैं। इसमें एक हजार के आसपास बीए प्रोग्राम में सीटें खाली हैं। इसमें ओबीसी, एससी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी की सीट शामिल हैं। जबकि बीकॉम में सभी श्रेणियों में दाखिले के लिए सीट उपलब्ध हैं। जिन उम्मीदवारों ने अभी तक दाखिला के लिए पंजीकरण नहीं किया था वह उम्मीदवार भी दाखिला के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। यह खाली सीटों को भरने का एक तरह से मॉपअप राउंड है। एनसीवेब के 26 केंद्रों में बीए और बीकॉम प्रोग्राम की कक्षाएं सप्ताहांत और अवकाश के दिन आयोजित होती हैं। इसमें मिरांडा हाउस और हंसराज कॉलेज जैसे नामचीन कॉलेज भी शामिल हैं। इस बार एनसीवेब को बीए और बीकॉम प्रोग्राम की 15200 सीट के लिए लगभग साढ़े 17 हजार आवेदन मिले थे। स्पेशल ड्राइव के बाद भी एनसीवेब के कुछ केंद्रों में अलग-अलग श्रेणी की सीट खाली रह गई हैं। उधर, डीयू के यूजी के विभिन्न कार्यक्रमों में ऑन द स्पॉट मॉपअप दाखिला राउंड के लिए मंगलवार से दाखिला की प्रक्रिया शुरू हो गई। अलग-अलग प्रोग्राम की विभिन्न श्रेणियों की 9194 सीटों को भरा जाना है। इसके लिए 12210 उम्मीदवारों ने पंजीकरण किया है। इसमें दाखिला के समय उम्मीदवार का अनिवार्य तौर पर उपस्थित होना जरूरी है। मॉपअप राउंड-1 में सीटों के खाली रहने पर दाखिला का यह मौका फिर से दिया जा रहा है।

# द्वारका में बनेगा आइस स्केटिंग रिंक, एलजी ने किया शिलान्यास

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने द्वारका सेक्टर-23 में इंटरनेशनल लेवल का सरकारी आइस स्केटिंग रिंक बनाने का शिलान्यास किया। यह रिंक भारत में शीतकालीन खेलों के लिए नई राह खोलेगा और फिट इंडिया मूवमेंट को और आगे बढ़ाएगा। एलजी सक्सेना ने कहा कि यह प्रोजेक्ट दिल्ली के साथ भारत के खिलाड़ियों के लिए मददगार साबित होगा। सालभर प्रैक्टिस करने का मौका मिलने से खिलाड़ी विंटर ओलंपिक और एशियन विंटर गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट में दमखम दिखा सकेंगे। करीब 4200 वर्ग मीटर में बनने वाले इस रिंक में 60 मीटर लंबा और 30 मीटर चौड़ा ओलंपिक आकार का ट्रैक होगा। यहां लोग आइस स्केटिंग के साथ आइस हॉकी और कर्लिंग जैसे खेल भी खेल पाएंगे। रिंक में खाने-पीने की सुविधा, चोटिल खिलाड़ियों के लिए रिहैब रूम और खेल से जुड़ी चीजों की दुकान भी होगी। काम मई 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। डीडीए अभी दिल्ली में 18 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चार मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और तीन गोल्फ कोर्स चला रहा है। अब यह नया आइस स्केटिंग रिंक जुड़ने से दिल्ली की खेल सुविधाओं को और मजबूती मिलेगी। द्वारका में देश का सबसे बड़ा 18-होल गोल्फ कोर्स और एक आधुनिक स्पोर्ट्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनकर तैयार है। आने वाले समय में दो और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तैयार होंगे। खेलों के साथ-साथ डीडीए द्वारका को एक आधुनिक और सस्टेनेबल उप-शहर के रूप में विकसित कर रहा है। यहां किफायती से लेकर प्रीमियम फ्लैट्स, चौड़ी सड़कें, सामुदायिक केंद्र और सीवेज ट्रीटमेंट जैसी आधुनिक सुविधाएं बनाई जा रही हैं।

# स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में मददगार है फिजियोथेरेपी

दिल्ली। स्ट्रोक और दिल के दौरे से उबारने में फिजियोथेरेपी मददगार है। सर्जरी, चोट और बीमारी के बाद शरीर की रिकवरी में भी फिजियोथेरेपी से सहायता मिलती है। यह दावा फिजियोथेरेपिस्ट का है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की फिजियोथेरेपी विभाग प्रमुख डॉ. पूजा सेठी ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जब मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होता है तो सर्जरी के बाद शारीरिक तौर पर सक्रिय करने के लिए फिजियोथेरेपी की जरूरत होती है। कार्डियक रिहैब कार्यक्रम के तहत हृदय को मजबूत बनाने और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए व्यायाम प्रशिक्षण दिया जाता है। बाईपास, एंजियोप्लास्टी, हार्ट ट्रांसप्लांट की सर्जरी कराने वाले मरीजों की भी फिजियोथेरेपी होती है। तीन-चार हफ्ते मरीज को सामान्य होने में लगते हैं। मल्टीपल स्कारलेसिस, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक होने पर भी फिजियोथेरेपी की मदद से मरीज को चलने-फिरने के काबिल बनाया जा सकता है। उसके लिए मरीज को अलग-अलग व्यायाम कराएं जाते हैं। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट आपकी शक्ति, संतुलन, समन्व्य और लचीलापन बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत व्यायाम कार्यक्रम तैयार करने में विशेषज्ञ होते हैं। इसमें कुछ व्यायाम ऐसे होते हैं जिन्हें घर पर भी आसानी से किया जा सकता है। इसमें कुर्सी से बैठने और खड़े होने के व्यायाम में स्क्वैट्स करना, खड़े होकर वस्तुओं तक पहुंचना, विभिन्न दिशाओं में कदम उठाना, अलग-अलग गति और परिस्थितियों में चलना शामिल है। इसके अलावा जमीन से उठना, चलना, योग और संतुलन बढ़ाने वाले व्यायाम भी लाभदायक होते हैं। वैश्विक तौर पर 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 12 फीसदी लोगों में कमजोरी का मूल्यांकन किया गया है। लगभग 46 फीसदी लोगों में कमजोरी की पूर्व अवस्था मिली। इस कमजोरी को भी फिजियोथेरेपी की मदद से दूर किया जा सकता है। डॉ. पूजा सेठी बताया कि अस्पताल में आठ सितंबर को रोबोटिक स्कैनिंग लेजर और डीप ऑसिलेशन थेरेपी का शुभारंभ किया जा रहा है। रोबोटिक स्कैनिंग लेजर के जरिये पूरे शरीर की स्क्रीनिंग कर सकेंगे। इससे शरीर के दर्द वाले हिस्से की पहचान में मदद मिलेगी और लेजर से थेरेपी दी जा सकेगी। साथ ही मरीजों के लिए डीप ऑसिलेशन थेरेपी सुविधा की शुरुआत की जा रही है। इस प्रक्रिया में सेल को वाइब्रेट करके सूजन को कम किया जाएगा।

# फैक्टरी में लिफ्ट गिरने से कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार दोपहर फैक्टरी की लिफ्ट टूट कर गिरने से कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के समय कर्मचारी राजेश (32) पांचवीं मंजिल पर लिफ्ट में सवार हुआ था। परिवार वालों ने फैक्टरी के सामने शव रखकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है और लिफ्ट गिरने के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी राजेश बवाना पत्नी नीतू देवी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। वह सात साल से बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमसीसी बॉक्स बनाने की फैक्टरी में काम करते थे। राजेश के बहनोई अनोज शाह ने बताया कि सोमवार करीब साढ़े तीन बजे उन्हें पुलिस से राजेश के घायल होने की जानकारी मिली। वाल्मीकि अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया है। घटनास्थल पर पता चला कि काम करने के दौरान राजेश पांचवीं मंजिल पर थे। इसी दौरान नीचे मौजूद कर्मचारियों ने लिफ्ट से सैंपल भेजने की बात कही। लिफ्ट के खुलते ही वह सैंपल निकालने लगे। इसी दौरान राजेश सहित लिफ्ट अचानक नीचे गिर गया। शुरुआती जांच में पता चला कि लिफ्ट का तार टूटने की वजह से हादसा हुआ है। उधर शव मिलने के बाद परिवार वाले उसे लेकर फैक्टरी के बाहर रखकर हंगामा करने लगे। परिवार वालों ने मुआवजे की मांग की। मालिक ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की बात कही है। उसके बाद परिवार वालों ने शव का अंतिम संस्कार किया।

# क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

# दिल्ली हाईकोर्ट ने एनएचएआई की वकीलों की भर्ती अधिसूचना रद्द की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की एक अधिसूचना को रद्द कर दिया। इस अधिसूचना में 2022 और उसके बाद के कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) परीक्षा के स्कोर के आधार पर वकीलों की भर्ती की प्रक्रिया निर्धारित की गई थी। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने इस मामले में पहले एनएचएआई की अधिसूचना पर रोक लगाई थी और आज अपना अंतिम फैसला सुनाया कि 11 अगस्त की भर्ती मानदंड को रद्द किया जाता है। याचिकाकर्ता, एक प्रैक्टिसिंग वकील शत्रू बघेल ने एनएचएआई की 11 अगस्त 2025 की अधिसूचना के खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी। इस अधिसूचना में 44 यंग प्रोफेशनल (लीगल) पदों के लिए सीएलएटी 2022 और उसके बाद के संस्करणों के स्कोर के आधार पर भर्ती की बात कही गई थी। बघेल ने तर्क दिया कि सीएलएटी पीजी स्कोर को सार्वजनिक रोजगार के लिए चयन का आधार नहीं बनाया जा सकता।

# वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वीओसी निगरानी तंत्र की मांग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस पर मंगलवार को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) में पर्यावरण वैज्ञानिक और नीति विशेषज्ञ जुटे। इसमें वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसी) की व्यापक निगरानी की तत्काल आवश्यकता, ओजोन परत और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मजबूत जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया गया। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए उन्नत वीओसी निगरानी तंत्र की मांग की गई। इस कार्यक्रम का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई था। इसका आयोजन पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ. एसके त्यागी ने भारत के प्रमुख नगरीय केंद्रों में एक समर्पित वीओसी निगरानी तंत्र स्थापित करने के लिए ठोस प्रमाण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत 2019-2025 की अवधि में 11,211 करोड़ आवंटित होने के बावजूद केवल 68 फीसदी का ही प्रभावी उपयोग हुआ। क्षमता निर्माण और निगरानी जैसे महत्वपूर्ण घटकों को मात्र चार फीसदी आवंटन प्राप्त हुआ है, जिसे तत्काल बढ़ाना आवश्यक है। भारतीय नगरों में भूतल ओजोन प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं। दिल्ली में 2024 में 75 दिन घंटे भर के ओजोन मानदंड का उल्लंघन दर्ज किया गया। जबकि मुंबई में ऐसे दस दिन रहे। यह आंकड़े व्यवस्थित वीओसी पूर्वगामी निगरानी की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। विशेषज्ञ डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि ओजोन सुरक्षा और जलवायु कार्रवाई की परस्पर संबद्ध प्रकृति पर बल दिया और कहा कि ओजोन क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने से पहले ही 0.5एष्टतक की वैश्विक तापवृद्धि को रोका जा चुका है। इस कार्यक्रम में डीटीयू कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा, कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार, पर्यावरण विज्ञान एवं आभियांत्रिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. गीता सिंह, संयोजक डॉ. राजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य वक्ताओं के साथ संवाद किया। वक्ताओं ने बेहतर नीति वकालत, टिकाऊ शीतलन प्रौद्योगिकियों में वैज्ञानिक नवाचार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समर्थन करने वाले जीवनशैली विकल्पों का आह्वान किया।

# पुलिस ने एक साल से कम उम्र के छह मासूमों को बचाया

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण-पूर्व जिले की विशेष स्टाफ टीम ने एक सफल अभियान में बाल तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया। जिसमें 6 बच्चों को बचाया गया, जिसमें एक 6 माह का बच्चा 48 घंटे में रेस्क्यू किया गया। बचाए गए बच्चों में सभी एक साल से कम उम्र के बच्चे हैं। 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस खुलासे के बाद दिल्ली पुलिस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाली है। जहां दक्षिण-पूर्व जिले के विशेष स्टाफ द्वारा बच्चों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के रैकेट के खिलाफ सफल अभियान की जानकारी साझा की जाएगी।

# लापरवाही ने छीनी 12वीं की छात्रा की सांसें, छोटी बहन रह गई घर में अकेली

नई दिल्ली। मध्य जिला के पहाड़गंज इलाके में ई-रिक्शा चालक की लापरवाही ने राधिका सोलंकी (16) नाम की 12वीं कक्षा की छात्रा की जान ले ली और दो अन्य छात्राओं और एक युवक को जख्मी कर दिया। तेज रफ्तार से ई-रिक्शा चला रहे चालक ने रेड लाइट जंप करने के बाद अचानक वाहन मोड़ा तो वह अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में तीन छात्राएं और एक युवक घायल हो गया। घायलों को नजदीकी लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाया गया, जहां राधिका को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं वंशिका (11), मोहम्मद जाहिद (32) व एक अन्य छात्रों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7.30 बजे सूचना पर पहुंची पुलिस ने राधिका का शव मोर्चरी भेजा। इधर, लोगों ने आरोपी चालक दिलीप (46) को पकड़ लिया था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और ई-रिक्शा कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है। जाहिद ने पुलिस को बताया कि नबी करीम इलाके से तीन स्कूली छात्राओं के साथ ई-रिक्शा में सवार हुआ था। आरोपी चालक दिलीप बेहद लापरवाही से ई-रिक्शा चला रहा था। उसे टोका भी गया, लेकिन वह नहीं मना। तेज रफ्तार ई-रिक्शा अचानक मोड़ने से यह हादसा हुआ। राधिका के पिता संजय सोलंकी की करीब चार साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी जबकि कुछ दिनों बाद सदमे से मां की हृदयघात से मौत हो गई। परिवार में राधिका और उसकी आठ साल की छोटी बहन चकोर ही थी। दोनों बच्चियां अपने ताऊ अशोक सोलंकी के साथ नबी करीम इलाके में रहती थीं। ताऊ ही दोनों बच्चियों को पढ़ा रहे थे। राधिका पहाड़गंज के सरकारी स्कूल में जाती थी। सोमवार को बहन की मौत के बाद से चकोर बदहवास है।

# देवरानी की गला घोंटकर हत्या में पांच साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। देवरानी की गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में एक महिला पांच साल तक पुलिस को चकमा देती रही। अब आखिर अपराध शाखा की टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पहचान बदायूं, यूपी निवासी कौशल्या देवी के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वर्ष 2019 में कौशल्या ने अपने पति व देवर के साथ मिलकर देवरानी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में कौशल्या के पति राम अवतार और देवर ब्रह्म सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। कौशल्या फरार हो गई थी। इस दौरान यह कई राज्यों में छिपती रही। अब पुलिस ने इसे दिल्ली के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में नीरज (23) नामक महिला की उसके घर में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या का रंग देने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से हत्या की बात साफ हुई। पुलिस ने नीरज के परिजनों के बयान पर हत्या, दहेज प्रताड़ना समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। मामले में पुलिस ने नीरज के पति ब्रह्म सिंह, कौशल्या के पति राम अवतार को दबोच लिया। इस बीच कौशल्य फरार हो गई।

## अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

**धारा 82 Cr.PC. देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विनोद** उर्फ़ **बिल्ला,** पुत्र हरि किशन, निवासी सी-462, गली नंबर 5, लक्ष्मी गार्डन, 100 फुटा रोड, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 38068/2019 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना वजीराबाद, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विनोद** उर्फ़ **बिल्ला** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विनोद** उर्फ़ **बिल्ला** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.PC. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 38068/2019 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना वजीराबाद, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **विनोद** उर्फ़ **बिल्ला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **12.11.2025** को हाजिर हो।

**आदेशानुसार: सुश्री भारती बेनीवाल,**
**न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-12 (केन्द्रीय),**
**कमरा नं. 254, द्वितीय तल,**
**तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली।**

DP/13028/N/2025

**कौमी पत्रिका**

**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
**मोबाइल नंबर** : 9312262300

**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## कुलपति व कुलसचिवों की बैठक में मुख्यमंत्री ने दिया युवाओं को 'फ्यूचर रेडी' का मंत्र

एजेंसी

**हिसार।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजभवन में आयोजित एक बैठक में सह-अध्यक्षता की। यह बैठक राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष की अध्यक्षता में बुलाई गई थी, जिसमें यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई व कुलसचिव डा. विजय कुमार सहित राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कुलसचिवों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य केंद्र राज्य के होशियार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना रहा। चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि छात्रों को रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार किया जाए।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को विशेष रूप से विद्यार्थियों को 'फ्यूचर रेडी' (भविष्य के लिए तैयार) बनाने और स्टार्टअप्स के माध्यम से उन्हें अवसर प्रदान करने की दिशा में गहन और सार्थक विचार-विमर्श किया। यह पहल राज्य के युवाओं को नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा ?दिए गए निर्देशों के तहत युवाओं को स्टार्टअप से जोड़ने के प्रयास और तेज किए जाएंगे। विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहा है कि युवा वर्ग को रोजगार से जोड़ा जाए और आज का युवा रोजगार मांगने वाला न बनकर रोजगार देने वाला बनें।

## प्रदेश में नायब सरकार ने किया बदमाशों का सफाया: रामकुमार गौतम

**पानीपत।** पानीपत के गांव अहर की गौशाला में पहुंचे सफीदों के भाजपा विधायक रामकुमार गौतम ने दावा किया कि प्रदेश की नायब सैनी सरकार बदमाशों को उनकी औकात दिखा रही है। आने वाले दिनों में उनके हलके में एक भी बदमाश नहीं मिलेगा। शुरू में प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था के लिए उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार ठहराया। रामकुमार गौतम ने भाजपा के वरिष्ठ नेता बलवान सिंह शर्मा की गौशाला में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा में सभी जातियों के साथ समान व्यवहार किया जा रहा है। विधायक ने कहा कि राज्य में लोकतांत्रिक प्रशासन काम कर रहा है और किसी भी जाति से भेदभाव नहीं होता है। कानून व्यवस्था पर बोलते हुए गौतम ने कहा कि प्रदेश में अब स्थिति धीरे-धीरे काबू में आ रही है। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री एक सुलझे हुए व्यक्ति हैं और शुरुआत में उनकी सरकार ने बदमाशों का सफाया किया, लेकिन बाद में कानून व्यवस्था बिगड़ गई। रामकुमार गौतम ने पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल ने भी अच्छा काम किया, लेकिन कानून व्यवस्था में पूरी तरह सक्षम नहीं थे। अब नायब सैनी सरकार में बदमाशों को उनकी औकात दिखाई जा रही है। गौतम ने दावा किया कि सफीदों हल्के में एक भी बदमाश नहीं मिलेगा। कार्यक्रम में भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## शहीद लांस नायक दिनेश कुमार के नाम पर रखा स्कूल का नाम

**पलवल।** जिला उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत नगला मोहम्मदपुर में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय का नाम शहीद लांस नायक दिनेश कुमार पर किया गया है। अब यह विद्यालय शहीद लांस नायक दिनेश कुमार प्राथमिक स्कूल नगला मोहम्मदपुर के नाम से जाना जाएगा। उल्लेखनीय है कि गांव नगला मोहम्मदपुर के शहीद लांस नायक दिनेश शर्मा के परिवार को सरकार द्वारा 3 करोड़ 17 लाख रुपए की मदद दी जा चुकी है। इसके अलावा करीब 60 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी सरकार द्वारा जल्द दी जाएगी। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन ने लोढा फाउंडेशन से शहीद के परिवार को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई है। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा शहीद दिनेश शर्मा के परिवार को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए सभी जरूरी कार्य तेजी से किए गए। प्रशासन के अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों संबंधी कार्य भी शहीद के घर जाकर करवाए गए, ताकि उनके परिजनों को किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

## पेयजल संकट पर ग्रामीणों ने पुलिस से मांगी सड़क जाम करने की मंजूरी

**जींद।** गांव बधाना स्थित जलघर में 17 दिनों से पीने के पानी की किल्लत को लेकर गांव के लोगों का सब्र का बांध टूट गया है और गांव के लोगों ने नगूरां पुलिस चौकी में पहुंच कर आगामी सोमवार को सड़क जाम करने की परमिशन मांगी है। गांव के लोगों का कहना है कि गांव में करीब 17 दिनों से पीने के पानी की किल्लत बनी हुई है लेकिन विभाग तथा जिला प्रशासन गांव के लोगों की तो दूर की बात विधायक तक की भी बात नही सुन रहा है। गांव बधाना के रामकरण, बिंद्र, पवन कुमार, राजेश, विकास आदि लोगों ने नगूरां पुलिस को लिखित में सड़क जाम करने की मांगी परमिशन में बताया कि गांव में करीब 17 दिनों से सबमर्सीबल की मोटर की केबल जली हुई है। यही नही गांव में नहरी पानी के लिए रखी मोटर भी चल नही रही है लेकिन अधिकारी ग्रामीणों की समस्या का स्थायी समाधान न कर केवल मात्र टैंकरों के पानी की सप्लाई कर रहा है।

# विश्वविद्यालयों में कौशल, स्वास्थ्य और खेल पर दिया जाए ध्यान : प्रोफेसर असीम कुमार घोष

● -दो दिवसीय बैठक में ग्रीन कैंपस और रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर हुई चर्चा

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि हरियाणा देश में खेलों के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट पहचान रखता है। विश्वविद्यालय परिसरों में आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित करना और छात्रों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना समय की मांग है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने विद्यार्थियों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रावधान करना चाहिए।आज यहां हरियाणा के विश्वविद्यालयों में शिक्षा, कौशल, खेल, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में नए आयाम जोड़ने के उद्देश्य से हरियाणा राजभवन में राज्य के सभी

विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कुलसचिवों की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने की। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा भी शामिल हुए इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आज के सत्र से विश्वविद्यालयों को शिक्षा, कौशल, खेल, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए दृष्टिकोण और दिशा प्राप्त हुई है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हरियाणा की सभी विश्वविद्यालयों को ग्रीन कैंपस बनाने के प्रयास करने चाहिए, ताकि स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय एक आदर्श स्थापित कर सकें। कौशल और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम चलाए जाएँ, ताकि छात्र न केवल डिग्री प्राप्त करें बल्कि रोजगार और उद्यमिता के लिए भी सक्षम बनें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग कर विश्वविद्यालयों के विकास को और भी प्रभावी बनाया जा सकता है। राज्यपाल ने आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालयों के उत्थान और कल्याण के लिए राज्य सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा।

## युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा व खेलों पर दें ध्यान: देवेंद्र अत्री

एजेंसी

**जींद।** गांव करसिंधु के ग्रामीण खेल स्टेडियम में सेवा पखवाड़ा के तहत खेल विभाग द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। लड़कों, लड़कियां की हैंडबॉल प्रतियोगिता में मुख्यअतिथि के तौर पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। अध्यक्षता डीएसओ रामपाल हुड्डा ने की। लड़कों में डूमरखा की टीम दनौदा को हरा विजेता बनी, तो लड़कियों में दनौदा की टीम नरवाना को हरा विजेता बनी। 30 सितंबर को खरकभूरा के खेल स्टेडियम में हॉकी के मैच होंगे। विधायक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के जन्म दिन से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। पौधरोपण, स्वच्छता, खेल प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नशा मुक्ति हरियाणा बनाने के लिए विशेषकर युवाओं को इस अभियान में सहयोग करना होगा। नशा करने से अनेकों

प्रकार के नुकसान हैं। सबसे बड़ा नुकसान शरीर पर नशा प्रभाव डालता है, तो परिवार भी परेशान रहता है। इसलिए नशे से दूर रहना चाहिए। इस मौके पर श्रवण मांडी, रोशन शर्मा, सतनाम करसिंधु, सतीश, अशोक कुमार हैंडबॉल कोच सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## ड्राफ्टिंग में क्लेरिटी, प्रिसिजन और कंसिस्टेंसी जरूरी : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग वास्तव में बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इसका अर्थ है नीति को औपचारिक और कानूनी भाषा में बदलना ताकि वे साफ, सटीक और सबको समझ में आने योग्य कानून के रूप में सामने आ सके। विधायी ड्राफ्टिंग में भाषा ऐसी हो कि कोई भी नागरिक पढ़कर साफ -साफ समझ सकें कि उसमें क्या लिखा है यानी क्लेरिटी होनी चाहिए। शब्दों का चयन ऐसा हो कि एक ही बात के दो अलग-अलग अर्थ न निकले यानी प्रिसिजन हो। पूरा कानून एक समान नियम और शैली में तैयार किया जाए यानी कि कंसिस्टेंसी हो।विधानसभा अध्यक्ष चंडीगढ़ में विधायी प्रारूपण एवं क्षमता संवर्धन विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज का यह आयोजन केवल एक प्रशिक्षण सत्र नहीं और न ही ये कोई औपचारिकता है, बल्कि यह हमारे लिए एक सामूहिक प्रयास है, जो

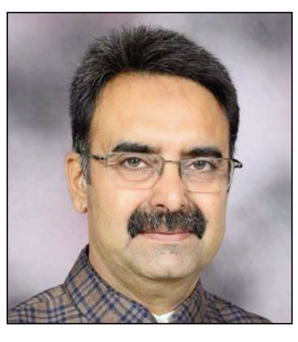

हरियाणा की शासन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे। इस लक्ष्य की प्राप्ति में लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं की एक बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग विधायी प्रक्रिया का ही एक मूल हिस्सा है, क्योंकि ये काम संसदीय विधानसभा में बिल पहुंचने से पहले ही शुरू हो जाता है। जब कोई नया कानून बनाना हो, किसी पुराने कानून में संशोधन करना हो या किसी कानून को समाप्त करना हो, तो इसकी पहल संबंधित मंत्रालय या विभाग से होती है। यही लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग का असली मकसद भी है कि समाज की जरूरतों को पहचान कर उन्हें स्पष्ट, सरल और प्रभावी कानून की भाषा में ढालें। हरविंद्र कल्याण ने कहा कि वर्ष 2015 में श्रेया सिंघल वर्सेज यूनियन ऑफ इंडिया केस में सुप्रीम कोर्ट ने इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 66 ए को असंवैधानिक घोषित किया था। क्योंकि ये धारा ऐसे शब्दों पर जैसे आक्रामक, अपमानजनक, कष्टदायक शब्दों पर आधारित थी, जिनकी कोई स्पष्ट कानूनी परिभाषा नहीं थी।

## हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

एजेंसी

**जींद।** हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन सतीश शाहपुर ने जिला के एसके सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, एसडी सीनियर सकेंडरी स्कूल समेत विभिन्न स्कूलों में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। जिले में डीएलएड की पूरक परीक्षा, कंपार्टमेंट तथा मर्सी चांस परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नकल रहित एवं पारदर्शी परीक्षाओं का आयोजन शिक्षा बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, पारदर्शिता और नकल-रहित परीक्षाओं को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विद्यार्थियों

के सर्वांगीण विकास तथा नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए बोर्ड ने कई ठोस कदम उठाए हैं। बोर्ड परीक्षाओं में कठोर निगरानी एवं नकल रोकथाम के लिए विशेष उडनदल गठित किए गए हैं। विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन सुविधाओं जैसे रिजल्ट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, डुप्लीकेट डाक्यूमेंट्स आदि को डिजिटल रूप से उपलब्ध करवाया जा रहा है। चेयरमैन ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड का लक्ष्य केवल परीक्षा आयोजित करना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों को ऐसे संस्कार और शिक्षा देना है, जिससे वे भविष्य में अच्छे नागरिक बनकर समाज और देश की सेवा कर सकें।

## गुरुग्राम में 99 करोड़ रुपए से अधिक के 16 विकास कार्यों को मिली प्रशासनिक मंजूरी

ज्योति दर्पण

**गुरुग्राम।** नगर निगम गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा की अध्यक्षता में वित्त एवं संविदा कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के लिए 99 करोड़ रुपए से अधिक के 16 महत्वपूर्ण विकास कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी दी गई। बैठक निगम कार्यालय में हुई, जिसमें निगमायुक्त प्रदीप दहिया, कमेटी सदस्य सुंदर सिंह व अनूप सिंह, अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका व रविन्द्र यादव, चीफ इंजीनियर विजय ढाका, निगम सचिव सिद्धार्थ खंडेलवाल सहित कार्यकारी अभियंता उपस्थित रहे।बैठक में विस्तार से चर्चा करने के बाद 16 विकास कार्यों के लिए तैयार प्रस्तावों को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। इनमें केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्राप्त 4.85 करोड़ की ग्रांट से 10 ट्रक माऊंटिड स्पिंकलर कम एंटी स्मॉग गन मशीन खरीदने, बजघेड़ा फिरनी को मॉडल रोड़ के तौर पर विकसित करने के लिए 5.08 करोड़ रुपये, मेफील्ड गार्डन में सडक़ निर्माण के लिए 2.79 करोड़ रुपये, गोदरेज सम्मिट सोसायटी से

धनवापुर एसटीपी तक 900 एमएम सीवर लाईन डालने के लिए 8.02 करोड़ रुपये तथा 2 रिसायकलर सुपर सकर मशीन खरीदने के लिए 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव शामिल हैं। इन मशीनों की क्षमता 19 टन होगी तथा इसका रख-रखाव व संचालन भी इसी राशि में शामिल होगा। सोहना रोड से नया गांव तक मारूति कुंज रोड के निर्माण के लिए 5.68 करोड़ रुपये, नया गांव में इंटरलॉकिंग टाइल व पेयजल आपूर्ति लाईन के लिए 4.28 करोड़ रुपये, गांव बालियावास से बंधवाड़ी तक 33 फुट चौड़े रिवेन्यू रास्ते के निर्माण के लिए 3.29 करोड़ रुपये, वजीराबाद मार्केट से झील चौक तक सीवरेज लाईन व सड़क निर्माण के लिए 3.48 करोड़ रुपये, आईडीसी सेक्टर-16 में मॉडल रोड, फुटपाथ व स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज के लिए 8 करोड़ रुपये, सेक्टर-17ए हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में सीवरेज व पेयजल लाईन के लिए 6.53 करोड़ रुपये, सेक्टर-66 में मॉडल रोड, फुटपाथ, साइकिल ट्रेक, स्ट्रॉम वाटर एवं सीवरेज लाईन के लिए 7.40 करोड़ रुपये, गांव बजघेड़ा में गलियों के पुर्न निर्माण के लिए 4.80 करोड़ रुपये, गांव बालियावास में गौशाला निर्माण के लिए 6 करोड़ रुपये, मियांवाली कॉलोनी में सीवरेज, पेयजल और गलियों के निर्माण के लिए 4.05 करोड़ रुपये तथा गांव नाथूपुर में सामुदायिक केन्द्र के निर्माण के लिए 9.45 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

## अवैध कॉलोनी पर चलाया पीला पंजा

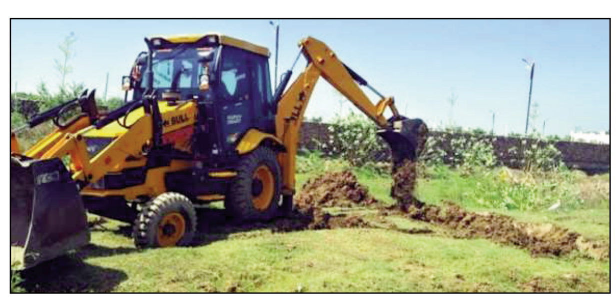

एजेंसी

**हिसार।** जिले के कस्बा हांसी में अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई अभियान के तहत शहरी स्थानीय निकाय विभाग एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने कुंदनापुर रोड स्थित नंबर-1 कॉलोनी में किए जा रहे अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया। लगभग 1.5 एकड़ क्षेत्रफल में फैली इस कॉलोनी को नियमों का उल्लंघन करते हुए बिना किसी स्वीकृति के बसाया जा रहा था।अवैध कालोनी पर कार्रवाई की निगरानी के लिए राजकीय महाविद्यालय हांसी प्रोफेसर डॉ. बंता सिंह ड्यूटी मजिस्ट्रेट रहे। टीम में जिला नगर योजनाकार डीटीपी दिनेश सिंह, फील्ड इंस्पेक्टर सपना और पुलिस बल शामिल रहे। मौके पर पहुंची टीम ने शुक्रवार को जेसीबी की मदद से अवैध रूप से बनाए गए दर्जनों प्लॉटों की दीवारों, सड़कों और निर्माणाधीन ढांचों को ध्वस्त कर दिया।इस अवसर पर डीटीपी दिनेश सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार का प्लॉट खरीदने से पहले उसकी विधिक स्थिति की जांच अवश्य कर लें। उन्होंने कहा कि प्लॉट खरीदने से पहले एचएसवीपी कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-13, हिसार स्थित डीटीपी कार्यालय द्वितीय तल पर जाकर संबंधित कॉलोनी की स्वीकृति और कानूनी स्थिति की जानकारी लेनी चाहिए।

## उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने मानेसर गौशाला में पशु अस्पताल का किया उद्घाटन

एजेंसी

**गुरुग्राम।** हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम के मानेसर गांव में स्थित बाबा न्यारम दास गौशाला में पशु अस्पताल का उद्घाटन किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गौशाला परिसर में पौधरोपण किया। गौसेवा के लिए निजी कोष से 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

राव नरबीर सिंह ने गौशाला समिति के कामों की सराहना करते हुए कहा कि गौ सेवा जैसे पुनित काम के लिए समिति के लोग बहुत मेहनत कर रहे है। समिति के सदस्य गौवंशों को आश्रय देने, स्वास्थ्य संबंधी जांच व उनके भोजन, पानी की व्यवस्था में लगे रहते हैं। बाबा न्यारम दास गौशाला इलाकें की सबसे बड़ी गौशाला है। अभी तक यहां गौवंशों के इलाज, जांच के लिए पशुपालन विभाग की ओर से सप्ताह में 2-3 बार डॉक्टर यहां आ रहे है। इस स्थायी अस्पताल के बनने के बाद गौवंशों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। अक्सर देखने में आता है

कि बेसहारा गौवंशों को सड़कों पर चोट लग जाती है। समय पर इलाज न मिलने से अप्रिय घटना भी हो जाती है। अब बाबा न्यारम दास गौशाला में स्थायी अस्पताल बनने से मानेसर इलाकें में घूमने वाली व अन्य गौशालाओं में रह रहे गौवंशों को समय पर बेहतर इलाज मिलेगा। उन्होंने आमजन से भी अपील करते हुए कहा कि गौसेवा के लिए आगे आएं और गौशाला में गौवंशों के लिए सुविधा बढ़ाने व बेहतरी के प्रयास करें। इस दौरान राव नरबीर सिंह ने अपने निजी कोष से गौशाला समिति को 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि नगर निगम भी गौशाला की बेहतरी के लिए संभव प्रयास कर रहा है। गौशाला की भूमि का टाइटल गैर मुमकिन पहाड़ है, इसके चलते निगम यहां स्थायी निर्माण आदि नहीं कर सकता। पीने के पानी, अस्थाई शेड, लोहे की ग्रिल आदि लगाने की व्यवस्था करने में नगर निगम सहयोग करेगा। इस दौरान गौशाला समिति के सदस्यों ने राव नरबीर के समक्ष गौशाला से संबंधित कुछ मांगें रखी। इन मांगों में गौशाला भूमि के साथ बने पॉलिटेक्निक कॉलेज के साथ भूमि विवाद, गौशाला में बिजली, पेंट, गांव नैनवाल से गौशाला तक पीने के पानी की लाइन डलवाने, गोवंशों के लिए एल आकार का शेड निर्माण आदि शामिल रहे। इन मांगों को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने स्वीकार करते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्या हल करने के निर्देश दिए।

## पानीपत के नौसैनिक की दिल का दौरा पड़ने से हुई मृत्यु

एजेंसी

**पानीपत।** पानीपत के मतलौडा क्षेत्र के गांव सिंक के नौ सनिक को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। फिलहाल वह मुंबई में नेवी में तैनात था और ड्यूटी के दौरान उसको हार्ट अटैक आया। मौत के तीन दिन बाद शहीद का शव पैतृक गांव में लाया गया। यहां पर राजकीय सम्मान के साथ हजारों लोगों की मौजूदगी में उनको अंतिम विदाई दी गई। जानकारी के अनुसार, गांव सिंक निवासी अमित कुमार पुत्र नाहर सिंह 13 साल पहले नेवी में भर्ती हुआ था। अमित कुमार अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। अमित कुमार अपने पीछे दो लड़के और एक लड़की छोड़ गए हैं। बताया जा रहा है कि 22 सितंबर को अमित कुमार अपनी ड्यूटी पर तैनात थे, तभी उन्हें सीने में दर्द हुआ। साथी कर्मचारियों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कानूनी कार्रवाई करने के बाद अमित का पार्थिव शरीर पैतृक गांव सिंक में लाया गया।

## सिखों ने धर्म की रक्षा के लिए सिर कटाए पर झुके नहीः नायब सैनी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिख समाज एक बहादुर कौम है, जिसने धर्म की रक्षा के लिए सिर कटा दिये, लेकिन झुके नहीं। 1984 सिख दंगों में पीड़ित परिवारों की पीड़ा हमारी पीड़ा है और सिख समाज का संघर्ष हम सब के लिए प्रेरणादायी है व उनका आत्म-सम्मान सर्वोपरि है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश भर से आए सिख समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश सरकार द्वारा मानसून सत्र के दौरान 1984 के दंगा पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव पारित करने पर सिख समाज ने आज मुख्यमंत्री का सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। ऐसे 121 परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया गया था, जिनके किसी सदस्य की जान दंगों में चली गई थी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिखों ने जिस समाज ने देश व धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी उसी समाज को वर्ष 1984 में निर्दयता से जख्मी किया गया। 1984 के वे काले दिन भारतीय लोकतंत्र और मानवता के इतिहास में एक कलंक के रूप में

अंकित हैं। निर्दोष सिख समाज के हजारों लोगों ने उस हिंसा में अपने प्रियजनों को खो दिया और अपने घर-बार से उजड़ गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने सत्ता में आने के बाद यह संकल्प लिया कि वर्ष 1984 की त्रासदी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हमने विशेष जांच आयोग गठित किए, दोषियों को सजा दिलाने की प्रक्रिया को तेज किया और मुआवजा योजनाओं को लागू किया। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी परिवार को न्याय से वंचित न रहना पड़े। नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिसम्बर, 2022 में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की स्थापना की गई। इससे सिख समुदाय को स्वायत्तता मिली है। सिरसा स्थित गुरुद्वारा चिल्ला साहिब को 70 कनाल भूमि स्थानांतरित की गई। उन्होंने कहा कि यमुनानगर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नाम श्री गुरु तेग बहादुर सिंह जी के नाम पर रखा गया है।

## कंबाइन हार्वेस्टर मालिकों को धान कटाई से पहले भेजना होगा एसएमए, नहीं होगी कार्रवाई

एजेंसी

**जींद।** डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने जिला में फसल की कटाई के बाद फसल प्रबंधन एवं पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि रेड एवं येलो जोन किए गए घोषित गांवों पर विशेष निगरानी रखी जाए। प्रत्येक ब्लॉक पर नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी निरंतर क्षेत्र में रह कर कड़ी निगरानी रखे। जिला के सभी कम्बाइन हार्वेस्टर मालिकों द्वारा धान की कटाई शुरू करने से पहले एसएमएस भेजना अनिवार्य है। अगर कोई ऐसा नहीं करेगा तो उसके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। डीसी मोहम्मद इमरान रजा लघु सचिवालय स्थित एनआईसी के कान्फ्रेंस हॉल में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के उच्च अधिकारी ने समीक्षा बैठक लेकर पराली प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि प्रत्येक 50 किसानों पर एक अधिकारी को तैनात किया गया है, जो पराली प्रबंधन के उपायों की निगरानी करेगा तथा किसानों को जागरूक करेगा। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे निरंतर क्षेत्र में गश्त बढ़ाएं और पराली में आग लगाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में आवश्यक कार्य करें।

उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों को कहा कि निरंतर किसानों को पराली प्रबंधन के लिए जागरूक करते रहें। किसान पराली प्रबंधन करके उसे अपनी आय का जरिया भी बना सकते है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पराली प्रबंधन हेतु किसानों को कृषि यंत्र अनुदान पर दिए गए हैं। सभी किसान इनका सदुपयोग करें। उन्होंने सभी किसानों से भी आह्वान किया कि वे पराली प्रबंधन की दिशा में अपना सकारात्मक सहयोग दें और जिले को जीरो बर्निंग बनाने में अहम भूमिका निभाएं। इस अवसर एडीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह, कृषि विभाग के उपनिदेशक डा. गिरीश नागपाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# 181 लाख करोड़ के कर्ज में डूबी केंद्र सरकार लेने जा रही 6.77 लाख करोड़ का अतिरिक्त कर्ज

**नई दिल्ली**

केंद्र सरकार इस वित्तीय वर्ष में 6.77 लाख करोड़ का अतिरिक्त कर्ज लेने जा रहा है। बता दें कि सरकार जरूरी खर्चे पूरे करने और इन्फ्रा योजनाओं को फंडिंग देने के लिए हर साल बाजार से बॉन्ड के जरिये मोटा कर्ज उठाती है। देश पर 31 मार्च, 2025 तक करीब 181 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लदा हुआ है, जो देश की जीडीपी का 56 फीसदी है। इस कर्ज में केंद्र सरकार और राज्यों का भी लोन शामिल है। इसके अलावा भारत पर विदेशी कर्ज भी लदा है, जो पिछले एक साल में 10 फीसदी बढ़कर करीब 61 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। देश पर कर्ज लदने से हर व्यक्ति पर भी देनदारी बढ़ जाती है। वित्तवर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सरकार की उधारी 5,000 करोड़ रुपये कम हुई। इसके अलावा दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) के अनुमान में भी 5,000 करोड़ रुपये की कटौती कर दी गई है। इस तरह देखा जाए तो पूरे वित्तवर्ष में उधारी में 10 हजार करोड़ रुपये की कमी आएगी। अब चालू वित्तवर्ष के लिए कुल उधारी 14.72 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो बजट अनुमान से 10,000 करोड़ रुपये कम होगा। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि दूसरी छमाही के लिए 6.77 लाख करोड़ रुपये की उधारी में से 10,000 करोड़ रुपये सरकारी हरित बॉन्ड के जरिये जुटाने की योजना है। पहली छमाही में सरकार ने 8 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना बनाई थी, जिसमें से 7.95 लाख करोड़ रुपये ही उधार लिए गए। सरकार दूसरी छमाही में उधारी की योजना को 22 साप्ताहिक नीलामी के माध्यम से छह मार्च 2026 तक पूरा करेगी। आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि कुल सकल उधारी अब 14.72 लाख करोड़ रुपये है, जो प्रारंभिक अनुमान से थोड़ा कम है। उन्होंने कहा कि मैं यह बात फिर कहूंगी कि सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य वित्तवर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.4 प्रतिशत तक लाना है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत था।

# एनआईसीडीसी बना रहे औद्योगिक स्मार्ट शहर, कई देश दिखा रहे रुचि

**नई दिल्ली**

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड (एनआईसीडीसी) के मुख्य कार्याधिकारी व प्रबंध निदेशक रजत कुमार सैनी ने बताया कि औद्योगिक स्मार्ट शहरों का कार्य तेजी से जारी है। जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर समेत पूर्व एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देश इन औद्योगिक शहरों में रुचि दिखा रहे हैं। इन औद्योगिक शहरों का विकास एनआईसीडीसी कर रहा है। उन्होंने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि भूराजनीतिक चिंताओं और अनिश्चितताओं के बावजूद इन शहरों में रुचि कायम है। उन्होंने कहा कि एनआईसीडीसी के शहर वैश्विक रुचि नियमित रूप से आकर्षित करते हैं। जापान, कोरिया और सिंगापुर के अलावा जर्मनी, इटली, यूएई, यूके, ताइवान, रूस समेत अन्य देशों की इन शहरों में रुचि बढ़ रही है। एडवांस विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधि, एयरोस्पेस, रक्षा, भारी उद्योग, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य क्षेत्रों के अलावा अन्य क्षेत्रों पर ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत

औद्योगिक गलियारों पर 20 औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित किए जाने हैं। इसमें व्यापक सोच विश्व स्तरीय औद्योगिक ढांचा बनाना और भारत को वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनाना है।

# देश में है कैफे-2 मानक लागू, जिन्हें कैफे 3 से बदला जाएगा

**नई दिल्ली**

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने यात्री वाहनों के लिए नए 'कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-3' मानक प्रस्तावित हैं, जो वाहन कंपनियों को साझा प्रयास करने, छोटी कारों को छूट देने और फ्लेक्स-ईंधन, हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक मॉडलों को भी शामिल करने की सुविधा देता है। बीईई का कहना है कि वाहनों की ईंधन दक्षता बढ़ाने नए मानक एक अप्रैल, 2027 से 31 मार्च, 2032 तक लागू होंगे। देश में फिलहाल कैफे-2 मानक लागू हैं, जिन्हें कैफे 3 से बदला जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित कैफे-3 नियमों के तहत साल भर में औसत ईंधन खपत के मानक को पूरा करने के लिए अधिकतम तीन वाहन विनिर्माता आपस में मिलकर एक 'पूल' भी बना सकते हैं। इस स्थिति में पूल को एक वाहन विनिर्माता माना जाएगा। हालांकि एक वाहन विनिर्माता केवल एक पूल में ही शामिल हो सकता है। पूल के 'पूल प्रबंधक' के रूप में नामित विनिर्माता पूल के संपर्क बिंदु के रूप में काम करेगा। वही ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत लगाए गए किसी भी जुर्माने का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा।नए मानक फ्लेक्स-ईंधन वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन को भी कैफे-3 मानकों के दायरे में शामिल करते हैं। इन्हें कॉरपोरेट औसत ईंधन खपत मानक 2027-2032 (कैफे 2027) कहा जाएगा। बीईई ने प्रस्तावित नियमों पर 21 दिनों के अंदर संबंधित पक्षों से टिप्पणियां देने को कहा है। नए नियमों से वाहन विनिर्माता अपनी कारों में ईंधन बचत को बढ़ाने, इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड कारों को बढ़ावा देने और पर्यावरण को फायदा पहुंचाने के लिए जरूरी बदलाव कर सकेंगे।सरकार ने साल 2020 से वाहनों के इंजन से उत्सर्जन को कम करने के लिए बीएस-6 मानक लागू किए हैं। इसका मकसद वाहनों से प्रदूषण को कम करना है। वर्तमान में सभी वाहन विनिर्माता कंपनियां बीएस 6 मानक वाली गाड़ियां बना रही हैं। बीएस-6 के तहत पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों में उत्सर्जन को कम करने के लिए जरूरी बदलाव किए हैं। संभावना जताई जा रही है कि आगे सरकार बीएस-7 मानक भी लागू करेगी। सरकार की तैयारी वाहनों के इंजन में जरूरी बदलाव करने के साथ ही ईंधन को भी अपग्रेड करना है। इसके लिए पेट्रोल में एथनॉल मिलाया जा रहा है। सभी पेट्रोल पंप पर 10 फीसदी एथनॉल वाला पेट्रोल मिल रहा है, जिसे जल्द ही बढ़ाकर 20 फीसदी करने की संभावना है।

# अंडमान सागर में मिला प्राकृतिक गैस भंडार, कुएं की गहराई 295 मीटर

**यह क्षेत्रीय ऊर्जा बाजार में भारत की स्थिति मजबूत करने में भी मदद करेगा**

**नई दिल्ली**

भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी सफलता सामने आई है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्विटर पर जानकारी दी कि अंडमान सागर में स्थित श्री विजयपुरम-2 कुएं में प्राकृतिक गैस का पता चला है।

यह कुआं अंडमान द्वीप समूह के पूर्वी तट से करीब 17 किलोमीटर दूरी पर है। कुएं की गहराई 295 मीटर है यानी यह समुद्र की सतह से 295 मीटर गहरे पानी में स्थित है। इसकी लक्षित गहराई 2650 मीटर रखी गई थी। मतलब यह है कि कुएं को पानी की सतह से लेकर समुद्र के नीचे जमीन में कुल 2650 मीटर तक खोदा गया। इसमें 295 मीटर पानी की गहराई और उसके नीचे जमीन में करीब 2355 मीटर की गहराई शामिल है। शुरुआती उत्पादन परीक्षण से पता चला कि 2212 से 2250 मीटर की गहराई में प्राकृतिक गैस मौजूद है और इसमें समय-समय पर फ्लेयरींग भी देखा गया।

गैस के नमूनों को जहाज के जरिए काकिनाडा लाया गया, जहां उनका परीक्षण किया गया। जांच में पाया कि इस गैस में 87 फीसदी मीथेन है। मीथेन एक उच्च ऊर्जा क्षमता वाला घटक है और इसे वाणिज्यिक उत्पादन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

अंडमान सागर में प्राकृतिक गैस की यह खोज भारत के ऊर्जा सुरक्षा और स्वदेशी ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिहाज से बहुत अहम है। इससे देश की ऊर्जा जरूरतों को स्थानीय स्रोतों से पूरा करने में मदद मिलेगी और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी। केंद्रीय मंत्री पुरी के मुताबिक अब कुएं से कमर्शियल प्रोडक्शन योजना तैयार की जाएगी। यह चरण देश की ऊर्जा रणनीति में एक नया आयाम जोड़ सकता है और अंडमान-निकोबार क्षेत्र में ऊर्जा निवेश के अवसर भी बढ़ाएगा। इस खोज से न केवल घरेलू ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि यह क्षेत्रीय ऊर्जा बाजार में भारत की स्थिति मजबूत करने में भी मदद करेगा। मीथेन की उच्च प्रतिशतता इस परियोजना को वाणिज्यिक रूप से आकर्षक बनाती है और भविष्य में एलएनजी निर्यात के रास्ते भी खोल सकती है।

# भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 702.57 अरब डालर तक पहुँचा

**नई दिल्ली**

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 19 सितंबर तक 702.57 अरब डालर तक पहुँच गया हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान सोने के भंडार में 360 मिलियन डालर की बढ़ोतरी हुई और यह 92.78 अरब पर पहुँच गया। विदेशी मुद्रा संपत्ति जो भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है, इस सप्ताह 586.15 अरब डालर मूल्य की रही। इसके अलावा भंडार में विशेष ड्रा राइट्स और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत की आरक्षित स्थिति शामिल है, जो क्रमशः 18.88 अरब डालर और 4.76 अरब डालर रही। इस सप्ताह एसडीआर में 105 मिलियन डालर और आईएमएफ की आरक्षित स्थिति में 2 मिलियन डालर की बढ़ोतरी हुई।

पिछले सप्ताह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.69 अरब डालर की तेजी आई थी और यह 702.9 अरब डालर तक पहुँच गया था। इसके पहले, सितंबर 2024 के अंत में यह रिकॉर्ड उच्च 704.885 अरब डालर तक पहुँच चुका था। आरबीआई समय-समय पर रुपये में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है, जिसमें डॉलर की बिक्री भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा है कि इन कदमों का उद्देश्य विशेष विनिमय दर को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि बाजार को स्थिर रखना है। पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा संपत्तियों में 2.5 अरब डालर की बढ़ोतरी हुई और यह 587.04 अरब डालर तक पहुँच गई। इन संपत्तियों में प्रमुख वैश्विक मुद्राएँ जैसे यूरो, पाउंड और येन शामिल हैं।

## यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की

नई दिल्ली बीवायडी की यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली प्रोडक्शन इलेक्ट्रिक कार बनी है। जर्मनी के एटीपी हाई-स्पीड ओवल ट्रैक पर इस इलेक्ट्रिक हाइपरकार ने 496.22 केएमपीएच (308.4 एमपीएच) की स्पीड पकड़ ली। इस तरह इसने 2019 में बनी बुगाटी चिरॉन सुपर स्पोर्ट 300 प्लस का 304.7 एमपीएच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह कार सिर्फ टॉप स्पीड में ही नहीं, बल्कि नीरबुग्रींग ट्रैक पर भी नया रिकॉर्ड बना चुकी है। इसने 7 मिनट से कम समय में लैप पूरा किया और शाओमी एसयू7 अल्ट्रा को पछाड़ दिया। यांगवांग यू9 एक्सट्रीम में 1,200वी का क्वॉड-मोटर सिस्टम है, जो 2,977एचपी पावर जनरेट करता है। इसमें एलएफपी बैटरी पैक है, जो कुछ ही सेकेंड में 0-1000 केएमपीएच की रफ्तार दिला देता है। एडवांस्ड टॉर्क वेक्टरिंग और एडॉप्टिव सस्पेंशन इसे और खास बनाते हैं। कार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह स्पीड ब्रेकर पर 'जंप' कर निकल सकती है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें कार्बन-सिरेमिक डिस्क्स, टाइटेनियम कैलिपर्स और खास गीतीस्पोर्ट ई-जीटीआर2 प्रो टायर्स दिए गए हैं।

## कच्चे तेल की कीमतें 2 महीने बाद फिर 70 डॉलर प्रति बैरल के पार

**नई दिल्ली** ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें करीब 2 महीने बाद एक बार फिर 70 डॉलर प्रति बैरल केस्तर पर पहुंच गई हैं। इसका असर घरेलू बाजार में भी दिखा और शनिवार को नोएडा समेत कई शहरों में तेल के दाम बढ़ गए। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शनिवार सुबह जारी तेल की कीमतों में उछाल आया। हालांकि, तेल कंपनियों ने दिल्ले ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में आज भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। सरकारी तेल कंपनियों के मुताबिक यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 25 पैसे महंगा होकर 95.12 रुपए लीटर बिक रहा है। डीजल भी 8 पैसे चढ़ा और 88.29 रुपए लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 5 पैसे गिरावट के साथ 94.70 रुपए लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 5 पैसे गिरकर 87.81 रुपए लीटर हो गया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 33 पैसे टूटकर 105.23 रुपए लीटर हो गया तो डीजल 31 पैसे गिरकर 91.49 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चा तेल बीते 24 घंटे में इसकी कीमतें फिर से बढ़ गई। ब्रेंट क्रूड का भाव 70.13 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। डब्ल्यूटीआई का रेट भी बढ़त के साथ 65.72 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए और डीजल 89.97 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपए और डीजल 92.35 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए और डीजल 91.76 रुपए प्रति लीटर है।

## यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की

**नई दिल्ली** बीवायडी की यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली प्रोडक्शन इलेक्ट्रिक कार बनी है। जर्मनी के एटीपी हाई-स्पीड ओवल ट्रैक पर इस इलेक्ट्रिक हाइपरकार ने 496.22 केएमपीएच (308.4 एमपीएच) की स्पीड पकड़ ली। इस तरह इसने 2019 में बनी बुगाटी चिरॉन सुपर स्पोर्ट 300 प्लस का 304.7 एमपीएच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह कार सिर्फ टॉप स्पीड में ही नहीं, बल्कि नीरबुग्रींग ट्रैक पर भी नया रिकॉर्ड बना चुकी है। इसने 7 मिनट से कम समय में लैप पूरा किया और शाओमी एसयू7 अल्ट्रा को पछाड़ दिया। यांगवांग यू9 एक्सट्रीम में 1,200वी का क्वॉड-मोटर सिस्टम है, जो 2,977एचपी पावर जनरेट करता है। इसमें एलएफपी बैटरी पैक है, जो कुछ ही सेकेंड में 0-1000 केएमपीएच की रफ्तार दिला देता है। एडवांस्ड टॉर्क वेक्टरिंग और एडॉप्टिव सस्पेंशन इसे और खास बनाते हैं। कार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह स्पीड ब्रेकर पर 'जंप' कर निकल सकती है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें कार्बन-सिरेमिक डिस्क्स, टाइटेनियम कैलिपर्स और खास गीतीस्पोर्ट ई-जीटीआर2 प्रो टायर्स दिए गए हैं, जो 310 एमपीएच तक स्पीड झेलने में सक्षम हैं।

## नियमों का पालन नहीं करने पर मुथूट फिनकॉर्प पर आरबीआई ने लगाया जुर्माना

**नई दिल्ली** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड पर आंतरिक 'ओम्बुड्समैन' से जुड़ी नियमावली का पालन न करने के कारण 2.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 31 मार्च, 2024 तक की कंपनी की वित्तीय स्थिति के वैधानिक निरीक्षण के बाद की गई। आरबीआई ने बताया कि निरीक्षण में यह पाया कि मुथूट फिनकॉर्प लि. ने आंतरिक शिकायत निवारण प्रणाली में जरुरी व्यवस्थाओं को लागू नहीं किया। केंद्रीय बैंक ने कंपनी को नोटिस जारी कर पूछा कि उसने आरबीआई नियमों का पालन क्यों नहीं किया और उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। नोटिस का जवाब, और मौखिक बयान का अध्ययन करने के बाद आरबीआई ने फैसला लिया कि आरोप सही है और जुर्माना लगाया जाना जरूरी है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मुथूट फिनकॉर्प लि. ऐसी व्यवस्था करने में नाकाम साबित हुआ है, जिसके तहत यदि कंपनी का अपना शिकायत विभाग किसी शिकायत को पूरी तरह या आंशिक रूप से खारिज करता है, तो वह शिकायत अपने-आप आंतरिक 'ओम्बुड्समैन' के पास आगे की जांच के लिए चली जाए। यह कदम ग्राहकों की शिकायतों का उचित और पारदर्शी निवारण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है।आरबीआई ने साफ कर दिया कि यह जुर्माना केवल नियमों के पालन में कमी के कारण लगाया गया है और इसका किसी भी ग्राहक लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। केंद्रीय बैंक ने सभी वित्तीय संस्थाओं से कहा है कि वे आंतरिक शिकायत निवारण और ओम्बुड्समैन संबंधी नियमों का पालन तय करें ताकि ग्राहकों के हित सुरक्षित रहें।

## फ्लैगशिप रेट्रो-स्टाइल बाइक गोल्ड स्टार 650 पर खास ऑफर

**नई दिल्ली** बीएसए मोटरसाइकिल्स ने अपनी फ्लैगशिप रेट्रो-स्टाइल बाइक गोल्ड स्टार 650 पर खास ऑफर लॉन्च किया है। बीएसए कंपनी ने घोषणा की है कि पहले 500 खरीदारों को यह बाइक जीएसटी 2.0 से पहले की कीमतों पर मिलेगी। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, बाइक के हाईलेंड ग्रीन/इंसाइग्निया रेड वैरिएंट की कीमत 3,09,990 रुपये, शेडो ब्लेक की 3,25,990 रुपये, मिडनाइट ब्लेक/डाउन सिल्वर की 3,21,990 रुपये और लेगेसी शीन सिल्वर की 3,44,990 रुपये (एक्स-शोरूम) है। ऑफर के तहत ग्राहकों को लिमिटेड एडिशन गोल्डी किट मुफ्त मिलेगी, जिसकी कीमत 5,900 रुपये है। इसमें टॉल टूरिंग विंडस्क्रीन, पिलियन बैकरेस्ट, मेटल एग्जॉस्ट शील्ड और रियर रेल किट शामिल हैं। फाइनेंसिंग भी आसान रखी गई है, जहां 0 डाउन पेमेंट और 5.99 प्रतिशत ब्याज दर से 6 साल तक लोन उपलब्ध है। डिजाइन की बात करें तो गोल्ड स्टार 650 क्लासिक राउंड टैंक, क्रोम पाइप्स और स्पोक व्हील्स के साथ आती है। इसमें 652सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन है, जो 45एचपी पावर और 55 एनएम टॉर्क देता है। डबल-क्रैडल चेसिस, डुअल-चैनल एबीएस और टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स इसे हाईवे और सिटी दोनों के लिए परफेक्ट बनाते हैं। कंपनी ग्राहकों को 4 साल/50,000 किमी की स्टैंडर्ड वारंटी, एक्सटेंडेड वारंटी और 1 साल रोडसाइड असिस्टेंस भी दे रही है। इस ऑफर से उम्मीद है कि फेस्टिव सीजन में बाइक की बिक्री में जोरदार इजाफा होगा। गौरतलब है कि नई टैक्स दरों के तहत 350सीसी से अधिक वाली बाइक्स पर जीएसटी 28 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया है। ऐसे में कीमतें बढ़नी तय थीं, लेकिन बीएसए ने शुरुआती ग्राहकों पर बोझ न डालते हुए यह बढ़ोतरी खुद वहन करने का निर्णय लिया है।

# जेएसडब्ल्यू में पहले ही काफी निवेश, ऐसे में योजना को रद्द करना घातक होगा

**सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रवर्तकों और कुछ ऋणदाताओं की आपत्तियों को किया खारिज**

**नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने भूषण पावर ऐंड स्टील (बीपीएसएल) के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की 19,700 करोड़ रुपए की समाधान योजना को बरकरार रखा और पूर्व प्रवर्तकों और कुछ ऋणदाताओं की आपत्तियों को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले आदेश के संदर्भ में कहा कि जेएसडब्ल्यू कंपनी में काफी निवेश पहले ही कर चुकी है। ऐसे में उसकी योजना को रद्द करने के घातक परिणाम होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 2 मई के उस फैसले को वापस ले लिया जिसमें जेएसडब्ल्यू की योजना को रद्द करते हुए परिसमापन का आदेश दिया गया था। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि बीएसपीएल के लिए जेएसडब्ल्यू की समाधान योजना 'अवैध' और ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवालिया के प्रावधानों के खिलाफ है। उन्होंने कहा था कि भूषण स्टील की लेनदारों की समिति को समाधान योजना को स्वीकार नहीं करना चाहिए था और राष्ट्रीय कंपनी विधिक पंचाट (एनसीएलटी) को उसे मंजूरी नहीं देनी चाहिए थी। विशेषज्ञों ने कहा कि यह फैसला आईबीसी के तहत संभवत~ ऐसा पहला मामला है जहां न्यायालय ने पिछले फैसले को पलट दिया है। गांधी लॉ एसोसिएट्स के पार्टनर रहील पटेल ने कहा कि फैसले में यह बदलाव सही है क्योंकि समाधान योजना को लागू करने में हुई देरी की वजह जेएसडब्ल्यू नहीं बल्कि ईडी की कार्यवाही है लेकिन कोचर ऐंड कंपनी के पार्टनर शिव सपरा ने कहा कि किसी फैसले को वापस लिए जाने से भविष्य के मामलों में चिंता बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस बात की क्या गारंटी है कि किसी अन्य ताकतवर वादी अथवा ढांचे में बदलाव के कारण भविष्य में समीक्षा नहीं होगी?

कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि इस फैसले ने आईबीसी ढांचे को कमजोर करने के बजाय उसके बुनियादी सिद्धांतों की पुष्टि की है कि लेनदारों की समिति की व्यावसायिक समझदारी का सम्मान किया जाना चाहिए। एसकेवी लॉ ऑफिसेज के पार्टनर सुहैल बुट्टन ने कहा कि जब किसी समाधान योजना को मंजूरी मिल जाती है और उसे सफल बोलीदाता द्वारा लागू कर दिया जाता है तो वही अंतिम हो जाती है। मुख्य न्यायाधीश गवई ने अपने फैसले में कहा कि पूर्व प्रवर्तकों के पास तकनीकी तौर पर आईबीसी की

धारा 62 के तहत अपील करने का अधिकार है, लेकिन उनकी आपत्तियां गुण-दोष के आधार पर खारिज कर दी गईं। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल देरी ही किसी समाधान योजना को खारिज करने के लिए पर्याप्त नहीं है, खास तौर पर ऐसे मामलों में जब ऐसा मुख्य तौर पर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही के कारण हुआ हो। पीठ ने कहा कि लेनदारों की समिति की व्यावसायिक समझदारी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी स्वीकृत योजना को दोबारा खोलने से 'भानुमती का पिटारा खुल जाएगा' और आईबीसी ढांचे की पवित्रता नष्ट हो जाएगी।

# सोना-इक्विटी का अनुपात बढ़कर 1.4 पर पहुंचा जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा

**नई दिल्ली**

सोने की कीमतों में तेजी और शेयरों गिरावट के कारण इसके दाम और सेंसेक्स का अनुपात, 2020 के महामारी के दिनों को छोड़कर एक दशक में सबसे ज्यादा है। कोरोना महामारी में शेयर के भाव में थोड़े समय के लिए गिरावट आई थी। बीते गुरुवार को सोना और इक्विटी का अनुपात बढ़कर 1.4 हो गया जो जनवरी-मार्च 2014 के बाद सबसे ज्यादा था। जनवरी-मार्च 2014 में यह 1.5 के करीब था।

पिछले साल दिसंबर के अंत में यह अनुपात 0.97 और सितंबर के अंत में 0.89 था। वर्तमान अनुपात लंबी अवधि में ऐतिहासिक औसत से भी ज्यादा है। पिछले 30 सालों में सोने की कीमत और सेंसेक्स के अनुपात का औसत मान 1.04 है।

ऐतिहासिक रूप से शेयर और सोने की चाल लंबी अवधि में एक दूसरे के विपरीत रही है।

उदाहरण के लिए सेंसेक्स ने 1998 के अंत से जून 2000 के बीच करीब दो सालों तक सोने से बेहतर प्रदर्शन किया था। इसके बाद अगले कुछ सालों तक शेयरों में लगातार बिकवाली हुई और सोने ने 2000 के मध्य से 2003 के मध्य के बीच सेंसेक्स को पीछे छोड़ दिया। फिर इक्विटी ने 2003 से 2007 के बीच चार सालों तक सोने से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसके बाद 2008 और 2009 में सोने की कीमतों में तेजी आई जबकि शेयर का प्रदर्शन कमजोर रहा। मार्च-जून 2020 की छोटी अवधि को छोड़ दें तो 2012 से 2021 के बीच करीब एक दशक तक इक्विटी में तेजी रही जबकि सोने की कीमतें स्थिर रहीं।

सोना अब सितंबर 2021 से अगले चार सालों तक इक्विटी से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। पिछले तीन दशक में सोने में तेजी का यह सबसे लंबा सिलसिला है। इससे पहले फरवरी 2000 से मई 2003 के बीच सोने के दाम में काफी तेजी आई थी। पिछले चार सालों में घरेलू बाजार में हाजिर सोने की कीमत सितंबर 2021 के अंत में 45,600 रुपए प्रति 10 ग्राम से 147 फीसदी बढ़कर बुधवार को 1,12,895 रुपए पहुंच गई। इसकी तुलना में इस अवधि में बेंचमार्क सूचकांकों में सिर्फ 37 फीसदी की वृद्धि हुई। गुरुवार को बेंचमार्क सेंसेक्स 81,159 पर बंद हुआ, जबकि सितंबर 2021 के अंत में यह 59,126 था।

## विडा ने पेश किया ग्राहकों के लिए नया सर्विस प्रोग्राम

**नई दिल्ली** हीरो मोटोकॉर्प की इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा (वीआईडीए) ने ग्राहकों के लिए नया सर्विस प्रोग्राम पेश किया है। ऑफर के तहत विडा कंपनी ई-स्कूटर्स पर 5 साल या 75,000 किमी की वारंटी उपलब्ध कराएगी, जिसमें बैटरी को अलग से 5 साल/60,000 किमी तक का कवरेज मिलेगा। वारंटी में 11 अहम कम्पोनेंट्स शामिल होंगे। नई योजना में ग्राहकों को कई फायदे दिए जा रहे हैं। इसमें एक्सटेंडेड वारंटी, एश्योर्ड बायबैक, 24/7 रोडसाइड असिस्टेंस और कनेक्टेड सर्विस सब्सक्रिप्शन शामिल हैं। सबसे खास बिंदु है बायबैक गारंटी। तीन साल बाद ग्राहक अपने स्कूटर को वापस कर एक्स-शोरूम कीमत का 67.5 प्रतिशत तक रिफंड पा सकते हैं। इससे मॉडल अपग्रेड करना आसान हो जाएगा। कंपनी ने साथ ही 'विडा ऐज' सब्सक्रिप्शन पैकेज भी लॉन्च किया है। इसमें देशभर के 3,600+ चार्जिंग प्वॉइंट्स पर अनलिमिटेड फास्ट चार्जिंग और मोबाइल ऐप पर 40 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स शामिल हैं। इससे यूजर्स स्कूटर की बैटरी स्टेटस, राइड हिस्ट्री, चार्जिंग लोकेशन और ओवर-द-एयर अपडेट जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। रोडसाइड असिस्टेंस में ब्रेकडाउन, फ्लैट टायर, टोइंग तक की मदद मिलेगी। सभी सुविधाएं डीलरशिप और डिजिटल चैनलों पर उपलब्ध हैं।

# टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

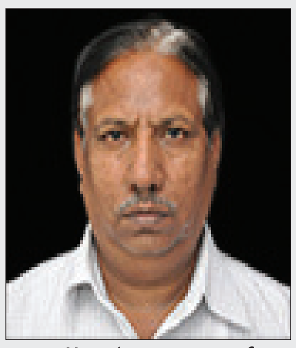

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

**मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।**

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। 1962 के युद्ध के कटु अनुभवों के बाद भारत ने अन्य विकल्प होते हुए भी सोवियत रुस के मिग-21 को प्राथमिकता दी। 1963 में चण्डीगढ़ में ही मिग ने भारतीय वायु सेना में प्रवेश किया और 26 सितंबर, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेनाप्रमुखों के बीच औपचारिक विदाई ली है। स्क्वाड्रनलीडर प्रिया सिंह ने अंतिम उड़ान भर कर मिग-21 को शानदार-यादगार विदाई दी। मिग-21 का 1965, 1971, करगिल, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर तक गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि मिग-21 के उड़ान के दौरान हुई दुर्घटनाओं ने इसे उड़ता ताबूत ही नहीं विडो मेकर तक कहा जाने लगा। दरअसल पाकिस्तान से युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-16 युद्धक विमान को गिरा कर सारी दुनिया को इसने आश्चर्य में ड़ाल दिया था। 1971 में ढ़ाका में गर्वनर हाउस पर बमबारी कर अपनी मारका क्षमता का लोहा मनवा चुका है। भारतीय वायु सेना में 800 से अधिक मिग का बेड़ा रहा है। इनमें से करीब 400 मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने और करीब 200 पायलट और 50 नागरिकों की मौत के कारण गति, शक्ति और रफ्तार के बावजूद मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से।

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी

वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी। अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है।

मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निमार्ता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है।

फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरूआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

## संपादकीय

### जीएसटी और कर का बोझ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार जारी रहेंगे तथा अर्थव्यवस्था के और मजबूत होने पर नागरिकों पर कर का बोझ और कम होगा। ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का बृहस्पतिवार को उद्घाटन करने के बाद मोदी ने यह आस्ति दी। उन्होंने कहा कि देश में वर्तमान सुधारों के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होने के साथ-साथ उसके पास लोकतांत्रिक और राजनीतिक स्थिरता भी है। जीएसटी में सुधार को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना पर पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए झूठ फैला रहे हैं। आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में 'टैक्स की लूट' मची थी। लूटे हुए धन की भी लूट होती थी। देश के आम नागरिकों को कर की मार से निचोड़ा जा रहा था। आज कांग्रेस समेत कुछ राजनीतिक दल देश के लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि नये जीएसटी रिफॉर्म से गरीब और मध्यम वर्ग, सभी की बचत हुई है। समूचे देश में बचत उत्सव चल रहा है, और बाजार मजबूत से मजबूत हुए जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने कर को बड़े पैमाने पर कम किया है, और प्रयास किया है कि इसका लाभ आम जन तक पहुंचे और उसे महंगाई की मार से बचाया जाए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को भी दोहराया। नागरिकों के सबल और सक्षम होने से इस लक्ष्य को सहज ही पाया जा सकता है। इसके साथ ही तथ्य यह भी है कि भारत वैश्विक व्यवधानों और अनिश्चितता के बावजूद विकास की दृष्टि से आकषर्क देश बना हुआ है। कोई भी व्यवधान भारत को पथ विचलित नहीं कर पा रहा है, बल्कि नई दिशा दिखाने वाला ही साबित हो रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को लाल किले के प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर जो अनेक घोषणाएं की थीं, उनमें देश के आर्थिक दृष्टिकोण से सबसे महत्त्वपूर्ण घोषणा जीएसटी में बड़े बदलाव को लेकर की गई घोषणा थी। कहा था कि जीएसटी में सुधारों के रूप में देशवासियों को दीपावली का तोहफा मिलने वाला है, जिससे करदाताओं और व्यवसाइयों के लिए कर-अनुपालन सरल बनेगा। साथ ही, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी घटेंगी। बेशक, मोदी सरकार ने जीएसटी को आम जनता और व्यापारियों, दोनों के लिए सरल और पारदर्शी बनाने का जो प्रयास किया है, उससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

## चिंतन-मनन

### सतोगुण और तमोगुण का फर्क

सतोगुण में ज्ञान के विकास से मनुष्य यह जान सकता है कि कौन क्या है, लेकिन तमोगुण तो इसके सर्वधा विपरीत होता है. जो भी तमोगुण के फेर में पड़ता है, वह पागल हो जाता है और पागल पुरुष यह नहीं समझ पाता कि कौन क्या है! वह प्रगति करने के बजाय अधोगति को प्राप्त होता है। वैदिक साहित्य में तमोगुण की परिभाषा दी गई है कि अज्ञान के वशीभूत होने पर कोई मनुष्य किसी वस्तु को यथारूप नहीं समझ पाता। उदाहरणार्थ, प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि मनुष्य मत्र्य है और मृत्यु ध्रुव है। फिर भी लोग पागल होकर धन संग्रह करते हैं और नित्य आत्मा की चिन्ता किये बिना अहर्निश कठोर श्रम करते हैं। अपने पागलपन में वे आध्यात्मिक ज्ञान में कोई उन्नति नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलसी होते हैं। जब उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान में सम्मिलित होने के लिए आमन्त्रित किया जाता है, तो वे अधिक रुचि नहीं दिखाते। वे रजोगुणी व्यक्ति की तरह भी सक्रिय नहीं रहते। तमोगुण में लिप्त व्यक्ति का एक अन्य गुण यह भी है कि वह आवश्यकता से अधिक सोता है। ऐसा व्यक्ति सदैव निराश प्रतीत होता है और भौतिक द्रव्यों तथा निद्रा के प्रति व्यसनी बन जाता है।

इसके विपरीत सतोगुणी पुरुष अपने कर्म या बौद्धिक वृत्ति से उसी तरह सन्तुष्ट रहता है, जिस प्रकार दार्शनिक, वैज्ञानिक या शिक्षक अपनी-अपनी विधाओं में निरत रहकर सन्तुष्ट रहते हैं। रजोगुणी व्यक्ति सकाम कर्म में लग सकता है। वह यथासंभव धन प्राप्त करके उसे उत्तम कार्य में व्यय करता है। कभी-कभी वह अस्पताल खोलता है और धर्मार्थ संस्थाओं को दान देता है। लेकिन तमोगुणी तो अपने ज्ञान को ढक लेता है। तमोगुण में रहकर मनुष्य जो भी करता है, वह न तो उसके लिए, न किसी अन्य के लिए हितकर होता है। जब तमोगुण प्रधान होता है तो रजो तथा सतोगुण परास्त हो जाते हैं। यह प्रतियोगियता निरन्तर चलती रहती है। अतएव जो कृष्णभावनामृत में वास्तव में उन्नति करने का इच्छुक है, उसे इन तीनों गुणों को लांघना पड़ता है।

# विश्व नदी दिवसः भारतीय संस्कृति का धरोहर है नदियों का जल

संजय गोस्वामी

प्राचीन भारतीय संस्कृति में माना गया है कि ब्रह्मण्ड में जितने भी प्रकार का जल है उसका हमें सरंक्षण करना चाहिए। नदियों के जल को सर्वाधिक संरक्षणीय माना गया है क्योंकि वे कृषि क्षेत्र को सींचती है जिससे प्राणिमात्रा का जीवन चलता है।, वेदों में गंगा नदी और उसके जल का उल्लेख है, विशेष रूप से ऋग्वेद में नदियों के स्तुति सूक्त (नदीस्तुति) में इसका उल्लेख मिलता है। इसके अतिरिक्त, अन्य वेदों और धार्मिक ग्रंथों जैसे महाभारत और पुराणों में भी गंगा को एक पवित्र नदी और देवी के समान माना गया है, जिसके जल को अमृततुल्य, पवित्र और पापों का नाश करने वाला बताया गया है। वेदों में गंगा का उल्लेख ऋग्वेदः ऋग्वेद (10.75) में पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों के वर्णन में गंगा नदी का भी उल्लेख है। कुछ अन्य श्लोकों में भी इसका उल्लेख मिलता है, हालांकि यह विवादित है कि वह सीधे तौर पर नदी को संदर्भित करता है या नहीं। अन्य धार्मिक ग्रंथ और मान्यताओं में गंगा महाभारतः महाभारत के अनुसार, गंगाजल में हजारों चांद्रायण व्रत के समान पुण्यफल प्रदान करने की शक्ति है। पुराणः पुराणों में गंगा के प्रकट होने की कथा का वर्णन है, जिसमें राजा सगर के पुत्रों को मुक्ति दिलाने में गंगाजल की भूमिका बताई गई है। भगवद गीताः भगवद गीता में भी गंगा के गुणों का उल्लेख मिलता है और इसके जल में स्नान करने से शुद्ध होने पर जोर दिया गया है। हिंदू धर्म की मान्यताएंः गंगा नदी को सभी नदियों में श्रेष्ठ और तीर्थमयी माना जाता है। इसके दर्शन मात्र से ही पापों का क्षय होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगाजल सभी प्रकार की कामनाओं को पूरा करने वाला और औषधियों से युक्त माना जाता है। गंगाजल को अमृततुल्य माना जाता है और इसका उपयोग सभी धार्मिक अनुष्ठानों में पवित्रता के लिए किया जाता है।ऋग्वेद और अथर्ववेद में अनेक नदियों का उल्लेख है। दोनों में 'सप्त सिंधवः' अर्थात साथ नदियों का अनेक बार उल्लेख है। अथर्ववेद में तो कहा गया है कि सात नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और सिंधु में मिलती है। इन्हें सिंधु की पत्नी और सिंधु की रानी भी कहा गया है। इन सात नदियों में पाँच तो पंजाब की ही है- शुतुद्री, विपाशा, इरावती, चन्द्रभागा तथा बितस्ता, जिन्हें आज क्रमशः सतलज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम कहा जाता है। इनके अतिरिक्त दो और हैं- सिंधु और सरस्वती। ये सातों मिलकर 'सप्तसिंधु' कही जाती हैं। सरस्वतीऋग्वेद में कहा गया है कि यह नदी पर्वत से निकलती है और समुद्र में मिलती है। अथर्ववेद में उल्लेख है कि देवों ने सरस्वती नदी के किनारे जौ की खेती की। वहाँ की भूमि अत्यन्त उर्वर थी। ऋग्वेद में इसकी बड़ी महिमा गाई गयी है। इसे सर्वोपरि देवी और सर्वोत्तम माता के तुल्य पूज्य बताया गया है। ब्राह्मणग्रंथों के अनुसार सरस्वती 'प्लक्ष प्रास्त्रवणं' नामक स्थान से प्रस्त्रावित हुई और 'विनशन' नामक स्थान पर लुप्त हुईं हैं। विनशन वर्तमान में कुरुक्षेत्र का सिरसा नामक स्थान है। यह थानेस्वर के पश्चिम में बहने वाली और भटमेर में रेगिस्तान में विलीन हो जाने वाली 'सरसुति' नदी हो सकती हैं, जिसमें पटियाला के समीप घग्घर नदी आ मिलती है। वहाँ से सिन्धु तक एक सूखी नदी का मार्ग या घग्घर नदी का निशान अब भी विद्यमान है। कुछ विद्वानों का मत है कि घग्घर नदी ही सरस्वती नदी कही जाती थी सरस्वती सतलज जैसी विशाल नदी थी और वह समुद्र तक पहुँचती थी।1 'सरस्वती, जो बड़ी भारी नदी है, वोधन (केतु) के द्वारा हमें ज्ञान के प्रति जागृत करती है और हमारे सब विचारों में प्रकाशित होती है।' यदि हम यहाँ 'बड़ी भारी नदी' इस मुहावरे को भौतिक अर्थ में लें और इससे पंजाब की भौतिक नदी समझें, जैसा कि सायण समझता है तो यहाँ हमें विचार और शब्द प्रयोग की एक बड़ी असंगति दिखाई पड़ने लगेगी। वस्तुतः इसका अभिप्राय है- अंतःप्रेरणा का भारी प्रवाह या समुद्र। सरस्वती सत्य की वह अंतःशक्ति है, जिसे हम अंतःप्रेरणा कहते हैं। सत्य से आने वाली यह अंतःप्रेरणा हमें संपूर्ण मिथ्यात्व से छुड़ाकर पवित्र कर देती है। इस प्राकर श्री अरविंद उक्त मंत्र का आध्यात्मिक अभिप्राय लेते हैं। वे उक्त मंत्र का अर्थ करते हैं- 'सरस्वती अन्तः प्रेरणा, प्रकाशमय समृद्धताओं से भरपूर है (वाजेभिर्वा जिनीवती)'। वह यज्ञ को धारण करती है। देव के प्रति दी गई मर्त्य जीव की क्रियाओं की छवि को धारण करती है। एक तो इस प्रकार कि वह मनुष्य की चेतना को जागृत करती है, (चेतन्ती सुमतीनाम्) जिससे वह चेतना या भावना की समुचित अवस्थाओं को और विचार की समुचित गतियों को पा लेती है, जो अवस्थाएँ और गतियाँ उस सत्य के अनुरूप होती हैं। जहाँ से सरस्वती अपने प्रकाश को ऊँड़ेला करती हैं और दूसरे इस प्रकार कि वह मनुष्य की उस चेतना के अन्दर उन सत्यों के उदय होने को प्रेरित करती हैं। (चोदयित्री सूनतानाम्) जो सत्य की वैदिक ऋषियों के अनुसार जीवन और सत्ता को असत्य, निर्बलता और सीमा से छुड़ा देते हैं और उसके लिए परमसुखद द्वारों को खोल देते हैं। इस सतत जागरण और प्रेरणा (चेतना और चोदन) के द्वारा जो केतु (वोधन) इस एक शब्द में संगृहीत है जिस केतु की वस्तुओं के मिथ्या मर्त्य दर्शन से भेद करने के लिए 'दैव्यकेतु' (दिव्य वोधन) करके प्रायः कहा गया है- सरस्वती मनुष्य की क्रियाशील चेतना के अंदर बड़ी भारी बाढ़ को या महान् गति को स्वयं सत्य चेतना को ही ला देती है, और इससे वह हमारे सब विचारों को प्रकाशमान कर देती है। (तीसरा मंत्र)। यह स्मरणीय है कि यह सत्य चेतना, वैदिक ऋषियों की यह सत्य चेतना एक अतिमानस स्तर है (मन से परे मनसतीत)। जीवन की पहाड़ी की सतह पर है- अद्रेः सानु। जो हमारी सामान्य पहुँच से परे है और जिस पर हमें बड़ी कठिनता से चढ़कर पहुँचना होता है। यह हमारी जागृति सत्ता का भाग नहीं है। यह हमसे छिपा हुआ अतिचेतन की निद्रा में रहता है। अब यह स्पष्ट हो गया कि इस ऋचा का क्या आशय है। यहाँ स्पष्ट कहा गया है कि सरस्वती अन्तःप्रेरणा की सतत क्रिया के द्वारा सत्य को हमारे विचारों में चेतना के प्रति जाग्रत कर देती है। इस प्रकार चाहे हम यह समझें कि यह बड़ा भारी प्रवाह 'महो अर्णः' स्वयं सरस्वती ही हैं और चाहे हम इसे सत्य का समुद्र समझें- यह एक निश्चयात्मक तथ्य है जो इस संदर्भ के द्वारा असंदिग्ध रूप से स्थापित हो जाता है कि वैदिक ऋषि जल के, नदी के या समुद्र के रूपक को आलंकारिक अर्थ में और एक आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में प्रयुक्त करते थे। सारी ब्राह्मण परम्परा में सत्ता को स्वयंम् एक समुद्र के रूप में वर्णित किया गया है। वेद दो समुद्रों का वर्णन करता है- उपरले जल और निचले जल, ये समुद्र हैं- एक तो अवचेतन का जो अंधकार मय और अभिव्यक्ति रहित है और दूसरा अतिचेतन का, जो प्रकाशमय है और नित्य अभिव्यक्त है- पर मानव मन से परे। अतिचेतन और अवचेतन का समुद्र तथा इन दोनों के मध्य में प्राणी का जीवन -ये तीनों मिलकर सत्ता का रूप निरूपित करते हैं। सत्ता का यही है- वैदिक विचार। सरस्वती, जो सात नदियों में से एक है- अन्तःप्रेरणा की नदी है, जो सत्य चेतना से निकलकर बहती है। फिर यह भी स्पष्ट है कि शेष छह नदियाँ भी आध्यात्मिक प्रतीक हैं। इन नदियों के जो विशेषण हैं- वे भौतिक नदी में घटित नहीं होते। 'शवपवित्राः'- इस विशेषण के द्वारा और स्पष्ट हो जाता है। वामदेव द्वारा प्रयुक्त 'मधुमान ऊर्मि'- मधुमय लहर इन्द्र द्वारा उन नदियों में से बहाकर लाई गई है जबकि इसका मार्ग पर्वतों पर वज्र द्वारा वृत्र का वध करके काटकर निकाला गया है। फिर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि जल सात नदियाँ हैं जो इन्द्र द्वारा वृत्र के अवरोधक के आच्छादक के पंजे से छुड़ाकर लाई गई हैं और नीचे को बहाकर पृथ्वी की ओर भेजी गई हैं। क्या ये पंजाब की नदियाँ हैं स्पष्ट ही ये सत्य और सुख के जल हैं जो उच्च परम समुद्र से प्रवाहित हैं। ये जल सत्य के सप्तविध जल हैं, दिव्यजल हैं जो हमारी सत्ता के उच्चतम शिखरों से इन्द्र द्वारा नीचे लाए गये हैं। ये सप्तविध जल ऊपर उठकर विशुद्ध मानसिक क्रियाएँ, द्युलोक की शक्तिशाली नदियाँ (दिवः यह्वीः) बन जाते हैं, औ? दिव्य मन की सात वाणियों के रूप में अपने को प्रकट करती हैं (सप्त वाणीः) यद्यपि ये भिन्न धाराएँ हैं- पर निकली एक ही उद्गम से हैं। वेद की सात नदियों को, जलों को, आपः को वेद की अलंकारिक भाषा में अधिकतर सात माताएँ या सात पोसक गौएँ 'सप्तधेनवः' कहकर भी प्रकट किया गया है। स्वयम् 'आपः' शब्द में ही दो अर्थ गूढ़ रूप से पड़े हुए हैं। अप धातु के मूल में केवल बहना अर्थ ही नहीं है जिससे बहुत सम्भवतः जलों का भाव लिया गया है किन्तु इसका एक और अर्थ 'जन्म होना' 'जन्म देना' भी है। सन्तान वाचक अपत्य शब्द में और दक्षिण भारत पिता अर्थ में प्रयुक्त 'अप्वा' शब्द में हम यही भाव देखते हैं। सात जल सत्ता के जल हैं। ये वे माताएँ हैं जिनसे सत्ता के सब रूप पैदा होते हैं। 'सप्त गावः' 'सप्तगुः' सात गौएँ या सात ज्योतियाँ का अर्थ देती हुई उक्त तथ्य का पोषण करतीं हैं। वेद में जिन नदियों का उल्लेख है, वे हैं- गंगा, यमुना, सरस्वती, शतुद्रि, परुष्णी, असिक्नी, मरुद्वृषा (चेनाव की एक सहायक नदी), वितस्ता, आर्जिकीया, सुषोमा। नदी सूक्त के ही अगले मंत्र में (10।75।6) सिन्धु की पश्चिमी सहायक नदियों का उल्लेख है- अथर्ववेद और ऋग्वेद में 90 और 99 नदियों का उल्लेख है। ऋग्वेद से ज्ञात होता है कि सप्त सिंधुओं में मिलने वाली छोटी पहाड़ी नदियाँ भी हैं। अथर्ववेद और ऋग्वेद में इनको 'नाव्याः' अर्थात् नौका से तरण योग्य बताया है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में कहीं दो, कहीं तीन और कहीं चार समुद्रों का उल्लेख मिलती है।

# निवेश का आकर्षण- व्यापार में सुगमता जरूरी

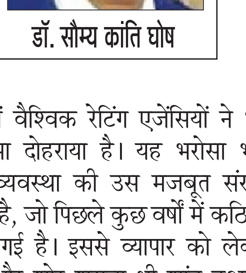

डॉ. सौम्य कांति घोष

हाल में वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत पर भरोसा दोहराया है। यह भरोसा भारत की अर्थव्यवस्था की उस मजबूत संरचना को साबित करता है, जो पिछले कुछ वर्षों में कठिन मेहनत से तैयार की गई है। इससे व्यापार को लेकर उठने वाला संदेह और शोर-शराबा भी शांत हुआ है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि संपत्ति का बराबर बंटवारा हो और सभी को समान अवसर मिलें, सरकार ने 'बारबेल रणनीति' अपनाई है। इसके तहत नीतियों और नियमों में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं ताकि ईज ऑफ बिजनेस के अलग-अलग स्तंभ मजबूत हों। साथ ही, बड़े पैमाने पर औपचारिकीकरण, वित्तीयकरण और तकनीकी एकीकरण को जरूरी बनाया गया है।

यह निवेश आकर्षित करने और अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए अनिवार्य है। महामारी के बाद भू-राजनीतिक हालात ने मैन्युफैक्चरिंग के तरीके बदलने की जरूरत पैदा कर दी। इसी के चलते भारत ने एक नई राह पकड़ी है, जहां 'ईज ऑफ एग्जिट' यानी व्यापार से बाहर निकलने की आसानी पर जोर दिया जा रहा है। यह निवेशकों के लिए अहम है क्योंकि वे पूंजी लगाते समय इस सुविधा को देखते हैं। साल 2000 से अब तक भारत में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का एफडीआई आया है, जिसमें सेवाएं, तकनीक और टेलीकॉम जैसे क्षेत्र सबसे ज्यादा लाभान्वित हुए हैं (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही तक ही लगभग 25 अरब डॉलर निवेश आया है)। जब सेबी विश्वसनीय विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की स्वचालित एवं सामान्यीकृत पहुंच (स्वागत-एफआई) लागू करता है, कम जोखिम वाले माने जाने वाले प्रमुख विदेशी निवेशकों के लिए पहुंच को सरल बनाता है, या आरबीआई फेमा दिशा-निर्देशों में बहुप्रतीक्षित बदलाव लाता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में रुपये का उपयोग बढ़ता है, तो अटलांटिक पार से आने वाली हलचलें अविस्मरणीय होती हैं। संस्थागत सुधारों की सफलता आईबीसी, संपत्ति पुनर्निर्माण, इंख फाइनेंसिंग और बैंकिंग, बीमा व वित्तीय सेवाओं में 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल के रूप में दिखती है। इन क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल इसे और मजबूत बना रहा है। जनसंख्या के पैमाने पर कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं, जैसे पीएमएवाई (3.2 करोड़ घरों को मंजूरी), मुद्रा (कुल 52 करोड़ से अधिक खातों में 33.65 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए जिसमें 68प्र. महिला उद्यमी हैं), पीएम-स्वनिधि (96 लाख से अधिक ऋण खातों के माध्यम से 68 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को कवर किया गया), उद्यम (उद्यम सहायता पोर्टल की गणना करते हुए 6.86 करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकरण), श्रम सुविधा (2018 से 6.63 लाख ईएसआईसी पंजीकरण, 6.49 लाख ईपीएफओ पंजीकरण और फर्मों द्वारा 1.29 लाख अनुबंध श्रमिक पंजीकरण के साथ श्रम और रोजगार पोर्टल का अनुपालन), स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एकीकृत आवासीय संपत्ति स्वामित्व समाधान जिसमें 93.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है), नक्शा (प्रारंभ में 150 शहरों में पायलट कार्यक्रम के साथ शहरी भूमि पार्सल का व्यापक, जीआईएस-एकीकृत डेटाबेस, जिसे पूरे भारत में 4,912 शहरी स्थानीय निकायों तक विस्तारित किया जाएगा), एसएएससीआई (केंद्र से राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण) और औपचारिकीकरण भी लगातार बढ़ रहा है।

इन सारी योजनाओं ने मिल कर भारत की मेहनत और लचीलापन, दोनों को नई ताकत दी है। इससे पहले शुरू की गई कई योजनाओं को मजबूती मिली है, स्मार्ट सिटी मिशन से लेकर हर घर जल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई), पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर आयुष्मान भारत योजना तक। इन योजनाओं का असर सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि नये निवेश को आगे बढ़ाने और सहारा देने में भी दिख रहा है। 2014-15 से अब तक मुख्य बोर्ड पर 764 सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ, एफपीओ, ओएफएस आदि) और एसएमई प्लेटफॉर्म

पर 1200 से ज्यादा निर्गम (इस साल तक) हुए हैं। इसने साबित किया है कि पूंजी बाजार निवेशकों को आसानी से 'एग्जिट' का रास्ता देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पूंजी के इस चक्रीय प्रवाह और उसके गुणक प्रभाव से सुनिश्चित होता है कि नई और छोटी कंपनियां भी फंडिंग तक पहुंच बना सकें। भारत को वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों (उभरते बाजारों के सूचकांकों से मह‘वपूर्ण क्षण) में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, जिसके लिए हमारे ऋण बाजार को नये सिरे से संतुलित करना जरूरी होगा होगा। बहुआयामी ढांचे (एनआईपी, एनएमपी, पीएम गति शक्ति) के लिए बड़े स्तर पर फंडिंग की आवश्यकता होगी। इसलिए भारतीय कंपनियों को वैश्विक सोच अपनानी होगी। भारतीय प्रवासी समुदाय को साथ जोड़कर साझी प्रगति की दिशा में बढ़ना होगा।

(लेखक भारतीय स्टेट बैंक के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर हैं। लेख में विचार निजी हैं)

## संक्षिप्त समाचार

### स्लोवेनिया ने इस्राइली पीएम के प्रवेश पर लगाई रोक

**लुब्लियाना , एजेंसी।** स्लोवेनिया ने इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के देश में प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसके लिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के उनके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया गया है। विदेश मंत्रालय की अधिकारी नेवा ग्रासिक ने कहा कि यह फैसला इस बात को दर्शाने के लिए लिया गया है कि स्लोवेनिया अंतरराष्ट्रीय कानून का समर्थन करता है। स्लोवेनिया, जो लगभग दो मिलियन की आबादी वाला देश है और जिसने पिछले साल फलस्तीनी राज्य को मान्यता दी थी, इस्राइल की गाजा में की गई कार्रवाईयों का मुखर आलोचक रहा है। इसके पहले भी स्लोवेनिया ने इस्राइली रक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेजल स्मोटरिच के देश में प्रवेश से रोक लगा दी थी। स्लोवेनिया सरकार ने कहा कि उन सभी देशों को इस्राइल की फलस्तीनी इलाके में अवैध मौजूदगी को मान्यता नहीं देनी चाहिए जो आईसीसी से बंधे हैं।

### यूरोप में गर्मी का कहर 2024 में 62 हजार से ज्यादा लोगों की गई जान

**पेरिस, एजेंसी।** यूरोप में गर्मी का पारा वैश्विक औसत से दोगुना तेजी से बढ़ रहा है। गर्मी के लिहाज यूरोप के लिए 2024 जानलेवा साबित हुआ है। नेचर मेडिसिन की इस सप्ताह जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने 62 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली। गर्मी मृतकों में महिलाओं और बुजुर्गों की संख्या सबसे अधिक रही। रिपोर्ट के मुताबिक, आगामी समय और भी खतरनाक साबित होगा। यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा के अनुसार, साल 2024 में यूरोप को अपने इतिहास की सबसे भीषण का सामना करना पड़ा है। बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के शोधकर्ताओं ने 32 यूरोपीय देशों से मृत्यु दर के आंकड़े जुटाए हैं। इससे पता चलता है कि 2022 से 2024 की गर्मियों में बढ़ते तापमान के चलते 1.81 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

### केबल रेल पलटी, भारतीय समेत सात बौद्ध भिक्षु मरे

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंकाई जंगल के एक मठ में केबल से संचालित रेलगाड़ी पलटने से एक भारतीय समेत 7 बौद्ध भिक्षु मारे गए व 6 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा, घटना ना उयाना आरण्य सेनासनाया में हुई, जहां निकावेरेटिया में स्थित एक प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। यह मठ अपने ध्यान शिविरों के लिए प्रसिद्ध है और दुनिया भर से साधकों को आकर्षित करता है। पुलिस ने बताया कि सात मृतक बौद्ध भिक्षुओं में से एक भारतीय, एक रूसी और एक रोमानिया का नागरिक था।

### ट्रंप के टैरिफ के बाद पीएम मोदी ने पुतिन से पूछा यूक्रेन पर प्लान, नाटो चीफ का दावा

**मास्को, एजेंसी।** नाटो महासचिव मार्क रुटे ने सनसनीखेज दावा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए लगाए गए टैरिफ का मॉस्को पर बड़ा असर पड़ रहा है। रुटे का कहना है कि इन टैरिफ्स के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर उनकी यूक्रेन रणनीति को समझाने की मांग कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में यूएनजीए सत्र के दौरान सीएनएन से बातचीत में रुटे ने कहा कि भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ का दबाव रूस को सीधे प्रभावित कर रहा है। रुटे के मुताबिक, टैरिफ के बाद दिल्ली अब मॉस्को से जवाब मांग रही है। रुटे ने कहा, ये टैरिफ रूस को तुरंत प्रभावित करते हैं, क्योंकि अब दिल्ली पुतिन से फोन पर पूछ रही है, मैं आपका समर्थन करता हूं, लेकिन आप अपनी रणनीति समझाएं, क्योंकि मुझे अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। पिछले महीने ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ और रूसी तेल खरीदने की सजा के रूप में अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। जनवरी में सत्ता में वापसी के बाद से ट्रंप कई देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगा चुके हैं। उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि रूसी तेल खरीदकर नई दिल्ली मॉस्को के यूक्रेन पर हमलों को बढ़ावा दे रही है।

# ब्रेस्ट सर्जरी ने ली 14 साल की लड़की की जान

## घरवालों को बाद में पता चली ये बात; अब हो रही जांच की मांग

**मेक्सिको, एजेंसी।**
मेक्सिको से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक 14 साल की बच्ची बच्ची की कथित तौर पर ब्रेस्ट सर्जरी के बाद मौत हो गई। उसके पिता ने दावा किया है कि इस सर्जरी के बारे में उन्हें जानकारी नहीं दी गई।

दरअसल, द सन की एक रिपोर्ट में बताया गया कि किशोरी की पहचान पालोमा निकोल अरेलानो एस्कोबेडो के तौर पर हुई है। पिता के दावों के बाद मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, इस सर्जरी के करीब एक हफ्ते के बाद 20 सितंबर को किशोरी की मौत हो गई। हालांकि, उनके मृत्यु प्रमाणपत्र में मौत की वजह सांस से जुड़ी समस्या को बताया गया है। हालांकि, मृतक किशोरी के पिता का दावा है कि उनकी बेटी की मौत की जिम्मेदार कॉस्मेटिक सर्जरी ही है।

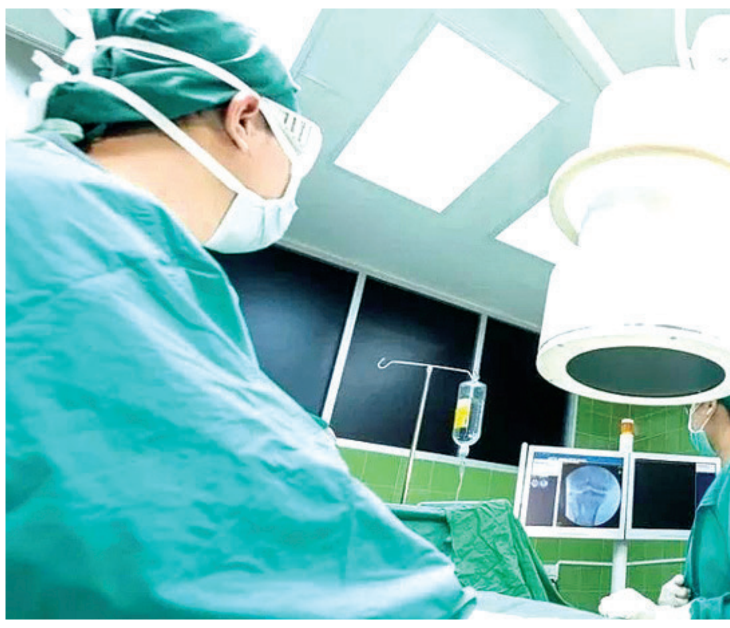

मृतका के पिता कार्लोस का कहना है कि सच्चाई को छिपाने के प्रयास में उसके मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह बीमारी को बताया गया है। पिता ने यहां तक दावा कर दिया कि उन्हें अपनी बेटी की सर्जरी के बार में अंतिम संस्कार के समय तक नहीं पता था। जब उन्होंने उसके शरीर पर घाव के निशान को देखा और स्तन प्रत्यारोपण देखा, फिर उनका शक गहराया।

**अधिकारियों पर पिता ने जताया शक:** मृतका के पिता ने अधिकारियों पर भी गहरा शक जताया है। उन्होंने कहा अधिकारियों मृत्यु प्रमाण पत्र तुरंत मुझे दे दिया। मुझे यह नहीं समझ आया कि उन्होंने इतनी जल्दी इसको कैसे बना लिया। इसके बाद किशोरी के पिता ने एक शिकायत भी दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने जवाबदेही की मांग की है। उनका कहना है कि मैं मांग करता हूँ कि सभी ज़िम्मेदार लोगों की जाँच की जाए।

**जांच में जुटे अधिकारी:** मेक्सिको के अधिकारियों ने इस मामले को लेकर पुष्टि करते हुए बताया कि वे पालोमा की मौत और कथित ऑपरेशन से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि यह प्रक्रिया कहां और किन परिस्थितियों में की गई।

# डोनाल्ड ट्रंप ने खरीदी टिक टाक कंपनी

**वाशिंगटन, एजेंसी।**
अमेरिका और चीन के बीच चल रहा टिक टाक विवाद अब खत्म हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को इस सौदे के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है। इसके साथ ही टिक टाक का परिचालन अब पूरी तरह से अमेरिकी निवेशकों के हाथों में आ गया है। ट्रंप ने इस डील को हमारे युवाओं के लिए गिफ्ट बताया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में टिक टाक की .14 मिलियन की डील से जुड़े कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि इस सौदे को लेकर उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी बात हुई थी और उन्होंने इस ऐप को अमेरिका को सौंपने पर हरी झंडी दिखाई थी। ट्रंप ने शी जिनपिंग के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया।

डील के बाद टिक टाक ऐप के 80 प्रतिशत शेयर अमेरिकी निवेशकों के हो गए हैं। इस समूह में प्रमुख निवेशक ओरेकल और सिल्वर लेक जैसी कंपनियां शामिल हैं जो अब ऐप के अमेरिकी वर्जन का परिचालन संभालेंगी।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के युवा इस डील को चाहते थे इसीलिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि यह सौदा स्वीकार करके हमने युवाओं को तोहफा दिया है। नए अमेरिकन वर्जन के परिचालन के लिए जो टीम बनी है उसमें चीनी कंपनी बाइट डांस का केवल एक सदस्य ही शामिल होगा जिससे ऐप पर अमेरिकी नियंत्रण मजबूत होगा।

टिक टाक पर लगातार डेटा चोरी करने और अमेरिकी युवाओं को गलत तरीके से प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। भारत में भी इन चिंताओं के कारण ही टिक टाक को बैन किया गया था। अमेरिका भी सुरक्षा कारणों से इस ऐप पर कार्रवाई करने की तैयारी में था लेकिन अब इस नई डील के बाद ऐप के अमेरिकी वर्जन का नियंत्रण और उसके नियम अमेरिका खुद तय करेगा।

# अमेरिका ने 30 साल बाद 73 वर्षीय महिला हरजीत कौर को बेड़ियों में बांधकर बिना कोई वार्निंग दिए भारत किया डिपोर्ट

**वाशिंगटन, एजेंसी।**
डोनाल्ड ट्रंप के कड़े इमिग्रेशन रुख के बीच एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें अमेरिका में 30 साल से अपने परिवार के साथ रह रहीं 73 वर्षीय हरजीत कौर को बिना कोई वार्निंग दिए भारत वापस भेज दिया गया। पंजाब के मोहाली की रहने वाली हरजीत कौर ने लगभग 30 साल तक अमेरिका में अपने बच्चों और परिवार के साथ जीवन बिताया, लेकिन वैध दस्तावेजों के अभाव में अमेरिकी प्रशासन ने उन्हें भारत भेज दिया।

हरजीत कौर की गिरफ्तारी एक रूटीन इमिग्रेशन जांच के दौरान हुई, जिसके बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा में लॉस एंजेलिस से जॉर्जिया तक ले जाया गया और फिर चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए दिल्ली भेजा गया। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें हथकड़ी और बेड़ियों में बांधकर रखा गया, जो उनके परिवार और समुदाय के लिए बड़े आघात की बात बनी। उनका वकील दीपक आहलुवालिया ने बताया कि उनके घुटनों की हाल ही में सर्जरी हुई थी और लंबे समय तक कंबल पर फर्श पर सोने की वजह से उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ा। हरजीत कौर ने 1992 में अपने दो बेटों के साथ अमेरिका की राह पकड़ी थी, और 2012 में उनका असाइलम केस खारिज हो गया था। इसके बावजूद वे नियमित रूप से हर छह महीने में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट के सामने रिपोर्ट करती रहीं। उनके परिवार ने अधिकारियों से भरोसा भी लिया था कि दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी होने तक वे अमेरिका में रह सकती हैं, लेकिन हालिया कार्रवाई ने सबको हैरान कर दिया। इस घटना के बाद, हरजीत के परिवार और समुदाय ने अमेरिकी प्रशासन के इस फैसले का विरोध करते हुए उनकी रिहाई की मांग की थी, लेकिन इसके बावजूद हरजीत को हिरासत में लेकर भारत भेजा गया।

## सिर्फ 50 में हो गया इलाज! यूएस में लगते 1.7 लाख रुपए

# भारत के हेल्थ सिस्टम से खुश हुई अमेरिकी महिला

**वाशिंगटन, एजेंसी।**
अमेरिका की रहने वाली क्रिस्टन फिशर ने हाल ही में एक वायरल वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने भारत में स्वास्थ्य देखभाल की सस्ती और सुलभ प्रणाली पर अपनी हैरानी जताई। क्रिस्टन ने बताया कि उनके अंगूठे में चोट लगने के कारण उन्होंने दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल का दौरा किया, और इलाज का खर्च सिर्फ 50 (लगभग 60 सेंट) आया। उन्होंने वीडियो में कहा कि यह उनके लिए पूरी तरह चौंकाने वाला अनुभव था।

**अमेरिका के मुकाबले भारी अंतर:** क्रिस्टन ने बताया कि अगर वही इलाज अमेरिका में किया जाता, तो इसका खर्च लगभग 2,000 (लगभग 1.7 लाख) होता। उन्होंने कहा, यह अनुभव मेरे लिए दो कारणों से चौंकाने वाला था- पहला, अस्पताल मेरे घर से केवल 5 मिनट की दूरी पर था, और दूसरा, इलाज का खर्च मात्र 50 था।वे आगे कहती हैं कि भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली सुलभ, किफायती और प्रभावी है, जबकि अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च बहुत अधिक है।

**इलाज का अनुभव:** क्रिस्टन ने अपने वीडियो में अस्पताल के अनुभव का भी विवरण दिया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और नर्सें बहुत

मददगार थीं, और इलाज बेहद तीव्र और सुरक्षित था। उन्हें तुरंत बैंडेजिंग और आवश्यक दवाइयाँ मिल गईं, और कोई जटिल प्रक्रिया या लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा।उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल की साफ-सफाई और प्रबंधन प्रणाली ने उन्हें आश्वस्त किया कि भारत में सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ उच्च गुणवत्ता वाली हैं।

**सोशल मीडिया पर वायरल:** क्रिस्टन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। ट्विटर, पर लोग उनके अनुभव को साझा कर रहे हैं और भारत की स्वास्थ्य सेवाओं की तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का स्वास्थ्य मॉडल सस्ती, तेज और भरोसेमंद है, जो विकसित देशों के मॉडल से कई मामलों में बेहतर है।विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में सरकारी अस्पतालों की सस्ती चिकित्सा सेवाएँ विशेष रूप से ग्रामीण और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए वरदान साबित होती हैं।

# लंबी खूबसूरत महिलाओं का दीवाना ! लाश से बनाता शारीरिक संबंध, फिर खा जाता कच्चा

**टोक्यो, एजेंसी।**
दुनिया में खूबसूरती के कद्रदान बहुत हैं लेकिन क्या होगा अगर कोई अपनी इस चाहत में हदें पार कर दे? जापान का सगावा ऐसा ही एक व्यक्ति था जिसकी आशिकी इतनी गहरी थी कि वह लंबी और खूबसूरत लड़कियों को खाने तक का शौक रखता था। फिर उन्हें मारकर उनकी लाशों के साथ संबंध बनाता और कच्चा खा जाता।

सगावा जो कोबे जापान का निवासी था 1981 में पेरिस में पढ़ रहा था। वहीं उसने रेनी हार्टवेल्ट नामक 25 वर्षीय लंबी और बेहद सुंदर महिला को देखा और उसकी खूबसूरती पर फिदा हो गया। दोनों पेरिस में एक ही समय पढ़े-लिखे थे लेकिन सगावा की चाहत

इतनी बीमार थी कि वह रेनी को हासिल करने के लिए कोई भी कदम उठाने को तैयार था।

11 जून 1981 को सगावा ने रेनी को डिनर के लिए अपने घर बुलाया। डिनर के दौरान उसने अचानक रेनी को पीछे से गोली मार दी। इसके बाद उसने रेनी की लाश के साथ दुष्कर्म किया। उसकी यह लालसा यहीं तक सीमित नहीं रही। सगावा ने रेनी के शरीर के कई हिस्सों को काटकर दो दिनों तक खाया और कई हिस्सों को फ्रिज में रखा। सगावा शरीर के बाकी हिस्सों को फेंकने जा रहा था कि टपकते खून को देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पूछताछ में उसने साफ कहा कि उसने रेनी को खाने के लिए मार डाला। हालांकि फ्रांस की अदालत ने उसे सनकी और मानसिक रूप से अस्थिर करार दिया और उसके खिलाफ सभी गंभीर आरोप हटा दिए। सगावा केवल दो साल जेल में रहा फिर कुछ समय मानसिक अस्पताल में गुजारा। बाद में वह जापान लौट गया जहां कानून के कारण उसे पकड़ना संभव नहीं था।

# भारतीय मूल के डॉक्टर डॉ आनंद को हुई 14 साल की जेल

**अमेरिका, एजेंसी।**
अमेरिका में भारतीय मूल के 48 वर्षीय डॉक्टर नील के. आनंद को स्वास्थ्य बीमा धोखाधड़ी के मामले में 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई है।

पेनसिल्वेनिया के इस डॉक्टर ने मरीजों को अनावश्यक दवाओं के बैग्स थमाकर बीमा कंपनियों से 2.4 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) से अधिक ऐंठ लिए।

अदालत ने उन्हें 2 मिलियन डॉलर से अधिक की क्षतिपूर्ति और इतनी ही रकम जब्त करने का भी आदेश दिया। आरोप है कि आनंद ने न केवल मरीजों को गैर-जरूरी दवाएं दीं, बल्कि बिना लाइसेंस वाले इंटर्न्स से नियंत्रित दवाओं के लिए प्री-साइन किए गए प्रिस्क्रिप्शन भी लिखवाए।

आनंद ने जांच से बचने के लिए धोखाधड़ी से कमाई गई 1.2 मिलियन डॉलर की राशि को एक रिश्तेदार के खाते में ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने दावा किया कि वह 9/11 हमलों के पीड़ितों का इलाज कर चुके हैं और अमेरिकी नौसेना में चिकित्सक के रूप में सेवा दे चुके हैं, लेकिन जज ने उनकी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी हरकतें लालच और अवैध मुनाफे से प्रेरित थीं। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, आनंद ने मेडिकेयर, यूएस ऑफिस ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट (ह्वक्क), इंडिपेंडेंस ब्लू क्रॉस और एंथम जैसी बीमा योजनाओं में झूठे और धोखाधड़ी वाले दावे जमा किए।

# बांग्लादेश में महालया से अब तक 3 मंडपों में मूर्तियां खंडित

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के अंतरिम पीएम डॉ. मुहम्मद यूनुस ने इस साल दुर्गा पूजा से पहले कई इलाकों का दौरा कर हिंदू समुदाय को सुरक्षा का भरोसा दिलाया था। उन्होंने कहा था कि त्योहार शांतिपूर्वक और सम्मान के साथ संपन्न होगा। लेकिन महालया (21 सितंबर) से ठीक पहले शुरू हुई प्रतिमा तोड़फोड़ ने भरोसे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब तक जमालपुर, झेनौदह और सतखीरा जिलों में 3 प्रतिमाओं पर हमला हुआ है। यूनुस के गृह मंत्री जहांगीर आलम चौधरी ने हाल की मूर्ति तोड़फोड़ को अलग-थलग घटनाएं करार दिया और मामले को गंभीर न मानने का संदेश देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्वक होगी, लेकिन किसी भी उकसावे या गलत जानकारी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उनके इस बयान को हिंदू समुदाय ने धमकी की तरह लिया, क्योंकि घटना की निंदा करने और दोषियों को पकड़ने के बजाय सरकार ने चेतावनी उन्हीं को दी, जो अपनी सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उधर, सनातनी जागरणी जोत का दावा है कि देशभर में इस बार 700 से अधिक मंडप जोखिम में हैं। संगठन ने सेना की तैनाती की मांग की है। सतखीरा जिले को सबसे संवेदनशील बताया है, जहां 55 मंडप चिन्हित हैं। हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के महासचिव मनीन्द्र कुमार नाथ ने कहा, पूजा रुकेगी नहीं।

# 30 मिनट इंतजार कराया, फोटो तक जारी नहीं हुई

**ओवल, एजेंसी।**
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को वाइट हाउस स्थित ओवल ऑफिस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात की। भारत के साथ ट्रेड वार्ता के बीच यह मुलाकात कई मायनों में अहम है। ट्रंप ने मुलाकात से पहले शहबाज शरीफ को महान नेता जरूर बताया, लेकिन मुलाकात के लिए उन्हें काफी इंतजार कराया। इतना ही नहीं, अभी तक अमेरिकी सरकार के द्वारा कोई आधिकारिक तस्वीर या वीडियो तक जारी नहीं किया गया है।

आपको बता दें कि आमतौर पर वाइट हाउस विदेशी नेताओं के साथ राष्ट्रपति की मुलाकात को मीडिया के लिए सार्वजनिक करता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। बैठक की जानकारी केवल पाकिस्तान के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा की गई।

पाकिस्तानी के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, बैठक लगभग आधे घंटे देर से शुरू हुई क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप उस दौरान कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर कर रहे थे। बैठक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे। पाक पीएमओ ने दावा किया कि बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई। वहीं, वाइट हाउस प्रेस पूल की कुछ तस्वीरों में मुनीर और शरीफ को वाइट हाउस परिसर में इंतजार करते देखा गया। इससे पहले दिन में राष्ट्रपति ट्रंप ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोग़ान से भी मुलाकात की थी, जिसकी लाइव कवरेज और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हुई थी।

यह मुलाकात 2019 के बाद पहली बार हुई है जब पाकिस्तान के किसी प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति से औपचारिक द्विपक्षीय बातचीत की है। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। शहबाज शरीफ इस समय अमेरिका में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में शामिल होने पहुंचे हैं। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान का नाम लिए बिना आतंकवाद पर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, विकास के लिए सबसे बड़ा खतरा आतंकवाद है। दुनिया को आतंकवाद के प्रति न तो सहिष्णुता दिखानी चाहिए और न ही उसे स्थान देना चाहिए। जो भी देश आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाता है।

# वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्चे

इस मौसम में वायरल संक्रमण की आशंका काफी बढ़ जाती है। प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण खासकर बच्चे इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं, लेकिन आप अपने बच्चे को इन संक्रमणों की चपेट में आने से वक्त रहते बचा सकते हैं। वायरल संक्रमणों में भी रोटावायरस और एंटरिक वायरल (आंत संबंधी संक्रमण) जैसी बीमारियां बड़ों की तुलना में बच्चों के लिए अधिक गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

बाल अवस्था के ज्यादातर वायरल संक्रमण ज्यादा गंभीर नहीं होते। इनमें सर्दी लगना, नाक बहना, आंखों से पानी निकलना, गले में खराश होना, बुखार होना, त्वचा पर चकत्ते पड़ना और उल्टी व दस्त जैसी विभिन्न बीमारियां शामिल हैं। व्यापक पैमाने पर चलाए गए टीकाकरण के चलते खसरा जैसे गंभीर खतरे पैदा करने वाली कुछ संक्रामक बीमारियां अब कम ही देखने को मिलती हैं।

## ...तो बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं

यदि आपके बच्चे में बीमारी के लक्षण एक सप्ताह से ज्यादा दिखाई दें, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यह शरीर की तरफ से स्पष्ट तौर पर वायरल संक्रमण के खिलाफ एक कॉल हो सकती है, जो न्यूमोनिया आदि जैसी गंभीर बीमारी में बदल सकती है। ऐसे समय में बच्चे का रक्त परीक्षण कराकर मलेरिया, डेंगू, टाइफॉइड, चिकनगुनिया, अर्बोवायरस आदि बीमारियों समेत संपूर्ण ब्लड काउंट अवश्य जांच लेना चाहिए। मौसम में बदलाव या भारी बारिश होने के दौरान अभिभावक अमूमन अपने बच्चों की अतिरिक्त देखभाल करते ही हैं, लेकिन यह जानना बेहद अहम है कि बच्चों को अन्य मौसम में भी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है।

## बच्चों को सुरक्षित रखने के उपाय

**रूमाल की जगह टिश्यू पेपर रखें :** अभिभावक आमतौर पर अपने बच्चों की बहती नाक और मुंह बार-बार पोंछने के लिए सूती रूमाल अपने साथ रखते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे बच्चे बार-बार संक्रमण के संपर्क में आते हैं। कपड़े के रूमाल की तुलना में भीगे मेडिकेटिड स्किनकेयर वाइप और टिश्यू पेपर त्वचा के लिए ज्यादा कोमल साबित होते हैं और इनकी सबसे अच्छी बात ये है कि इन्हें उपयोग करने के बाद आसानी से फेंका जा सकता है। अभिभावकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हाथों में चिपक जाने वाले हानिकारक विषाणुओं से बचाव के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी व साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इतना ही नहीं बच्चों को पड़ोस या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह हाथ धोने और नाखूनों की सफाई करते हुए उचित स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है।

## सफाई का ध्यान रखें

मच्छर, मक्खी, खटमल आदि हानिकारक कीटाणुओं एवं विषाणुओं के सबसे सक्रिय वाहक होते हैं। बच्चे इनका सबसे आसान निशाना होते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए अपने आसपास पानी जमा नहीं होने दें। सुबह और शाम के समय बच्चों को घर से बाहर कम ही निकलने दें। अपने आस-पड़ोस में कूड़ा-कबाड़, बेकार कंटेनर और डिब्बे आदि जमा नहीं होने दें, क्योंकि इनमें ही मच्छरों का प्रजनन होता है।

## समय पर टीकाकरण

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बावजूद माता-पिता इस पहलू की अनदेखी करते हैं। बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर ही अभिभावक उन्हें टीका लगवाने के लिए हॉस्पिटल ले जाते हैं।

डिफ्थीरिया, टेटनस, और हूपिंग कफ (काली खांसी), पोलियो (आईपीवी), रोटावायरस (आरवी), इन्फ्लुएंजा (फ्लू), खसरा, कंठमाला, रूबेला (एमएमआर) से बचाव के लिए बच्चे को शुरू से निर्धारित समय पर बीमारियों से संबंधित टीके अवश्य लगवाएं।

## प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करना

वायरल संक्रमणों से बचाव करने के लिए बच्चों के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। इसके लिए बच्चों को संतुलित खुराक के साथ पौष्टिक खाना दें। नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन होता है। ताजा फल और सब्जी हर उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक होते हैं। पानी, दूध और फलों के जूस के जरिए बच्चों के शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए हानिकारक सोडा, चिप्स, चॉकलेट और कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ कम-से-कम दें। उनके खान-पान में दलिया एवं अनाज को प्रमुखता से शामिल करें, क्योंकि इनसे उन्हें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं।

## माता-पिता भी रखें अपना ध्यान

माता-पिता को वायरस से बचाव के लिए अपना भी ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि माता या पिता में से किसी एक को भी संक्रमण होने पर बच्चों के इसकी चपेट में आने की आशंका काफी बढ़ जाती है।

## रेसिपी

### दूध की सेवइयां

**सामग्री**

- सेवई: ½ कप
- चीनी: ½ कप
- घी: 2 बड़े चम्मच
- काजू कतरे हुए: 8-10
- बादाम: 8-10
- इलायची: 4

**विधि**

सबसे पहले काजू और बादाम छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही चढ़ा लें। इसमें घी डालकर गर्म करें। घी गर्म होने पर इसमें सेवइयां डालकर उसे हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। फिर उसमें कटे हुए बादाम और काजू डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर थोड़ी देर और फ्राई करें। हल्के फ्राई होने पर सेवइयों को एक सूखी प्लेट में निकाल लें। अब सेवइयों को मीठा करने के लिए चाश्नी बना लें। इसके लिए एक गहरी तली वाला एक बर्तन लेकर उसमें पानी डाल दें। पानी के उबालने पर इसमें चीनी डालकर तब तक पानी को पकाएं। जब तक चीनी पानी में पूरी तरह से घुल नहीं जाती। जब चीनी पानी में घुल जाए तो इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर उसे ढक दें। सेवइयों को चाश्नी में 5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छे से 5 मिनट तक चलाते हुए मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके सेवइयों को प्लेट से ढक दें। थोड़ी देर बाद सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकालकर गरमा गरम सर्व करें।

### ओट्स की रोटी

**सामग्री**

- ओट्स : ½ कप
- प्याज : ¼ कप
- होलव्हीट आटा : 1 कप
- धनिया : 1/ कप
- तेल : 1 टेबलस्पून
- चिली पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

**विधि**

एक कटोरे में गेहूं का आटा लें। इसमें ओट्स, कटी हुई प्याज, धनिया, हरी मिर्च, नमक और तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी डालकर इसका मुलायम आटा अच्छी तरह से गूंथ लें। इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें और सामान्य रोटी की तरह बेल लें। गर्म तवे पर इसे दोनों तरफ से अच्छे से सेक लें। आप चाहें तो इस पर तेल लगाकर भी सेक सकती हैं। अच्छी तरह सिकी गरमागरम और कुरकुरी ओट्स रोटी लो फैट दही के साथ सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 2600

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 16\ | 23\ | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ |
| \17 | | | 11\ | ■ | 3\ | 10\ | ■ | 6\ | 16\ |
| \21 | | | | \4 | | | \8 | | |
| ■ | \7 | | | 7\6 | | | 24\11 | | |
| ■ | ■ | 6\4 | | | \14 | | | | ■ |
| ■ | 3\7 | | | | 4\8 | | | 30\ | 3\ |
| \5 | | | 24\3 | | | 15\19 | | | |
| \12 | | | | 10\10 | | | 16\7 | | |
| ■ | ■ | \8 | | | \24 | | | | ■ |
| ■ | ■ | \17 | | | ■ | \15 | | | ■ |

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 7\11 | 1 | 2 | 3 | 5 |
| | 1 | 1+2+3+4+5+6=21 | | | |
| | 2 | 1+2+3+4+5+7=22 | | | |
| | 4 | 3+5+6+7+8+9=38<br>4+5+6+7+8+9=39 | | | |

### काकुरो - 2599 का हल

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 8\ | 7\ | ■ | ■ | ■ | ■ | 24\ | 9\ | ■ |
| \11 | 7 | 4 | 29\ | ■ | ■ | 8\17 | 9 | 8 | ■ |
| \10 | 1 | 2 | 7 | ■ | 11\10 | 2 | 7 | 1 | ■ |
| ■ | \6 | 1 | 5 | 3\16 | 2 | 6 | 8 | ■ | ■ |
| ■ | ■ | 7\19 | 8 | 2 | 9 | ■ | 30\ | 3\ | ■ |
| ■ | 4\14 | 4 | 9 | 1 | ■ | 4\7 | 6 | 1 | ■ |
| \4 | 3 | 1 | 17\ | ■ | 17\14 | 3 | 9 | 2 | ■ |
| \11 | 1 | 2 | 8 | 7\11 | 2 | 1 | 8 | 7\ | 4\ |
| ■ | ■ | \23 | 9 | 6 | 8 | \15 | 7 | 5 | 3 |
| ■ | ■ | ■ | \8 | 1 | 7 | ■ | \3 | 2 | 1 |

## लॉफिंग जौन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया– 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा– तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले– छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला– भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 2600

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | ■ | 2 | | 3 | | 4 | ■ | 5 |
| | ■ | 6 | | ■ | | ■ | 7 | | |
| 8 | 9 | ■ | 10 | | | ■ | | ■ | |
| ■ | | ■ | | ■ | ■ | 11 | | 12 | ■ |
| 13 | ■ | 14 | | 15 | | ■ | ■ | 16 | |
| 17 | | | ■ | | ■ | 18 | ■ | | ■ |
| | ■ | ■ | 19 | | 20 | | 21 | ■ | 22 |
| ■ | 23 | | | ■ | | ■ | 24 | | |
| 25 | | ■ | ■ | ■ | | ■ | | ■ | |
| ■ | 26 | | | | ■ | 27 | | | |

**बायें से दायें:-**

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

**ऊपर से नीचे:-**

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली- 2599

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ई | मि | ल | न | की | बे | ला | ■ | शा |
| गा | ■ | ल | ■ | र्गि | ■ | ना | ■ | मि | ली |
| ज | मी | न | ■ | स | न | म | ■ | ■ | मा |
| ■ | ना | ■ | सु | ■ | गी | ■ | पिं | ज | र |
| ज | ■ | प | र | वा | न | ■ | ■ | ल्ला | ■ |
| ग | द | र | ■ | स्त | ■ | दो | ब | द | न |
| ल | ■ | ख | ■ | व | ध | ■ | ल | ■ | व |
| ■ | क | ■ | ना | ■ | न | ग | मा | ■ | रं |
| श | ह | जा | दा | ■ | वा | ■ | ■ | रं | ग |
| ■ | र | ■ | न | या | न | शा | ■ | भा | ■ |

## सूडोकु -2600

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | | | 6 | | | | |
| | | | | | 5 | | | |
| | | 9 | | | | 7 | | 3 |
| | 1 | | | 8 | | | | 2 |
| | | | 7 | | 4 | | | |
| 6 | | | | 3 | | | 8 | |
| 5 | | 7 | | | | 4 | | |
| | | | 8 | | | | | |
| | | | | 1 | | | 6 | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2599 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 4 | 5 | 3 | 1 | 8 | 7 | 6 | 2 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 2 | 5 | 4 | 9 | 3 |
| 2 | 7 | 3 | 9 | 4 | 6 | 8 | 1 | 5 |
| 6 | 3 | 9 | 1 | 7 | 4 | 2 | 5 | 8 |
| 5 | 2 | 4 | 8 | 9 | 3 | 6 | 7 | 1 |
| 7 | 1 | 8 | 6 | 5 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 4 | 6 | 7 | 5 | 8 | 1 | 3 | 2 | 9 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 7 | 5 | 4 | 6 |
| 3 | 5 | 2 | 4 | 6 | 9 | 1 | 8 | 7 |

## शब्द पहेली -2600

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 1 | | 2 | | ■ | 3 | 4 | | 5 | ■ |
| 6 | | ■ | | ■ | 7 | | | ■ | 8 | 9 |
| | ■ | 10 | | | | ■ | 11 | 12 | ■ | |
| 13 | | | | ■ | ■ | 14 | ■ | 15 | 16 | |
| | ■ | | ■ | 17 | 18 | | 19 | ■ | 20 | |
| ■ | 21 | | 22 | ■ | | ■ | 23 | 24 | | ■ |
| 25 | | ■ | 26 | 27 | | | ■ | | ■ | 28 |
| 29 | | 30 | ■ | | ■ | ■ | 31 | | | |
| | ■ | 32 | 33 | ■ | 34 | | | | ■ | |
| 35 | 36 | ■ | 37 | 38 | | ■ | | ■ | 39 | |
| ■ | 40 | | | | ■ | 41 | | | | ■ |

**बाएँ से दाएँ**

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

**ऊपर से नीचे**

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

### शब्द पहेली -2599 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | व | न | कु | मा | र | ■ | म | क | ब | रा |
| ला | न | ■ | त | ■ | स | ली | का | ■ | स | त |
| य | ■ | प | र | वा | ना | ■ | न | न | ■ | दि |
| न | का | र | ना | ■ | ■ | क | ■ | म | हा | न |
| वा | ■ | ख | ■ | स | ह | ल | ज | ■ | ज | ■ |
| दी | वा | ना | प | न | ■ | प | र | व | री | श |
| ■ | जि | ■ | र | स | ले | ना | ■ | न | ■ | री |
| ग | ब | न | ■ | नी | ■ | ■ | अ | वा | न्त | र |
| ज | ■ | शा | न | ■ | आ | ब | नू | स | ■ | र |
| रा | ज | ■ | ज | टा | यु | ■ | रू | ■ | क | क्ष |
| ज | ल | च | र | ■ | ध | र्मो | प | दे | श | क |

## छत्तीसगढ़ के रायपुर गोदावरी स्टील फैक्टरी में मजदूरों पर गिरा मशीन का हिस्सा, छह की मौत

**एजेंसी**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित गोदावरी स्टील फैक्टरी में निर्माणाधीन प्लांट के अंदर अचानक मशीन का कुछ हिस्सा टूटकर नीचे गिरने से 6 कर्मचारियों की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। इस वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आशंका व्यक्त की है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। घटना की जानकारी मिलते ही रायपुर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उन्होंने बताया कि इस हादसे में सात लोग घायल हुए हैं। जिनको इलाज के लिए देवेंद्र नगर स्थित एक निजी अस्पताल में लाया गया है। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद फैक्टरी परिसर में अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन अभी तक फैक्टरी प्रबंधन या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फिलहाल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं और मृतकों की संख्या एवं नामों को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

## उत्तरकाशी के धराली-खीरगंगा तबाही की जांच पूरी, सीमा जागरण मंच की टीम ने जुटाई अहम जानकारी

**उत्तरकाशी।** पांच अगस्त को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गाँव में खीरगंगा नदी की बाढ़ से हुई तबाही की जांच के लिए भेजी गई सीमा जागरण मंच की विशेषज्ञ टीम ने महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई हैं। कर्नल अजय कोठियाल के नेतृत्व में 12 पर्वतारोही, पर्यावरण रक्षक और 6 पोर्टरों का दल 23 सितंबर को खीरगंगा उद्गम स्थल पहुंचा था। टीम लीडर कर्नल अजय कोठियाल (उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष) ने उत्तरकाशी में पत्रकारों को बताया कि यह पहली विशेषज्ञ टीम है जो उद्गम स्थल तक पहुंची। उन्होंने बताया कि हमने 23 सितंबर को इस अभियान की शुरुआत की और 25 सितंबर को इसे समाप्त किया। हम आपदा प्रभावित घाटी में तीन दिनों तक रहे और तस्वीरें, वीडियो, ड्रोन से फुटेज लिए। साथ ही ऊपर के स्थानों में रहने वाले स्थानीय चरवाहों से बातचीत की और उनके बयान दर्ज किए। कई स्थानीय लोगों से मिले जो आपदा के दौरान ऊंचाई वाले इलाकों में थे। टीम लीडर ने बताया कि धराली जाने से पहले वाडिया संस्थान के पूर्व भूवैज्ञानिक डॉ. बी.पी. डोभाल से सलाह ली। अब वैज्ञानिक समुदाय के साथ वीडियो, तस्वीरों और अन्य निष्कर्षों का विश्लेषण के बाद एक रिपोर्ट तैयार करेंगे जिसे हम राज्य सरकार और मीडिया के साथ साझा करेंगे।

## बढ़ती आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की ज़िम्मेदारी- शिवराज सिंह चौहान

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश के किसानों के हितों की चिंता करते हुए घटिया पेस्टिसाइड, फर्टिलाइजर से किसानों को बचाने के लिए कई स्तर पर सरकार कार्रवाई कर रही है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। किसान अन्नदाता है, अन्नदाता मतलब जीवनदाता, जब पेट भरा होता है तब बाकी चीजें याद आती हैं। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में क्रॉप लाइफ इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन (विकसित भारत 2047- अर्थव्यवस्था में कृषि का एक ट्रिलियन का योगदान~ फसल संरक्षण उद्योग की भूमिका) को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अप्रैल से अगस्त तक के दौरान हमारा कृषि निर्यात 10 प्रतिशत बढ़ा है, हमारा बासमती धूम मचा रहा है। शिवराज सिंह ने कहा कि मैंने वैज्ञानिकों को टास्क दिया है, आईसीएआर व बाकी संस्थानों के वैज्ञानिक रिसर्च करते थे, लेकिन कई बार उस रिसर्च का जमीनी नाता नहीं रहता था। हमने विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया, उसमें किसानों की समस्याएं देखी। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि देश की आबादी 140 करोड़ है, जो 2050 तक 170 करोड़ होने का अनुमान है, तब के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है। इसके साथ ही लगभग 46 प्रतिशत आबादी, जो आज भी खेती पर निर्भर करती है, उनकी आजीविका भी चलाना है।

## योगी के 'मिशन शक्ति' की यूपी में धूम, सेल्फ डिफेंस क्लब में शामिल हुईं 2.98 लाख बालिकाएं

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 22 सितम्बर 2025 से शुरू किया गया 'मिशन शक्ति-5.0' अब सिर्फ एक सरकारी अभियान नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में जन आंदोलन का रूप ले चुका है। यह 90 दिनों का विशेष अभियान महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के साथ ही समाज में स्थायी बदलाव लाने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। मिशन शक्ति- 5.0 अभियान दिला रहा समाज की साझा जिम्मेदारी का एहसासअभियान की खासियत यह है कि यह केवल योजनाओं की श्रृंखला नहीं बल्कि समाज की सोच और व्यवहार में बदलाव का संदेश भी है। इसके तहत साइक्लोथॉन, घर-घर जागरूकता अभियान और सोशल मीडिया कैम्पेन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें लोगों की सहभागिता अभूतपूर्व रही है। जिलाधिकारी स्तर से लेकर ग्राम प्रधान तक के नेतृत्व में आयोजित ये गतिविधियाँ यह स्पष्ट कर रही हैं कि महिला और बच्चों की सुरक्षा केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है।

# 'तथ्यात्मक रूप से गलत और पूरी तरह निराधार', भारत ने नाटो प्रमुख की टिप्पणियों की निंदा की

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारत ने नाटो महासचिव मार्क रूटे की उस टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुद्दे पर वार्ता करने की बात कही थी। भारत ने इस बयान को 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और 'पूरी तरह से निराधार' करार दिया।

उन्होंने आगे कहा, 'हम नाटो जैसी महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित संस्था के नेतृत्व से अपेक्षा करते हैं कि वह सार्वजनिक बयानों में ज्यादा जिम्मेदारी और सटीकता बरते। प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों को गलत ढंग से पेश करने वाली या ऐसी बातचीत का सुझाव देने वाली अटकलबाजी या लापरवाही भरी टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं, जो कभी हुई ही नहीं।' न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा शिखर सम्मेलन के दौरान सीएनएन पत्रकार क्रिस्टियाने अमनपुर से बात

करते हुए रूटे ने दावा किया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल आयात पर भारत पर लगाए गए टैरिफ का मास्को पर गहरा असर पड़ रहा है। नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री ने बताया कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के कदम के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से यूक्रेन रणनीति पर स्पष्टता प्राप्त करने के लिए संपर्क किया था। रूटे ने अमनपुर को बताया, 'इस (टैरिफ) का रूस पर तत्काल प्रभाव पड़ा, क्योंकि इसका मतलब है कि दिल्ली अब मास्को में व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात कर रही है, और नरेंद्र मोदी उनसे पूछ रहे हैं, 'मैं आपका समर्थन करता, लेकिन क्या आप मुझे अपनी रणनीति समझा सकते, क्योंकि अब अमेरिका द्वारा लगाए गए इन 50 प्रतिशत टैरिफ से मैं भी प्रभावित हूं?' विदेश मंत्रालय ने नाटो प्रमुख की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए दोहराया कि भारत ऊर्जा के मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा। जायसवाल ने कहा, 'जैसा कि पहले कहा गया है, भारत का ऊर्जा आयात भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुमानित और किफायती ऊर्जा लागत सुनिश्चित करने के लिए है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करता रहेगा।' भारत ने पहले भी नाटो प्रमुख को रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने के किसी भी 'दोहरे मानदंड' के प्रति आगाह किया है। जुलाई में, रूटे ने अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान कहा था कि अगर चीन, भारत और ब्राजील रूस के साथ व्यापार जारी रखते हैं तो उन्हें कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

## झारखंड में दो सड़क हादसों में छह की मौत, सात घायल

**एजेंसी**

**रांची।** झारखंड में 12 घंटे के भीतर दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए।

मृतकों की पहचान नंद किशोर (47), कमल (38) और जगदीश भोक्ता (45) के रूप में हुई है। इस हादसे में सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से दो को धनबाद स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के साथ ताराटांड थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस व स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत से घायलों को बाहर निकाला।

बताया गया कि पिकअप वैन पर सवार ज्यादातर लोग गिरिडीह के बेंगाबाद के निवासी थे और हजारीबाग में मजदूरी करते थे। वे दुर्गा पूजा की छुट्टी में गांव लौट रहे थे।

इसके पहले गुरुवार देर रात पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एनएच-18 पर झरिया मोड़ के पास भी भीषण सड़क हादसा हुआ। कोलकाता से जमशेदपुर जा रही एक मारुति स्विफ्ट कार को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसके परखच्चे उड़ गए और उसपर सवार तीनों की मौके पर मौत हो गई।

मृतकों की पहचान कार चालक गणेश राय (50), जमशेदपुर निवासी कुसुमिता पटनायक (55) और उनकी बेटी मोनिका पटनायक (28) के रूप में की गई है। कार में सवार लोग किसी निजी कार्य के लिए कोलकाता गए थे और जमशेदपुर लौट रहे थे। शुक्रवार दोपहर शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

# महाराष्ट्र बाढ़ पीड़ितों के लिए हरसंभव मदद के लिए सरकार कटिबद्ध : अजीत पवार

**एजेंसी**

**मुंबई।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने धाराशिव जिले में कहा कि सरकार बाढ़ पीड़ितों की हरसंभव मदद के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों की मदद दिया जाना शुरु कर दिया गया है। किसी भी प्रभावित किसान को मदद से वंचित नहीं रखा जाएगा। उपमुख्यमंत्री आज धाराशिव जिले के भूम इलाके में दौरा किया और इसके बाद किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया। इसके बाद अजीत पवार ने कहा कि इस वर्ष औसत से अधिक बारिश हुई है, इससे लोगों की फसलें और घरेलू सामान नष्ट हो गए हैं। राज्य सरकार की ओर युद्धस्तर पर पंचनाना करवाया जा रहा है, बहुत जल्द किसानों को नुकसान भरपाई की जाएगी। लेकिन नुकसान भरपाई के पहले ही सरकार की ओर से प्रभावित किसानों को प्राथमिक मदद की जा रही है, जिससे किसानों को जीवनावश्यक वस्तुओं को लेने में मदद हो सके। अजीत ने कहा, सरकार आपके साथ खड़ी है। हमने किसानों की बिजली माफी के लिए 45 हजार करोड़ का बजट रखा और भूम-परंडा क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए तुरंत कदम उठाए हैं। इस मौके पर उन्होंने गांव के लोगों से बात करते हुए राहत

और पुनर्वास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सरकार की वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए कहा,सभी तरह का दिखावा किया जा सकता है, लेकिन पैसों का नहीं। जैसे आप घर का खर्च आय के अनुसार चलाते हैं, वैसे ही हमें 13 करोड़ जनता का कारभार देखना पड़ता है। केंद्र सरकार की मदद से भी बाढ़ग्रस्तों के लिए योजनाएं लाई जाएंगी। उल्लेखनीय है कि मराठवाड़ा के तीन जिलों छत्रपति संभाजीनगर, जालना और बीड में शुरुआती नुकसान लगभग 4 लाख 58 हज़ार 511 हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जो बीड में स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। सोयाबीन, कपास, अरहर, मक्का और बाजरा जैसी प्रमुख खरीफ फसलों को भारी बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। कटी हुई फसलें पानी में डूब गई हैं, जिससे किसानों की फसल बर्बाद हो गई है।

# बरेली में 'आई लव मोहम्मद' पोस्टर विवाद पर बवाल, पुलिस ने छोड़े आंसू गैस

**एजेंसी**

**बरेली।** शहर में जुमे की नमाज के बाद 'आई लव मोहम्मद' विवाद के चलते तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। तीन प्रमुख इलाकों में भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई और हालात पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो गए।

भीड़ ने धार्मिक नारेबाजी की और पथराव किया। कुछ लोग छतों से पत्थर भी फेंकने लगे। स्थिति बिगड़ते ही पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागकर काबू पाने की कोशिश की। इस कार्रवाई के दौरान भगदड़ मच गई और कई लोग घायल हुए। बवाल केवल इस्लामिया ग्राउंड तक सीमित नहीं रहा। बारादरी और प्रेमनगर क्षेत्र में भी हिंसक झड़पें हुईं। प्रशासन ने बाजार बंद कर दिए और शहर में भारी पुलिस बल तैनात किया। डीआईजी रेंज बरेली अजय कुमार साहनी, डीएम अविनाश सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। कुल 3700 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जबकि आसपास के 9 जिलों से अतिरिक्त फोर्स भी मंगवाई गई है। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। तौकीर रजा इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (IMC) के अध्यक्ष हैं और उनके खिलाफ 2010 में बरेली में दंगा भड़काने का आरोप भी कोर्ट में

विचाराधीन है। अधिकारी लोगों से घरों में रहने की सलाह दे रहे हैं और ड्रोन व पैरामिलिट्री फोर्स संवेदनशील इलाकों में निगरानी कर रही हैं। हालात फिलहाल तनावपूर्ण हैं और प्रशासन लगातार स्थिति पर नियंत्रण बनाने में जुटा हुआ है। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौलाना तौकीर रजा ने शहर के इस्लामिया ग्राउंड में प्रदर्शन करने की अपील की थी। जुमे की नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग ग्राउंड में जाने के लिए सड़कों पर उतर आए और जबरन घुसने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ उग्र हो गई और तोड़फोड़ शुरू कर दी।

# ग्राम प्रधानों ने मुख्यमंत्री को सुनाई बदलाव की कहानी, बोले- 8 साल में जो हुआ, पहले सिर्फ सपना था

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के गाँव अब सिर्फ बदलाव की उम्मीद नहीं कर रहे, बल्कि बदलाव की जीती-जागती मिसाल बन गए हैं। विकसित यूपी@2047 संवाद श्रृंखला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुए वर्चुअल संवाद में ग्राम प्रधानों ने बताया कि बीते आठ वर्षों में जिस विकास को उन्होंने देखा, वह कभी सिर्फ एक सपना था। आज वही सपना हकीकत बनकर गाँव-गाँव में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भर रहा है। श्रावस्ती जिले के इकौना विकास खंड की ग्राम पंचायत टड़वा महंत के प्रधान शिवकुमार राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के अभियान से पूरा गांव जुड़ गया है। उन्होंने उत्साहित होकर बताया कि मुख्यमंत्री जी अगले दिन उनके गांव आ रहे हैं और हर घर में उल्लास का माहौल है। इसी उत्साह की झलक कौशांबी जिले में भी दिखी। मंझनपुर विकास खंड की ग्राम पंचायत

उखैया खास की प्रधान सीमा निर्मल ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं की जिंदगी बदल दी है। उन्होंने कहा कि पंचायत की बैठकों का संचालन वह स्वयं करती हैं और बीसी सखी गांव-गांव जाकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। बरेली जिले की बिथरी चैनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत भरतौल की प्रधान प्रवेश ने कहा कि उनके गांव में सबसे पहले मॉडल राशन की दुकान खोली गई थी। आज भरतौल मॉडल ग्राम के रूप में जाना जाता है और गांव की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार काम कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के गाँव अब सिर्फ बदलाव की उम्मीद नहीं कर रहे, बल्कि बदलाव की जीती-जागती मिसाल बन गए हैं। विकसित यूपीञ्च2047 संवाद श्रृंखला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुए वर्चुअल संवाद में ग्राम प्रधानों ने बताया कि बीते आठ वर्षों में जिस विकास को उन्होंने देखा, वह कभी सिर्फ एक सपना था। आज वही सपना हकीकत बनकर गाँव-गाँव में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भर रहा है। इसके बाद अलीगढ़ जिले की गोंडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत तलेसरा के प्रधान गजेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को अपने गांव की ऐतिहासिक विरासत से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनके गांव से 13 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जुड़े हैं और उनकी स्मृति में स्टेडियम व अमृत सरोवर बने हैं।

## लेह हिंसा के दो दिन बाद सोनम वांगचुक गिरफ्तार, मुख्यमंत्री उमर ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

**एजेंसी**

**लेह।** लेह हिंसा के दो दिन बाद सोनम वांगचुक गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लेह में कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण है। सोनम वांगचुक को लेह शहर में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के दो दिन बाद आज गिरफ्तार किया गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि वांगचुक की गिरफ्तारी दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से केंद्र सरकार उन्हें निशाना बना रही है, उससे ऐसा लग रहा है कि यह अपरिहार्य है।उन्होंने यह

भी कहा कि केंद्र ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से वादे किए थे लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि केंद्र की क्या मजबूरी है कि वह वादे तो करता रहता है, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं करता। उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोगों ने चुनावों का बहिष्कार करने का फैसला किया था लेकिन केंद्रीय मंत्री के दौरे और नए आश्वासनों के बाद उन्होंने न केवल चुनावों में भाग लिया बल्कि भाजपा को जीतने में भी मदद की।

# स्पष्ट और पारदर्शी कानून ही लोकतंत्र की आत्मा : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधायी प्रारूपण एवं क्षमता संवर्धन नामक विषय पर आयोजित कार्यशाला में कहा कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है। स्पष्ट और पारदर्शी कानून ही लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाते हैं और जनता का विश्वास शासन-प्रशासन में मजबूत करते हैं। समय के अनुसार कानूनों में संशोधन और नए कानूनों का निर्माण आवश्यक है। लोकसभा के अध्यक्ष चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा और लोकसभा के संविधान एवं संसदीय अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करने उपरांत अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।ओम बिरला ने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार लोगों के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए जवाबदेही और कानून के शासन को सुदृढ़ कर रही है। सामूहिक प्रयासों के साथ अच्छा विधायी मसौदा तैयार करने के दृष्टिकोण से काम करना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत का संविधान आज भी हम सभी के लिए एक सशक्त मार्गदर्शक की भूमिका

निभा रहा है। इसके निर्माण की प्रक्रिया एक लंबी चर्चा, विस्तृत संवाद और सहमति-असहमति के दौर से गुजरी। उन्होंने कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है। राज्य की विधानसभाएँ और राज्य सरकारें नियमित रूप से विधायी ड्राफ्टिंग से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें। ओम बिरला ने कहा कि यदि ड्राफ्टिंग में पारदर्शिता, स्पष्टता और सरलता हो, तो कानून आम नागरिक के लिए उपयोगी और न्यायोचित बनता है। उन्होंने कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग में ग्रे-एरिया (अस्पष्टता) नहीं होनी चाहिए, अन्यथा न्यायिक समीक्षा में कानून की मंशा प्रभावित होती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग केवल तकनीकी अभ्यास नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक सशक्त, प्रभावी और जनता के करीब लाने का एक माध्यम है। अच्छे और स्पष्ट कानून ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली ताकत होते हैं।

## पूर्वोत्तर छात्र उत्सव-नेस्ट फेस्ट 2025 का आठवां संस्करण 3 अक्टूबर से, 'संस्कृति से जलवायु तक : युवा जनादेश' होगी थीम

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 8वां पूर्वोत्तर छात्र उत्सव-नेस्ट फेस्ट 2025 3 और 4 अक्टूबर को आयोजित होगा। माय होम इंडिया द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय उत्सव का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। इस उत्सव में 25,000 से अधिक छात्रों और प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस साल की थीम 'संस्कृति से जलवायु तकः युवा जनादेश'है जो युवाओं को संस्कृति, सशक्तिकरण और पर्यावरणीय चर्चाओं के केंद्र में रखेगी। इसमें उद्यमिता, स्थिरता और वर्षा जल संचयन जैसे विषयों पर सत्र होंगे, जबकि सबसे बड़ा आकर्षण भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और लाइव संगीत होगा। इस आयोजन में पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के साथ-साथ छत्तीसगढ़, ओडिशा और अन्य राज्यों के सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए जाएंगे।

# हैदराबाद के प्रवासी राजस्थानी मीट में सीएम भजनलाल का विकास में साझेदार बनने का आह्वान

**एजेंसी**

**हैदराबाद।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी जहां भी जाते हैं वहां अपनी संस्कृति, विचार और राजस्थानी मिट्टी की खुशबू बिखेरते हैं। दुनियाभर में प्रवासी राजस्थानी अपने काम के साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से अपील करते हुए कहा कि राज्य में उपलब्ध असीमित अवसरों में निवेश कर वे प्रदेश के विकास में साझेदार बनें, जिससे एक नए तथा विकसित राजस्थान का निर्माण हो। मुख्यमंत्री शर्मा हैदराबाद में प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल दिसंबर में राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान प्रतिवर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में इस साल 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रवासी राजस्थानियों को इस भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी

दिवस की श्रृंखला की शुरूआत आज हैदराबाद से की गई है। आगे भी देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह की मीट आयोजित की जाएगी जिससे देश और दुनिया में मौजूद प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ संबंधों को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य और जल संचयन जैसे क्षेत्रों के लिए विभिन्न सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर साल प्रवासी राजस्थानी सम्मान देगी और विभिन्न अवसरों पर भी सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्?मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के व्यावसायिक और सामाजिक प्रयासों में सहयोग के लिए एक विशेष विभाग का गठन किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान फाउंडेशन को सुदृढ़ किया है। इसके तहत पिछले एक साल में 14 नए चैप्टर खोले गए हैं तथा पूर्व के 12 चैप्टर्स में भी अध्यक्षों को मनोनीत कर सभी 26 चैप्टर्स को क्रियाशील किया गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के न्यूयॉर्क, लंदन, रियाद जैसे कई बड़े शहरों में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर सुचारु रूप से चल रहे हैं और इनके जरिए प्रवासी समुदाय राज्य सरकार के साथ राजस्थान की विकास यात्रा के साझेदार बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के परिवारजन के लिए प्रदेश के हर जिले में सिंगल प्वॉइंट कॉन्टेक्ट बनाया गया है तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। राइजिंग समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए। अब तक लगभग 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर भी चुके हैं। हम राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

# उत्तराखंड के माणा पास पर एमटीवी चैलेंज शुरू, पूर्व मुख्यमंत्री कोश्यारी ने किया उद्घाटन

**एजेंसी**

**गोपेश्वर।** उत्तराखंड के गोपेश्वर में देश की सबसे ऊंची सड़क माणा पास पर स्की एंड माउंटेनिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित एमटीवी चैलेंज प्रतियोगिता का आगाज हुआ। इस प्रतियोगिता में आईटीबीपी, भारतीय सेना के साथ ही कई राज्यों के प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने दीप प्रज्वलन कर साइकिलिंग रैली का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य में साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और इससे स्वरोजगार के भी अवसर मिलेंगे। जिसे लेकर युवाओं को जागरुक करने के लिए स्की एंड माउंटेनिंग एसोशिएशन की ओर से आयोजित साइकिलिंग रैली सहायक सिद्ध होगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय भट्ट ने बताया कि

प्रतियोगिता का आयोजन माणा पास से बदरीनाथ धाम तक किया जाएगा। इसमें आईटीबीपी, भारतीय सेना के साथ ही पंजाब, दिल्ली, तेलंगाना, कर्नाटक और जम्मू कश्मीर के साथ उत्तराखण्ड के सौ से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरी प्रतियोगिता देश की सबसे ऊंचाई वाली बदरीनाथ-माणा पास सड़क के 53 किलोमीटर के हिस्से में आयोजित की जाएगी। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, उपजिलाधिकारी जोशीमठ चंद्रशेखर वशिष्ठ, अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित, आयोजित समिति के सचिव अरविंद जियाला, संयुक्त सचिव विकेश, विमलेश पंवार, राजीव मेहता, सुशील पंवार, कमल किशोर डिमरी, विजयंत और चंद्रशेखर चौहान आदि मौजूद रहे।

# भारत-पाकिस्तान का हाई-वोल्टेज मुकाबला आज, टीम इंडिया की निगाहें सिर्फ जीत पर

**ब्रिसबेन (एजेंसी)।** दुबई (ईएमएस)। रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 के फाइनल में उतरने वाली भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी सिर्फ एक चीज़ पर ध्यान केंद्रित करेंगे वो है पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करना। यह हाई-वोल्टेज मुकाबला न केवल क्रिकेट के रोमांच से भरा होगा, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक तनाव और भावनात्मक उतार-चढ़ाव भी छिपे हैं। वर्षों से भारत-पाकिस्तान मैचों में उत्साह कम नहीं रहा, लेकिन शायद ही कभी मैदान और मैदान के बाहर की राजनीति इतनी घनीभूत रही हो।

इस एशिया कप 2025 में अभी तक सुर्खियों में अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव रहे। अभिषेक ने 200 से अधिक स्ट्राइक रेट के साथ लगातार तीन अर्धशतक जमाए हैं, जबकि कुलदीप ने 13 विकेट लेकर भारतीय टीम की गेंदबाजी को मजबूती दी। हालांकि, यह सफलता भी विवादों और टकराव से अलग नहीं रही। भारत-पाकिस्तान के पहले मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस और मैच के बाद हाथ नहीं मिलाया, जिससे पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राऊफ ने तानों और भड़काऊ इशारों के जरिए जवाब दिया। यह घटना इतनी गर्मागरम हुई कि दोनों खिलाड़ी आईसीसी के जांच के दायरे में आए और 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। पाकिस्तान के गृह मंत्री और क्रिकेट बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी ने भी सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालकर माहौल और गर्म किया।

कागजों पर भारत टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। लगातार छह जीत के बावजूद श्रीलंका ने भारत को केवल सुपर ओवर तक ही रोका। पाकिस्तान फाइनल तक लड़खड़ाता हुआ पहुंचा है, लेकिन उनके मुख्य कोच माइक हेसन ने बांग्लादेश को हराने के बाद कहा, 'फाइनल ही एकमात्र मैच है जो मायने रखता है।' भारत का सहयोगी स्टाफ भी यही सोचता है। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बताया कि अब 'बदसूरत जीत भी जीत होती है।' हालांकि, भारत के खिलाड़ी चोटों से पूरी तरह मुक्त नहीं हैं। श्रीलंका के खिलाफ हार्दिक पांड्या मांसपेशियों की चोट के कारण मैदान से हट गए, जबकि अभिषेक शर्मा को भी ऐंठन की समस्या हुई।

मोर्कल ने पुष्टि की कि अभिषेक पूरी तरह फिट हैं। पंजाब के इस बल्लेबाज ने छह मैचों में 309 रन बनाकर भारत की बल्लेबाजी का भार अकेले उठाया है। इस अंतर को देखकर साफ है कि बाकी खिलाड़ियों पर भी दबाव रहेगा। शुभमन गिल, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने कुछ अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन असली जिम्मेदारी अभिषेक के कंधों पर है। अगर वह सफल नहीं रहे, तो टीम को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

पाकिस्तान की कमजोरियों का फायदा भारतीय टीम उठा सकती है। सलमान आगा की अगुवाई वाली टीम का बल्लेबाजी क्रम संतुलित नहीं रहा, जबकि कुछ खिलाड़ियों जैसे साहिबजादा फरहान ने ही चुनौती दी। सईम अयूब का टूर्नामेंट निराशाजनक रहा। हुसैन तलत और सलमान अली आगा भारतीय स्पिनरों के सामने लड़खड़ाए। इसलिए फाइनल में कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की भूमिका निर्णायक हो सकती है। पाकिस्तान की उम्मीदें शाहीन शाह अफरीदी और हारिस राऊफ के आक्रामक प्रदर्शन पर टिकी हैं, लेकिन उन्हें भी अपने साथी गेंदबाजों का पूरा समर्थन नहीं मिलेगा। 28 सितंबर को रात आठ बजे भारतीय समयानुसार खेला जाने वाला यह मुकाबला शिष्टाचार से ज्यादा नतीजों के लिए याद रखा जाएगा। दोनों ही टीमें एक दूसरे पर जीत के लिए जी जान लगाती नजर आएगी। भारत-पाकिस्तान की यह जंग केवल क्रिकेट नहीं, बल्कि सम्मान और भावनाओं का भी प्रतिरूप होगी।

### अब तक 5 बार आमने-सामने

भारत और पाकिस्तान के बीच मल्टी नेशन्स टूर्नामेंट के इतिहास में फाइनल मुकाबलों की बात करें तो यह पहली बार है जब दोनों टीमें एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने होंगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच हुए फाइनल मुकाबलों में 1985 में भारत ने बेन्सन एंड हेजेस वर्ल्ड चैम्पियनशिप में 8 विकेट से जीत दर्ज की थी, जबकि 1986 में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रल-एशिया कप में 1 विकेट से जीत हासिल की थी। 1994 में पाकिस्तान ने शारजाह में 39 रनों से मुकाबला जीता। 2007 के टी20 विश्व कप में भारत ने 5 रनों से जीत दर्ज की, जबकि 2017 की चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने 180 रनों से मैच अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में तीसरी बार दोनों टीमें आमने-सामने हैं, जिसमें भारत ने दोनों ग्रुप मैचों में जीत हासिल की। फाइनल में भी भारतीय टीम यही सिलसिला जारी रखना चाहेगी।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**भारत-** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा और रिंकू सिंह।

**पाकिस्तान-** सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस राऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी और सुफयान मोकिम।

# अभिषेक शर्मा और शाहीन शाह अफरीदी के बीच हो सकती हैं 'कांटे की टक्कर'

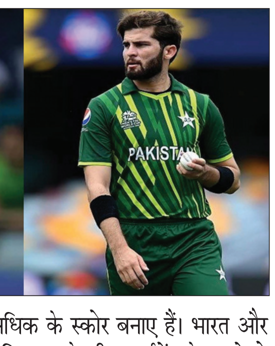

**दुबई (एजेंसी)।** भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा है कि रविवार को एशिया कप 2025 फाइनल में अभिषेक शर्मा और शाहीन शाह अफरीदी के बीच मुकाबला दर्शकों के लिए रोमांचक साबित होगा। मोर्कल ने इन दोनों खिलाड़ियों के साथ काम किया है और उन्हें पूरी तरह समझते हैं। उन्होंने बताया कि यह आमने-सामने का मुकाबला खेल के लिए बेहद दिलचस्प रहेगा। मोर्कल ने कहा, ''शाहीन निश्चित रूप से आक्रामक गेंदबाज हैं जो बल्लेबाज को पटखनी देने की कोशिश करेंगे और अभिषेक भी पीछे नहीं हटेंगे। जब भी ये दोनों आमने-सामने आए हैं, तब हम सभी क्रिकेट प्रेमी अपनी सीटों से चिपके रहते हैं। यह खेल के लिए बहुत अच्छा है।'' दोनों खिलाड़ी 25 साल के हैं। शाहीन लंबे समय से पाकिस्तान टीम का हिस्सा हैं, जबकि भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मौजूदा एशिया कप में अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। छह मैचों में अभिषेक ने लगातार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतक और तीन बार 30 या उससे अधिक के स्कोर बनाए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में भी अभिषेक ने शाहीन की गेंदबाजी पर दबदबा बनाया। 14 सितंबर को खेले गए ग्रुप स्टेज मैच में उन्होंने फुलटॉस पर चौका लगाया, जबकि 21 सितंबर के मैच में स्क्वायर के पीछे हुक से छक्का जड़ा। मोर्कल ने कहा, ''हां, तो चलिए रविवार को इसका इंतजार करते हैं और इस टक्कर का आनंद लेते हैं।'' पूर्व दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मोर्कल के अनुसार, फाइनल में यह मुकाबला सिर्फ व्यक्तिगत श्रेष्ठता का नहीं बल्कि दोनों टीमों की रणनीति और दबाव को संभालने की क्षमता का भी मापदंड होगा। उन्होंने बताया कि शाहीन की सटीक गेंदबाजी और अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी के बीच टकराव दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक साबित होगा। रविवार को रात आठ बजे भारतीय समयानुसार खेला जाने वाला यह मैच दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए न केवल रोमांचक होगा, बल्कि अभिषेक और शाहीन के बीच होने वाली 'कांटे की टक्कर' क्रिकेट इतिहास में यादगार भी रहेगी।

# पूर्व भारतीय बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर सूर्यकुमार के फार्म पर उठाए सवाल

**मुंबई (एजेंसी)।** टीम इंडिया की रविवार को टी20 एशिया कप 2025 फाइनल में चिर प्रतिद्विंदी पाकिस्तान से टक्कर होगी। भारत मौजूदा सीजन में तीसरी बार पाकिस्तान से भिड़ेगा। खिताबी मुकाबले से पहले आकाश चोपड़ा ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म को लेकर बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार का इस साल सिर्फ 12 का औसत है। बता दें कि सूर्या ने एशिया कप में अभी तक 6 मैचों की 5 पारियों में 23.66 के औसत से मात्र 71 रन बनाए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण में नाबाद 47 रनों की पारी खेली थी जबकि बांग्लादेश के खिलाफ सुपर-4 मैच में केवल 5 रन बनाए। वहीं, भारतीय कप्तान का पाकिस्तान के विरुद्ध सुपर-4 मैच में खाता नहीं खुला और श्रीलंका के सामने 12 रन बनाए। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर चोपड़ा ने कहा, ÷क्या सूर्यकुमार की फॉर्म चिंता का विषय है? यह निश्चित रूप से बड़ा सवाल है और हमें अभी तक इस सवाल का जवाब नहीं मिला है। सूर्या ने इस साल जो टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें उनका औसत 12 का रहा है।

# जूनियर महिला हॉकी: भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम से 0-5 से हारी

**कैनबरा (एजेंसी)।** भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ 0-5 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जो मौजूदा दौरे पर टीम की लगातार दूसरी हार है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मकायला जोन्स (10वें, 11वें और 52वें मिनट) ने हैट्रिक बनाई जबकि सैमी लव (38वें मिनट) और मिगालिया होवेल (50वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। भारत को शुक्रवार को पहले मैच में कड़े मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। मेहमान टीम को दूसरे मैच में वापसी की उम्मीद थी लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती से ही आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय टीम को कोई मौका नहीं दिया।

मकायला ने जल्दी-जल्दी दो गोल दागकर शुरुआत में ही भारतीय टीम को बैकफुट पर ला दिया। दूसरे हाफ में भी ऑस्ट्रेलिया ने हमले जारी रखे और मौकों का फायदा उठाया। सैमी ने मैदानी गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। चौथे क्वार्टर में भी ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा। मिगालिया ने गोल करके स्कोर 4-0 किया जबकि मकायला ने हैट्रिक पूरी करके मेजबान टीम की 5-0 से जीत सुनिश्चित की। भारत दौरे के अपने तीसरे मैच में सोमवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम से भिड़ेगा।

# भारत बनता जा रहा सुपर ओवर का बादशाह, एक भी नहीं हारा अब तक

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के आखिरी सुपर-4 मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराकर जीत का छक्का लगाया और टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत दर्ज की। टीम इंडिया पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी थी, लेकिन दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच ने रोमांच की सारी हदें पार कर दीं। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा की एक और आतिशी पारी की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने पथुम निसांका के धमाकेदार शतक के सहारे 5 विकेट पर उतने ही रन बनाए और मैच टाई हो गया। इसके बाद फैसला सुपर ओवर में गया, जहां अर्शदीप सिंह की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने बाजी मार ली। सुपर ओवर में श्रीलंका बल्लेबाजी करने उतरा और अर्शदीप सिंह ने पहली ही गेंद पर कुशल परेरा को चलता कर दिया। चौथी गेंद पर दासुन शनाका भी कैच आउट होकर लौट गए। इस तरह श्रीलंका महज 2 रन ही बना सका। भारत को जीत के लिए मिले 3 रन का लक्ष्य सूर्यकुमार यादव ओर शुभमन गिल की जोड़ी ने पहली ही गेंद पर हासिल कर लिया।

# फाइनल से पहले पंड्या की चोट ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

दुबई। एशिया कप 2025 में भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में जब टीम इंडिया पर हार का खतरा मंडरा रहा था, उस वक्त मैदान पर सभी खिलाड़ी तनाव में नजर आ रहे थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव रणनीति बनाने में जुटे थे, लेकिन इस बीच हार्दिक पंड्या अचानक मैदान से गायब हो गए। पहले ओवर में गेंदबाजी करने के बाद उनके न दिखने पर हर किसी के मन में सवाल उठने लगे कि आखिर हार्दिक कहां चले गए। जैसे ही यह खबर आई कि हार्दिक ड्रेसिंग रूम में हैं, फैंस और टीम मैनेजमेंट दोनों की चिंता बढ़ गई। क्योंकि यह साफ था कि अगर इतने अहम और सांस रोक देने वाले मुकाबले के दौरान हार्दिक मैदान पर नहीं हैं, तो जरूर कुछ गंभीर बात है। और वही हुआ, जिसका डर था। मैच के बाद सुपर ओवर में जीत दर्ज करने के बावजूद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हार्दिक का नाम लिए बिना कहा, 'आज रात अच्छी तरह रिकवरी करनी है। अभी फाइनल पर ध्यान नहीं देना चाहिए। कुछ खिलाड़ियों को ज्यादा ऐंठन हुई है। कल रिकवरी का दिन है और हम फिर वैसा ही प्रदर्शन करेंगे।' कुछ ही देर बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भी पुष्टि की कि हार्दिक पंड्या इंजर्ड हैं और उनकी स्थिति पर मेडिकल टीम नजर बनाए हुए है। मोर्कल ने कहा कि हार्दिक और युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दोनों ऐंठन की समस्या से जूझ रहे थे। हालांकि अभिषेक की स्थिति ठीक बताई गई, लेकिन हार्दिक की चोट को लेकर टीम प्रबंधन एहतियात बरत रहा है। मोर्कल ने साफ किया कि हार्दिक की फिटनेस को रात और सुबह दोबारा परखा जाएगा, उसके बाद ही फाइनल खेलने पर फैसला लिया जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ हार्दिक का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने अब तक खेले गए 12 इंटरनेशनल मैचों में 35 की औसत से 315 रन बनाए हैं और साथ ही 25 विकेट भी चटकाए हैं।

# विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप: शीतल देवी 18 साल की उम्र में बनी विश्व चैंपियन

**दक्षिण कोरिया (एजेंसी)।** भारत की 18 वर्षीय शीतल देवी ने शनिवार को यहां विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में तुर्किये की दुनिया की नंबर एक पैरा तीरंदाज ओजनूर क्यूर गिर्डी को 146-143 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

स्पर्धा में शीतल एकमात्र बिना बाजू वाली पैरा तीरंदाज हैं। वह निशाना लगाने के लिए अपने पैरों और ठुड्डी का इस्तेमाल करती हैं और यह चैंपियनशिप में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले शीतल और सरिता ने कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा में रजत पदक। शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता।

व्यक्तिगत फाइनल तनावपूर्ण था लेकिन शीतल ने संयम से निशाने लगाए। पहला राउंड 29-29 से बराबरी पर था, लेकिन शीतल ने दूसरे राउंड में 10-10 के तीन शॉट लगाकर 30-27 से जीत बढ़त हासिल की। तीसरा राउंड भी 29-29 से बराबरी पर था। चौथे राउंड में शीतल मामूली अंतर से चूक गई जिसमें उन्होंने 28 अंक बनाए और गिर्डी एक अंक से इसे जीत गई। हालांकि फिर भी शीतल ने 116-114 के स्कोर पर दो अंक की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद उन्होंने अंतिम राउंड में तीन सटीक तीर से 30 अंक बनाकर अपना पहला स्वर्ण पदक पक्का किया।

इससे पहले जम्मू कश्मीर की इस तीरंदाज ने सेमीफाइनल में ब्रिटेन की जोडी ग्रिनहम को 145-140 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। यह खिताबी मुकाबला 2023 पिलसन विश्व चैंपियनशिप का दोहराव था जिसमें गिर्डी ने शीतल को 140-138 से हराया था। कंपाउंड महिला ओपन टीम स्पर्धा में शीतल और सरिता को फाइनल में तुर्की से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले राउंड में गिर्डी और बुर्सा फातमा उन की तुर्की की जोड़ी पर 38-37 की बढ़त बनाई। भारतीय जोड़ी ने अपने शुरुआती चार तीर से तीन बार 10 अंक जुटाए जबकि तुर्की की जोड़ी केवल एक बार ही 10 अंक बना सकी। तुर्की की तीरंदाजों ने दूसरे राउंड में तीन बार 10 अंक से 39 अंक जुटाकर वापसी की और स्कोर 76-76 से बराबर कर दिया। तीसरे राउंड में भारतीय जोड़ी दबाव में आ गई। शीतल और सरिता एक बार 10, दो बार नौ और एक बार आठ अंक से कुल 36 अंक ही बना पाई।

तुर्की की जोड़ी ने अधिक निरंतरता दिखाई और उन्होंने एक बार 10 और तीन बार 9 अंक के साथ कुल स्कोर के आधार पर एक अंक की बढ़त हासिल कर ली। गिर्डी और उन ने अगले राउंड में संभावित 40 में से 39 अंक जुटाकर जीत सुनिश्चित की जबकि भारतीय टीम 36 अंक ही बना पाई जिसमें एक तीर सात अंक पर लगा। तुर्की ने 152-148 से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

# श्रीलंका की करीबी हार पर जयसूर्या की तीखी टिप्पणी, उस समय लय बदल गई

स्पोर्ट्स डेस्क : श्रीलंका के मुख्य कोच सनथ जयसूर्या ने एशिया कप के सुपर ओवर में भारत से मिली हार पर अपनी राय साझा की। श्रीलंकाई टीम को सुपर ओवर में मामूली हार का सामना करके भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपनी अपराजेयता बरकरार रखी। श्रीलंका के पास निर्धारित ओवरों में खेल खत्म करने का मौका था क्योंकि उन्हें आखिरी गेंद पर तीन रन चाहिए थे। हालांकि अक्षर पटेल द्वारा गेंद को आसानी से पकड़ने में नाकाम रहने के बावजूद दासुन शनाका ने तीसरा रन नहीं लिया। ऐसा लग रहा था कि श्रीलंका को बस दूसरा रन लेने की चिंता थी और इसीलिए उन्होंने डाइव लगाकर उसे पूरा किया। जयसूर्या खुश नहीं थे कि मैच सुपर ओवर तक गया क्योंकि वह चाहते थे कि मैच सामान्य समय में ही खत्म हो जाए। जयसूर्या ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं मैच को सामान्य समय में ही खत्म करना पसंद करता। कोई भी कप्तान या कोच सुपर ओवर में नहीं जाना चाहता। दुर्भाग्य से, दासुन तीसरा रन पूरा करने से चूक गए। लेकिन नहीं, भारत के खिलाफ कोई मानसिक अवरोध नहीं है। हमारा बल्लेबाजी क्रम मजबूत है और हमने उन्हें आत्मविश्वास दिया है। 200 203 के लक्ष्य का पीछा करना कभी आसान नहीं होता, लेकिन हमने लगभग कर ही लिया, जो हमारी क्षमता को दर्शाता है।' जयसूर्या ने आगे कहा, 'जब आप 202 203 के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तो आपको लगातार बाउंड्री लगानी होती हैं। उनकी साझेदारी अहम थी। जब हमने विकेट गंवाने शुरू किए, तो लय बदल गई। लक्ष्य का पीछा करते समय ऐसा होना स्वाभाविक है क्योंकि किसी को भी जोखिम उठाना पड़ता है। दुर्भाग्य से, पथुम गलत समय पर आउट हो गए और बाद में गेंद ज्यादा टर्न लेने लगी। फिर भी, यह क्रिकेट का एक बहुत अच्छा मैच था।' गौर है कि भारत बनाम श्रीलंका मैच में सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका के आक्रामक शतक ने भारतीय गेंदबाजों को एशिया कप में पहली बार दबाव में ला दिया लेकिन सुपर ओवर में अर्शदीप सिंह के बेजोड़ प्रदर्शन से भारतीय टीम ने श्रीलंका को हराकर टूर्नामेंट में लगातार छठी जीत दर्ज की। शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा के टूर्नामेंट में तीसरे अर्धशतक की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाये। जवाब में निसांका के शतक की मदद से श्रीलंका ने जीत की ओर लगभग कदम रख दिया था। लेकिन वे सुपर ओवर में रन बनाने में नाकाम रहे।

# एशिया कप : इतिहास रच गई पथुम निसांका-कुसल परेरा की जोड़ी

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के अंतिम सुपर 4 मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराकर जीत दर्ज की, लेकिन इस मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाजों पथुम निसांका और कुसल परेरा ने टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली और केएल राहुल के नाम था, जिन्होंने 8 सितंबर 2022 को अफगानिस्तान के खिलाफ पहले विकेट के लिए 119 रन जोड़े थे। टी20 एशिया कप में 100+ रनों की साझेदारी के मामले में तीसरी बड़ी साझेदारी पाकिस्तान के उमर अकमल और शोएब मलिक की थी, जिन्होंने 29 फरवरी 2016 को यूएई के खिलाफ चौथे विकेट के लिए 114 रन की अटूट साझेदारी बनाई थी। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 61 रन की पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन बनाकर योगदान दिया। श्रीलंका ने भी इसी स्कोर तक 5 विकेट खोकर पहुँचकर मैच को टाई करा दिया। पथुम निसांका ने 58 गेंदों में 6 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 107 रन बनाए, जबकि कुसल परेरा ने 58 रन जोड़े। मुकाबला सुपर ओवर तक गया, जहां श्रीलंका केवल 2 रन ही बना सकी और भारत ने पहली ही गेंद पर जीत दर्ज की। अब फैंस की नजरें रविवार को होने वाले भारत-पाकिस्तान के खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं। इस संस्करण में भारत पहले ही पाकिस्तान को दो बार हराकर फाइनल में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि फाइनल में भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहेगा। यह पहला मौका होगा जब टी20 फॉर्मेट में एशिया कप का खिताबी मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा।

# हमारी विश्व कप टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन: हरमनप्रीत

**दुबई (एजेंसी)।** कप्तान हरमनप्रीत कौर को विश्वास है कि मंगलवार से शुरू हो रहे महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम में हर विभाग में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के अच्छे मिश्रण से उनकी टीम को पहली बार विश्व खिताब जीतने में मदद मिलेगी। भारत चौथी बार ICC की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। टीम इससे पहले 2 मौकों पर खिताब जीतने के करीब पहुंची थी। भारतीय टीम ने पिछली बार 2017 में फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन तब मिताली राज की अगुवाई वाली टीम लॉर्ड्स में इंग्लैंड से रोमांचक मुकाबले में हार गई थी।

भारतीय टीम ने प्रतियोगिता की अच्छी तैयारी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय श्रृंखला जीती और फिर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को घरेलू सरजमीं पर कड़ी टक्कर दी लेकिन श्रृंखला में मेजबान टीम को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

ICC के लिए अपने कॉलम में हरमनप्रीत ने लिखा, 'हमारी विश्व कप टीम में सभी विभागों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतीका रावल, ऋचा घोष और उमा छेत्री जैसी प्रतिभावान बल्लेबाज टीम में मौजूद हैं।' स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो शतक जड़े जबकि उनकी साथी सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने भी बल्ले से उम्दा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी विभाग में स्पिनरों ने विशेष रूप से सराहनीय प्रदर्शन किया है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में दिल्ली में हुए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भारतीय स्पिनरों ने काफी रन लुटाए थे।

हरमनप्रीत ने आगे कहा, 'गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली है जिसमें रेणुका ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के साथ युवा और प्रतिभावान क्रांति गौड़, श्री चरणी और राधा यादव भी हैं। इसके अलावा दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और अमनजोत कौर के रूप में तीन ऑलराउंडर भी हैं जो मैच का रुख भारत की ओर मोड़ सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'एक संतुलित टीम। टूर्नामेंट से पहले समर्पित और केंद्रित तैयारी। सफलता के लिए तत्पर और दृढ़ टीम के साथ हम सकारात्मकता और विश्वास के साथ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में प्रवेश कर रहे हैं।'

हरमनप्रीत ने 2017 में सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन बनाकर भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। हरमनप्रीत ने कहा कि हालांकि सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला कड़ा होगा लेकिन टीम आत्मविश्वास से भरी है।

# क्रिकेटरों की मेहनत ने मुझे एथलेटिक्स में प्रेरित किया : उसैन बोल्ट

मुंबई। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने खुलासा किया है कि क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने उन्हें एथलेटिक्स में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। जमनाबाई नरसी परिसर में आयोजित फायरसाइड चैट में बोल्ट ने कहा, मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। क्रिकेटरों की प्रतिभा, उनके काम करने का तरीका और खुद को आगे बढ़ाने का अंदाज देखकर मैंने छोटी उम्र में ही कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने का संकल्प लिया।

बोल्ट ने भारत में अपने अनुभव को अविस्मरणीय बताया और कहा, इतने उत्साही प्रशंसकों से मिलना अद्भुत अनुभव है। यह मुझे याद दिलाता है कि खेल क्यों मायने रखते हैं और कैसे वे दुनिया के लोगों को जोड़ते हैं। यहां की ऊर्जा अद्भुत है, और मुझे ड्रीम सेट गो के विजन का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, जो प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेलों के और भी करीब लाता है। धावक ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए मेहनत जितनी सरल है, उतनी ही आवश्यक भी है। मुझे ट्रैक एंड फील्ड हमेशा से पसंद रहा है, और मैंने चोटों, शंकाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनाने के लिए प्रेरित किया।

# डू यू वाना पार्टनर में अपने किरदार को लेकर नकुल मेहता की राय

टेलीविजन अभिनेता नकुल मेहता ने डू यू वाना पार्टनर में बॉबी बग्गा की भूमिका निभाई है। इस सीरीज में अपने किरदार को लेकर नकुल क्या सोचते हैं। इस बात को उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। नकुल ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरों के साथ एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखा, जिसमें बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए एक खास अनुभव था। नकुल ने अपनी नई सीरीज डू यू वाना पार्टनर में बॉबी बग्गा के किरदार के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी भूमिका है, जो अब तक उनके द्वारा निभाई गई किसी भी प्रयास से अलग है।

## नया अनुभव और चुनौतियां

नकुल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट (डू यू वाना पार्टनर) ने उन्हें एक नए तरह का किरदार निभाने का मौका दिया। बॉबी बग्गा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत खास था। यह मेरे अब तक के किसी भी किरदार से अलग था। धर्मांटिक और प्राइम वीडियो के साथ पहली बार काम करना शानदार रहा। पूरी टीम बहुत अच्छी थी। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर है, जिसे अर्चित कुमार और कॉलिन डीकुन्हा ने निर्देशित किया है। इसमें तमन्ना भाटिया, डायना पेंटी, जावेद जाफरी, श्वेता तिवारी और रणविजय सिंघा जैसे सितारे भी हैं।

## निर्देशकों और टीम की तारीफ

नकुल ने निर्देशक अर्चित कुमार की तारीफ की और कहा कि उनके साथ काम करके उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। कॉलिन डीकुन्हा ने सेट पर अच्छा माहौल बनाया, जिससे काम करना आसान और मजेदार रहा। नकुल ने कास्टिंग डायरेक्टर और पूरी टीम का भी शुक्रिया अदा किया।

## खास लोगों को धन्यवाद

नकुल ने अपनी पोस्ट में कई लोगों का जिक्र किया। उन्होंने प्रोडक्शन डिजाइनर लिपक्षी एलावादी, उविचार, साहिल आनंद अरोड़ा और मुश्ताक खान का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि उनके विचारों ने उन्हें दिल्ली की संस्कृति समझने में मदद की और साहिल ने मेकअप में शानदार काम किया। नकुल ने यह भी कहा कि उनके दोस्त प्रतीक ने उन्हें बॉबी बग्गा का किरदार समझने में मदद की।

# 'अल्फा' को बताया पहली एक्शन फिल्म तो ट्रोल हुईं आलिया

**अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चाओं में हैं। यशराज के स्पाई यूनिवर्स की ये फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होनी है। अब आलिया का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म बता रही हैं। आलिया के ऐसा बताने पर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने एक्ट्रेस को ट्रोल कर दिया है। वहीं आलिया के लुक को लेकर भी उन्हें निशाने पर लिया गया और दीपिका को कॉपी करने की बात कही।**

## आलिया ने 'अल्फा' को कहा अपनी पहली एक्शन फिल्म

मिलान फैशन वीक में गुच्ची स्प्रिंग/समर 2026 फैशन शो के दौरान आलिया ने मीडिया से बात करते हुए आलिया ने 'अल्फा' को लेकर अपना उत्साह जताया। इसी दौरान अभिनेत्री ने 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म कहकर संबोधित किया। फिल्म को लेकर अपनी खुशी जताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'यह रिलीज के काफी करीब है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, क्योंकि यह मेरी पहली एक्शन फिल्म है, और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं।'

## यूजर्स ने 'जिगरा' और 'कलंक' की दिलाई याद

अब आलिया के 'अल्फा' को अपनी पहली फिल्म बताने पर नेटिजेंस ने एक्ट्रेस को ट्रोल करना शुरू कर दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि आलिया इससे पहले 'जिगरा' और 'हार्ट ऑफ स्टोन' जैसी एक्शन फिल्में कर चुकी हैं। तो वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि आलिया ने अपनी फिल्मोग्राफी से 'सड़क 2' और 'कलंक' जैसी फिल्में हटा ही दी हैं। नेटिजेंस का कहना है कि क्या अभिनेत्री अपनी पिछली एक्शन फिल्मों, खासकर जिगरा को नजरअंदाज कर रही हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आलिया यह एक एक्शन फिल्म थी। दोनों ही बुरी तरह फ्लॉप हुईं।' जबकि एक अन्य ने लिखा, 'आलिया ने अपनी फिल्मों से शानदार, सड़क, कलंक, जिगरा और हार्ट ऑफ स्टोन हटा दी हैं।' एक यूजर ने लिखा, 'शश्श, हम कभी सड़क, कलंक, हार्ट ऑफ स्टोन या जिगरा के बारे में बात नहीं करते।'

## दिसंबर में रिलीज होगी अल्फा

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर अल्फा इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। यह यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा आलिया पति रणबीर कपूर और अभिनेता विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की भी शूटिंग कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज होनी है।

## अपने लुक को लेकर भी ट्रोल हुई आलिया

इसके अलावा आलिया को मिलान फैशन वीक में उनके लुक को लेकर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। यहां लोगों ने उनके लुक की तुलना दीपिका पादुकोण के लुक से कर दी। इसके बाद नेटिजेंस ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ ने लिखा, 'आलिया दीपिका को कॉपी करने का प्रयास कर रही हैं।' तो वहीं कई ने आलिया को सस्ती दीपिका करार दिया।

# सीनियर्स को सम्मान मिलता देख अच्छा लगता है

हाल ही में आयोजित हुए 71वें नेशनल फिल्म पुरस्कार समारोह में मलयालम अभिनेता मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर उन्हें देश की कई बड़ी हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं। ऐसे में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी उन्हें बधाई दी और उन्हें सुपरस्टार बताया। कंगना रनौत ने बातचीत में कहा जब कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है तो यह उनके लिए अच्छी बात होती है। मोहनलाल एक सुपरस्टार हैं। भारत में उनका नाम है। राष्ट्रीय स्तर पर उनके काम को सम्मान मिलना अच्छा लगता है। सीनियर्स को सम्मान मिलता देख हमें भी अच्छा लगता है। इस तरह के आयोजन कलाकारों के प्रति सरकार के समर्थन को दर्शाते हैं।

# 'कांतारा 2' का ट्रेलर देख किच्चा सुदीप ने ऋषभ शेट्टी की तारीफ की

बीते सोमवार को कांतारा चैप्टर 1 का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमे ऋषभ शेट्टी की एक्टिंग दर्शकों को पसंद आ रही है। अब इसने लोगों में फिल्म को लेकर बेसब्री बढ़ा दी है। कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने अपने एक्स अकाउंट पर कांतारा 2 का ट्रेलर देखने के बाद प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ऋषभ की मेहनत की तारीफ करते हुए ट्रेलर को शानदार बताया है।

कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप ने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'कांतारा चैप्टर 1 फिल्म का ट्रेलर देखा, ढेर सारा प्यार मेरे दोस्त ऋषभ शेट्टी। आपकी कड़ी मेहनत और प्रयास हर फ्रेम में साफ दिखाई दे रहे हैं। आपने और आपकी टीम ने जो बनाया है, वह अद्भुत है। मुझे गर्व है। आपको और आपकी पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।'

ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित 'कंतारा: चैप्टर 1' होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिज़ाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल कहानी को आकार दिया है।

## कब रिलीज होगी फिल्म?

'कांतारा चैप्टर 1' को लेकर फैंस का उत्साहित हैं और वो फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा इस फिल्म को कन्नड़ के अलावा हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा।

# सबा आजाद ने बताया शादी को लेकर क्या है उनकी प्लानिंग

सबा आजाद बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने अब तक के करियर में अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उनका मानना है कि उन्हें उस तरह के किरदार पसंद हैं, जहां उन्हें पूरी तरह से ढलना पड़े।

## शादी के लिए माता-पिता ने नहीं डाला दबाव

सबा पिछले काफी वक्त से अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। अक्सर दोनों की शादी को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। अब अपनी व्यक्तिगत जिंदगी और शादी की प्लानिंग पर सबे ने कहा कि मैं एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ी हूं जहां शादी कभी भी सब कुछ नहीं रही। छह साल की उम्र में, मेरे माता-पिता ने मुझसे कहा कि बेटा, अगर तुम नहीं चाहती तो तुम्हें शादी करने की जरूरत नहीं है। इसलिए मुझे अपने परिवार से कभी भी इस बात का कोई दबाव महसूस नहीं हुआ कि मुझे अपनी जिंदगी कैसे जीनी है।

## टाइपकास्ट होना इंडस्ट्री में हमेशा से संघर्ष रहा

अभिनेत्री ने टाइपकास्ट होने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे अक्सर शहरी किरदारों में बांध दिया जाता है। लोग मुझसे पूछते हैं, क्या तुम हिंदी भी बोल सकती हो? और मैं कहती हूं, बिल्कुल बोल सकती हूं। रूढ़िवादिता से बाहर निकलना हमेशा एक चुनौती होती है। इसलिए जब कोई निर्देशक कुछ अलग तरह से सोचता है तो यह एक तोहफा होता है। टाइपकास्टिंग के खिलाफ संघर्ष एक ऐसा संघर्ष है जिसका सामना ज्यादातर कलाकार करते हैं। आप किसी खास भूमिका में खुद के बारे में सोचने के लिए किसी पर निर्भर होते हैं, और कभी-कभी आपको मनचाहा काम नहीं मिलता।

# अगर एआई मेरी आवाज के गाने बनाएगा, तो मैं केस कर दूंगा

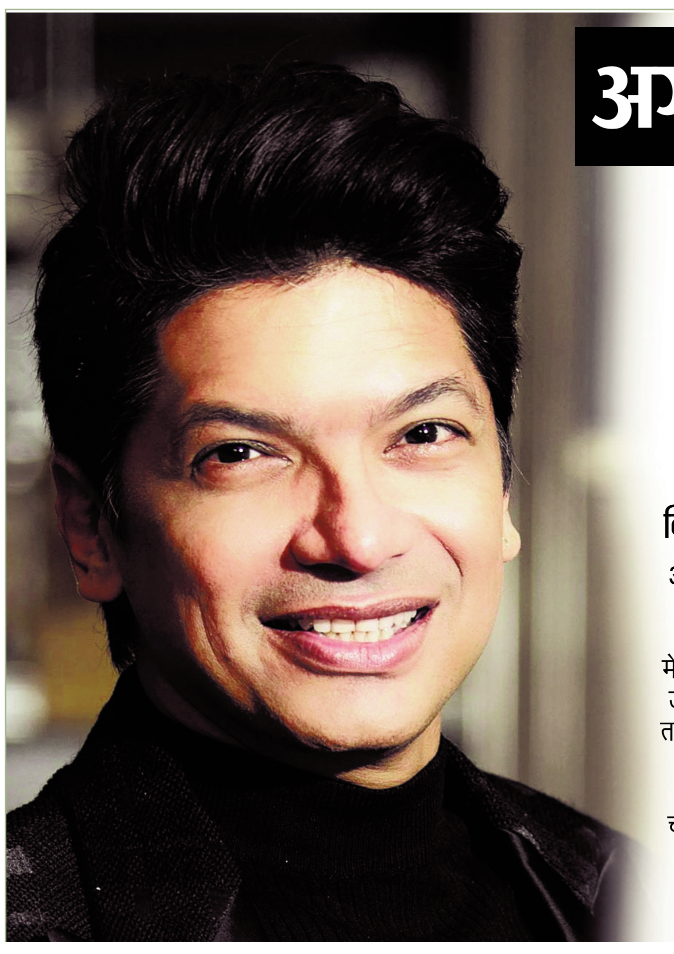

**तकरीबन 25 सालों से सिंगिंग के क्षेत्र में एक्टिव रहे गायक शान को अपने चाहने वालों का बेहद प्यार मिला है। तनहा दिल, चांद सिफारिश, मुसु मुसु हासी, हे शोना, बहती हवा सा था वो, बम बम बोले मस्ती में डोले जैसे लोकप्रिय और सुपरहिट गाने देने वाले शान इन दिनों चर्चा में हैं फॉरएवर किशोर शान से जैसे लाइव कॉन्सर्ट से।**

**आपके पिता संगीतकार थे और अब आपकी गायकी के बाद आपके बेटे माही और सोहम भी आपकी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं?**

मेरे दादाजी भी संगीतकार थे, तो यही कहूंगा, मिले जो कड़ी कड़ी, एक जंजीर बने हमारी चार पीढ़ियों तक तो संगीत की विरासत कायम है और चाहता हूं ये हमेशा बनी रहे। सच कहूं, तो ये प्लानिंग तो कत्तई थी ही नहीं। मैं जब छोटा था, तब मैं नहीं चाहता था कि मैं म्यूजिक के क्षेत्र में आऊं, क्योंकि मेरे दादाजी के बाद पिताजी की भी भी काफी स्ट्रगल रही, तो मैं नहीं चाहता था कि मैं भी उसी स्ट्रगल में खत्म हो जाऊं। मैंने बच्चों पर कभी भी म्यूजिक को प्रोफेशन बनाने का दबाव नहीं डाला, मगर बच्चों को इसी फील्ड में आना था और आज मेरा बेटा माही जहां सिंगर बन गया है, वहीं दूसरा बेटा सोहम संगीत की दुनिया से जुड़ा है।

**अपने करियर में आपने मुश्किल दौर क्या झेला?**

पिछले 6-7 साल से मेरा करियर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। गाने रिकॉर्ड तो करता हूं, लेकिन या तो फिल्म रुक जाती है या सिचुएशन बदल जाती है और गाने का कुछ होता ही नहीं। एक ज्योतिषी ने भी कहा था कि मेरा सिंगिंग का संयोग खत्म हो गया है और शोज करने चाहिए। शानू दा (कुमार शानू) ने समझाया कि ऐसी बातों पर ध्यान न दूं। अब मैं हर उस दरवाजे पर खटखटा रहा हूं जो खुलता नहीं, लेकिन जहां मौका मिलता है, वहां गा रहा हूं—छोटी फिल्मों, चैनलों, दुर्गा पूजा जैसे उत्सवों और शोज में। बड़े कंपोज़र्स और प्रोड्यूसर्स क्या सोचते हैं, ये पता नहीं, लेकिन मेरा मानना है, रुक जाना नहीं तू कभी हार के।

**हाल ही में हमने सैयारा के गाने को एआई के जरिए किशोर दा की आवाज में सुना, आप एआई को निकट भविष्य में खतरा मानते हैं?**

मुझे इसी बात का अफसोस है। जिन लोगों ने भी ये किया, उन्होंने बहुत ही चतुराई से उसे ब्लैक एंड वाइट में किया, उन्हें तो व्यूज भी मिल गए। कई बच्चों को ये भी लग रहा है कि ये तो किशोर दा का गाया हुआ पुराना गाना है। मैंने तो ऐसे भी कमेंट्स पढ़े कि उन्हें ये गाना ओरिजिनल से ज्यादा अच्छा लग रहा है। देखिए, आप आवाज को ऑटोट्यून करके बदल सकते हैं। मुझे ये खतरे से ज्यादा लीगल मुद्दा लगता है।अगर कल को मुझे अपने जैसी आवाज में कोई ऐसा गाना मिले, जो मैंने गाया नहीं है, तो मैं उन पर केस कर सकता हूं। चूंकि एक गाने से म्यूजिक कंपनीज भी जुड़ी रहती हैं, तो एआई के जरिए आप गाने क्रिएट कर रहे हो, तो समस्या में पड़ सकते हो।

**आपकी पत्नी राधिका किस तरह से आपकी जिंदगी का आधार स्तंभ हैं?**

मैं यही कहूंगा कि मैं वो पतंग हूं, जिसकी डोर राधिका के हाथों में है। उसे पता है, कहां ढील देनी है और कहां पकड़ना है? वो मुझसे 6 साल छोटी हैं, तो जब हमारी शादी हुई थी, तब मुझे लगता था कि मैंने दुनिया ज्यादा देखी है, मगर जल्दी समझ में आ गया कि उनकी सिक्स्थ सेन्स ज्यादा प्रबल होती है। वो मेरे बारे में मुझसे ज्यादा सोचती हैं, तो मुझे उनकी सोच पर पूरा भरोसा है।

## फॉरएवर किशोर शान जैसे शो से जुड़ने को क्यों प्रेरित हुए

मैंने देखा है कि पिछले 3-4 सालों में रब्बानी और नमिता, जो मेरे गुरु गुलाम मुस्तफा खान साहब के बहू-बेटे हैं, ने कई बड़े शोज क्यूरेट किए हैं। उन्होंने मुझे इस लाइव कॉन्सर्ट से जुड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मुझे लगा कि किशोर दा को ट्रिब्यूट देते हुए एक ऐसा संगीतमय गुलदस्ता पेश करूं, जो यादगार बन जाए। मैंने उन गानों को नॉस्टैल्जिक और आर्केस्ट्रा वाला फील न देकर आज के यूथ से जोड़ना चाहता हूं। मेरे पिता म्यूजिक कंपोजर हुआ करते थे, तो किशोर दा ने पिताजी के लिए गाना गाया था। मैंने उन्हें लाइव गाते हुए देखा है। मैं उस वक्त 12 साल का रहा होऊंगा। वो मेरे पिताजी की आखिरी रिकॉर्डिंग थी। मैं बहुत ही भाग्यवान मानता हूं खुद को कि मैंने रफ़ी साहब (मोहम्मद रफी) को भी लाइव गाते हुए देखा है। किशोर दा के साथ प्यारी याद यही थी कि मेहबूब स्टूडियो में गाने की रिकॉर्डिंग थी। बंगाली गाना था, काले सिल्क की लुंगी और कुर्ता पहना था उन्होंने। बारिश हो रही थी और मेरे पिताजी और किशोर दा एक ही छाते में चलते हुए जा रहे थे।

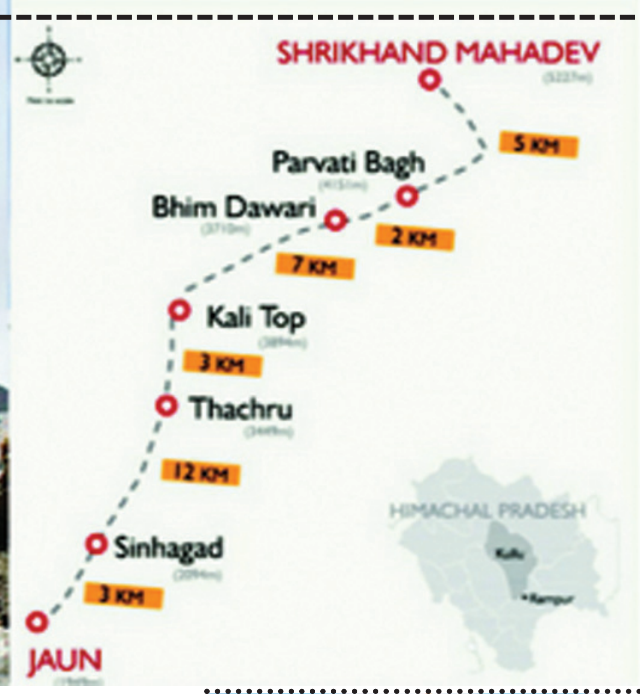


# अनोखी है श्रीखंड महादेव यात्रा

आस्था से सराबोर हमारे देश में कई धर्मस्थल हैं, इनमें से ऐसे कई धर्मस्थल ऐसे भी हैं जहां धार्मिक यात्राएं की जाती हैं। इन्हीं में से एक यात्रा है, श्रीखंड महादेव यात्रा। यह यात्रा हिमाचल प्रदेश में मौजूद श्रीखंड दर्शन के लिए की जाती है। यह यात्रा वर्ष में एक बार जून-जुलाई माह में होती है। तो जानते हैं इस धार्मिक यात्रा से जुड़ी बातें

- श्रीखंड महादेव हिमाचल के ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के पास है। स्थानीय लोगों की मानें तो, इस चोटी पर भगवान शिव का वास है।
- यहां मौजूद शिवलिंग की ऊंचाई 72 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए सुंदर घाटियों के बीच से एक ट्रैक है।
- श्रीखंड महादेव के दर्शन के लिए 18570 फीट की ऊंचाई पर चढ़ना होता है।
- श्रीखंड यात्रा के लिए 25 किलोमीटर की सीधी चढाई श्रद्धालुओं के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं होती है।
- लगभग 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड यात्रा के दौरान सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की भी कमी पडती है।

### धार्मिक यात्रा का पौराणिक महत्व

पौराणिक मत के अनुसार, एक बार एक दैत्य भस्मासुर ने शिव को तप से प्रसन्न कर वरदान मांगा था कि वह जिस पर भी अपना हाथ रखेगा तो वह भस्म होगा। दैत्य स्वभाव होने के कारण उसने माता पार्वती से शादी करने इच्छा हुई। तब भस्मापुर ने शिव के ऊपर हाथ रखकर उन्हें भस्म करने की योजना बनाई, लेकिन भगवान विष्णु ने मोहिनी रुप रख, उससे नृत्य करने की मंशा जाहिर की और इस तरह नृत्य में ही उसका हाथ उसके सिर पर रखवा दिया। जिससे भस्मासुर जलकर भस्म हो गया। कहते हैं जहां भस्मासुर का अंत हुआ था। श्रीखंड महादेव मंदिर परिसर में वो जगह वर्तमान में भी मौजूद है।

### यात्रा के लिए यहां से करते हैं शुरूआत

जून-जुलाई में शुरू होने वाली यात्रा के लिए भक्त हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर से कुल्लू जिला और फिर यहां से निरमंड से होते हुए बागीपुल पहुंचते हैं। और यहां से शुरू होती है 30 किमी की आस्था से सराबोर यात्रा।

# इस मंत्र का जप करने से नहीं आती अकाल मृत्यु

मौत जिंदगी का अंतिम सत्य है। इस सत्य से आप किनारा नहीं कर सकते हैं। क्योंकि जिस व्यक्ति ने इस पृथ्वी पर जन्म लिया है। उसकी मौत निश्चित है। लेकिन ये मौत अकाल मौत न हो इसके लिए कुछ उपाय करना बेहद जरूरी है। क्योंकि ईश्वर ने आपको एक तय उम्र दी है। जिसमें आप नेक कर्म कर जन्म-जन्मांतर के चक्र से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए अकाल मृत्यु से बचने के लिए आप ये उपाय जरूर आजमाएं...

- शिवपुराण के अनुसार जो महाकाल के भक्त होते हैं उनका काल भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता।
- अकाल मृत्यु से बचने के लिए जल में तिल और शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए। यह उपाय शनिवार को करने से अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है।
- शनि देव की शनिवार के दिन पूजन से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसलिए हर शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करने वाले व्यक्ति से अकाल मौत का खतरा दूर हो जाता है।
- नौ ग्रहों में सबसे क्रूर माने जाने वाले शनिदेव की कृपा पाने के लिए शनिवार को उनके पूजन के अलावा उनसे संबंधित वस्तुओं का दान करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है और अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता है।
- भगवान सदैव उन लोगों की रक्षा करते हैं जो उनकी शरण में जाते हैं। इसलिए ईश्वर पर आस्था रखकर इन मृत्यु टालने के उपाय को करने से इसका फायदा ज़रूर मिलता है।

# भोजन में शामिल करें ये चीजें
## ग्रहों के कोप से मिलेगा छुटकारा

नवग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ और रत्न आदि धारण करने का विधान है। हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित रखें तो ग्रह अतिशीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं। ज्योतिष ग्रंथ जातक पारिजात में बताया गया है, व्यक्ति किस तरह का भोजन करता है, इसका सीधा संबंध ग्रहों से है। यथोचित और शुद्ध भोजन ग्रहण करके भी नवग्रहों को प्रसन्न किया जा सकता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए गेहूं, आम और गुड़ को भोजन में शुमार करें। चन्द्र मन का कारक ग्रह है। इसे अनुकुल करने के लिए गन्ना, चीनी, आईसक्रीम, मिठाईयां, दूध और दूध से बने पदार्थ खाएं। बुद्धि के कारक बुद्ध ग्रह को शुभ करने के लिए मटर, ज्वार, मूंग, हरि सब्जियां आहार में शामिल करें। धन, पुत्र और विद्या के दाता बृहस्पति को फेवर में करने के लिए चने और चने से संबंधित चीजें, केला, हल्दी, सेंधा नमक, पीले रंग की दालें और फल खाएं। शुक्र के निर्बल या अशुभ होने पर जातक की अनैतिक कार्यों में प्रवृत्ति होती है, समाज में मान-सम्मान नहीं मिलता तथा अनेक सुखों का अभाव रहता है। जीवन में मनचाहा प्रेम और सौंदर्य शुक्र ग्रह की बदौलत ही प्राप्त होता है। ये भोज्य पदार्थ खाने से ये अनुकुल प्रभाव देने लगते हैं त्रिफला, दालचीनी, कमलगट्टे, सफेद शलगम, मूली, मिश्री। शनि की टेढ़ी नजर से बचने के लिए खाने में तिल, उड़द, मूंगफली का तेल, अचार, लौंग, तेज पत्ता ग्रहण करें। उड़द, तिल और सरसों राहू-केतू का अशुभ प्रभाव दूर करने में सहायक हैं।

# कैसा होना चाहिए मंदिर जाते समय पहनावा

जब भी किसी भी धर्मस्थल पर जाते हैं तो कपड़े ऐसे होने चाहिए जो शालीन हों और पहनने में सहज हों। क्योंकि जब मंदिर में भगवान के सामने सिर झुकाते हैं या खुदा के सामने सजदा करते हैं तो शालीन और सहज कपड़े पहने होने पर किसी प्रकार की समस्या नहीं होती। और यदि आप काफी तंग कपड़े पहने होते हैं तो इस तरह की समस्या आना आम है। ऐसे में भक्त का सारा ध्यान अपने वस्त्रों पर होता है। भगवान पर नहीं। याना आस्था और मनोकामना के लिए धर्म स्थल पर आना पूरी तरह से व्यर्थ हो जाता है। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि, राजा-महाराजा और आम आदमी धोती पहना करते थे। यह काफी सहज होती है। ऐसे में जब वो मंदिर जाते या फिर यज्ञ हवन करते तो उन्हें उठने-बैठने और चलने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती थी। और उनका पूरा ध्यान ईश्वर की आराधना में रहता था। हालांकि यह परंपरा आज भी जारी है। इसलिए देश के भव्य मंदिरों में पूजा अर्चना करते समय पारंपरिक वस्त्रों को ही पहना जाता है। इन वस्त्रों का रंग अमूमन पीला और लाल होता है। वह इसीलिए कि पीला रंग सकारात्मकता को दर्शाता है तो लाल रंग स्वयं देवी का का रंग है। जो अपना आध्यात्मिक महत्व रखता है।

# गौ परिक्रमा से मिलते हैं ढेरों लाभ

विष्णुधर्मोत्तरपुराण के अनुसार व्यक्ति के किसी भी अनिष्ट की निवृत्ति के लिए गौमाता के पूजन का विधान किया गया है। अनेक तरह के अरिष्टकारी भूचर, खेचर और जलचर आदि दुर्योग उस व्यक्ति को छू भी नहीं सकते जो नित्य गौमाता की सेवा करता है या फिर रोज गौमाता के लिए चारे या रोटी का दान करता है। तिल, जौ व गुड़ का बना लड्डू नौ गायों को खिलाने से व परिक्रमा करने से संतान प्राप्ति एवं मनोवांछित फल मिलता है। पति-पत्नी में आपसी मनमुटाव या क्लेश रहता हो तो दोनों गठजोड़े से गऊमाता की परिक्रमा करें एवं घर से रोटी बनाकर तिल के तेल से चुपड़ कर गुड़ के साथ नौ गायों को खिलाएं। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। गर्भवती महिलाएं नौ माह में प्रत्येक अमावस्या व पूर्णिमा पर परिक्रमा कर लें तो सामान्य डिलीवरी से संतान होगी। प्रतिदिन भोजन करने से पहले एक रोटी व गुड़ अपने हाथ से देसी गाय को खिलाने से एवं गाय के मुंह से लेकर पूंछ तक हाथ फेर कर अपने शरीर पर हाथ फेरने से शरीर का संतुलन बना रहता है। गाय को जौ खिलाएं और उसके गोबर में से जौ निकले, उसे धोकर खीर बना कर एक चम्मच गाय का घी डालकर गर्भवती महिलाएं अंतिम माह में खाएं। यह साधारण डिलीवरी में सहायक है। जिन बच्चों की शादी में अनावश्यक विलम्ब हो रहा हो, वे स्वयं विधिपूर्वक गाय की पूजा करके नौ रोटी व गुड़ खिलाएं जिससे मनवांछित फल प्राप्त होगा। गाय के आगे वाले पांव पर कुमकुम, अक्षत, पुष्प, जल, दूध, गुड़ से पूजन करने से घर में सुख-शांति व मोक्ष की प्राप्ति होती है। जिनके बच्चे कहने पर नहीं चलते हैं, मनमानी करते हों, ऐसे बच्चों के माता-पिता गौ माता की नौ परिक्रमा करें। बच्चे को एक बूंद गौमूत्र व गंगाजल, दूध या चाय में मिलाकर पिलाएं। बालक आज्ञाकारी होगा। आज्ञाकारी एवं मनवांछित संतान प्राप्ति के लिए पति एवं पत्नी दोनों गर्भधारण करने के पश्चात बछिया को दूध पिलाती हुई गाय की परिक्रमा करें। गौ धूलि बेला के समय गौ माता की परिक्रमा करने से भी समस्याओं का अंत होता है।

# हनुमानजी को प्रसन्न करने के अचूक उपाय

एक बार शनिदेव ने हनुमान जी को अपने साथ युद्ध करने के लिए ललकारा। हनुमान जी उनसे युद्ध करना नहीं करना चाहते थे, तब उन्होंने शनि को अपनी पूंछ से बांधकर ब्रह्मांड के चक्कर लगवा दिए। शनिदेव का शरीर पूरी तरह से छलनी हो गया। उनके शरीर से रक्त की धार बह रही थी। वह हनुमान से खुद को छोड़ने का आग्रह करने लगे। हनुमानजी ने उन्हें एक शर्त पर छोड़ा कि वो उनके भक्तों को कभी परेशान नहीं करेंगे। शनिदेव उनकी इस बात को मान गए।

- मंगलवार के दिन लाल वस्त्र पहने हनुमान जी को लाल रंग बेहद पसंद है।
- हर मंगलवार को हनुमान जी को बनारसी पान अर्पित करें। इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान जी को खुश रखने के लिए गरीबो की मदद करें, हर किसी के साथ अच्छा व्यवहार रखें और अपने माता पिता का हमेशा सम्मान करें।
- हनुमान जी की पूजा करते वक्त हनुमान जी को सिंदूर चढाएं इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान चालीसा में वर्णित है कि, किसी अन्य देव की पूजा करने से शायद आपको फल मिलने में थोड़ा समय लग जाए लेकिन हनुमान की अराधना तुरंत फल देती है।
- मंगलवार के दिन राम मंदिर में जाएं। हनुमान जी के मस्तक का सिंदूर दाहिने हाथ के अंगूठे से लेकर सीता माता के श्री रूप के श्री चरणों में लगा दें। अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए प्रार्थना करें।
- मंगलवार की सुबह स्नान करने के बाद बड़ के पेड़ का एक पत्ता तोड़ें और इसे साफ पानी से धो लें। अब इस पत्ते को कुछ देर हनुमानजी के सामने रखें। इसके बाद इस पर केसर से श्रीराम लिखें। अब इस पत्ते को अपने पर्स में रख लें। ऐसा माना जाता है कि इससे पर्स में पैसे बने रहते हैं।